खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 22° C
न्यूनतम : 12° C

मेरठ, शनिवार 11 अप्रैल 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 309 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | वैसाख कृष्ण पक्ष 9 विक्रमी सम्वत् 2083 | 22 शव्वाल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

स्वास्थ्य सेवाओं में यूपी नेरचा नया इतिहास: योगी पेज 2

पंजाब किंग्स का लक्ष्य एसआरएच के खिलाफ अपनी लय को बनाए रखना खेल टाइम्स

वृद्धावस्था का एक रोग जो बना चुनौती सम्पादकीय

होर्मुज में ईरान के टैक्स लेने पर भड़के ट्रम्प, बोले- यह वह समझौता नहीं जो हमने किया पेज 12

जाति जनगणना रोकने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, वार्ता

■ ऐसी अभद्र भाषा कहां से लाते हैं, सीजेआई ने याचिककर्ता को लगाई कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सीजेआई सूर्यकांत ने एक याचिककर्ता को कड़े शब्दों में फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार को जाति जनगणना रोकने, संसाधनों के पुनर्वितरण को जनसंख्या उत्तरदायित्व से जोड़ने और एक बच्चे वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करने वाली नीतियां बनाने का निर्देश देने वाली याचिका लगाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप इस याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा कहां से सीखते हैं? ये बदतमीजी की भाषा कहां से लेकर आते हैं आप लोग? आप लोग याचिका कैसे लिखते हैं अदालत ने जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की आलोचना की। सीजेआई सूर्यकांत ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता से कहा कि आपने अपनी याचिका में बदतमीजी की भाषा लिखी है। आपने अपनी याचिका में अभद्र भाषा लिखी है। आपकी याचिका किसने लिखी हा। इससे पहले दो फरवरी को शीर्ष अदालत ने 2027 की आम जनगणना में नागरिकों के जातिगत आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली एक अलग जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया था। 2027 की जनगणना, जो आधिकारिक तौर पर 16वीं राष्ट्रीय जनगणना है, 1931 के बाद पहली बार व्यापक जाति गणना को शामिल करने वाली और देश की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी।

ईरान-अमेरिका वार्ता पर सस्पेंस

ईरान की ओर से अभी तक कोई साफ संदेश नहीं, जेडी वेंस पाक के लिए रवाना

तेहरान/वाशिंगटन।

अमेरिका के साथ होने वाली सीजफायर बातचीत के लिए ईरानी डेलिगेशन अब तक पाकिस्तान नहीं पहुंचा है। शनिवार को इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बैठक प्रस्तावित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान लेबनान में जारी इजरायली हमलों से नाराज है और इसी वजह से उसने बातचीत को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अभी तक उसकी ओर से बैठक में शामिल होने को लेकर साफ संकेत नहीं मिले हैं। इससे पहले खबर आई थी कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच चुका है, लेकिन ईरानी मीडिया ने इन दावों को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि 8 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी थी। उसी के तहत इस्लामाबाद में यह बातचीत तय हुई है। अब यह देखना अहम होगा कि क्या तय समय पर यह बैठक हो पाती है या फिर हालात के चलते इसमें बदलाव होता है।

वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका ने कूटनीतिक मोर्चे पर बड़ा कदम उठाया है। जेडी वेंस इस्लामाबाद के लिए रवाना हो गए हैं, जहां वे ईरान के साथ अहम बातचीत में हिस्सा लेंगे। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब क्षेत्र में संघर्षविराम बना हुआ है, लेकिन हालात अब भी नाजुक हैं। वेंस के बयान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन किसी भी तरह की चालबाजी बर्दाश्त नहीं करेगा। रवाना होने से पहले वेंस ने कहा कि अगर ईरान ईमानदारी से बातचीत करता है, तो अमेरिका भी सकारात्मक रुख अपनाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुले हाथ से बातचीत करना चाहता है, लेकिन उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान ने बातचीत में खेल करने की कोशिश की तो अमेरिकी सेना सख्त रुख अपनाएगी। यह बयान साफ संकेत देता है कि बातचीत के साथ-साथ दबाव की रणनीति भी जारी रहेगी। यह वार्ता पश्चिम एशिया में एक महीने से जारी तनाव को खत्म करने के मकसद से हो रही है। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का संघर्षविराम हुआ है। अब यह बातचीत उसी को आगे बढ़ाने और स्थायी शांति का रास्ता निकालने के लिए अहम मानी जा रही है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वेंस करेंगे। उनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकाफ और जारेड कुशनर भी शामिल हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक यह बैठक शनिवार सुबह स्थानीय समय के अनुसार होगी और इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

इस्लामाबाद में प्रस्तावित है वार्ता

■ ईरान की मांग पहले लेबनान में सीजफायर, फिर होगी बात

■ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी, वार्ता असफल रही, तो ईरान पर होंगे भीषण हमले

होर्मुज में ईरान के टैक्स लेने पर भड़के ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही को बाधित करने के तरीके पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ईरान इस मामले में बहुत खराब काम कर रहा है और इसे अशोभनीय बताया।

युद्धविराम की प्रभावशीलता पर सवाल राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल को गुजरने देने के मामले में बहुत खराब काम कर रहा है, कुछ लोग इसे अशोभनीय कहेंगे। यह वह समझौता नहीं है जो हमने किया है। डोनाल्ड ट्रम्प की यह टिप्पणी तेल टैंकरों से शुल्क लेने की रिपोर्टें सामने आने के बाद आई है। इससे पहले ट्रम्प ने यह भी ट्वीट किया था कि ऐसी रिपोर्टें हैं कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले टैंकरों से शुल्क ले रहा है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए और अगर वे कर रहे हैं, तो उन्हें अभी बंद कर देना चाहिए। व्हाइट हाउस युद्धविराम समझौते के हिस्से के रूप में जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का समर्थन करता है। हालांकि, उनका कहना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के सैन्य बल का विरोध करते हैं, जो अभी भी जलमार्ग को नियंत्रित करता है और गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूल कर राजस्व बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने एक ही वकील की ओर से पेश 25 जनहित याचिकाएं खारिज कीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को 25 अलग-अलग जनहित याचिकाएं दायर करने वाले वकील को सलाह दी कि उन्हें अदालत में आने के बजाय संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। जैसे ही मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ, याचिकाकर्ता और वकील सचिन गुप्ता ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष कहा कि वह अपनी पीआईएल वापस लेना चाहते हैं। पीठ ने गुप्ता से कहा कि आप अपने पेशे पर ध्यान केंद्रित करें। आपको अदालतों में आने के बजाय अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए, उन्हें कुछ मुद्दों पर अधिक जानकारी देनी चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली भी शामिल थे।

नीतीश कुमार ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली। बिहार से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित सदस्य नीतीश कुमार ने शुक्रवार को संसद भवन में सदन की सदस्यता शपथ ली। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने जनता दल यू के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शपथ दिलाई। कुमार ने हिंदी भाषा में शपथ ली। वह राज्यसभा के लिए हाल ही में हुए द्विवार्षिक चुनाव में उच्च सदन के लिए चुने गए थे।

सेना ने कर्नल पुरोहित को ब्रिगेडियर रैंक पर पदोन्नति की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सेना ने महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले में गिरफ्तारी के बाद चर्चा में आए सेना के कर्नल श्रीकांत पुरोहित की ब्रिगेडियर के रैंक पर पदोन्नति को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार सेना ने कर्नल पुरोहित के पदोन्नति के आवेदन को सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के स्थगनादेश के बाद मंजूरी दे दी है।

आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए इससे जुड़े 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार करके अहम कामयाबी हासिल की है।

गगनयान का दूसरा एयर ड्राप टेस्ट हुआ सफल

नई दिल्ली। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारियों को लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन को बधाई दी है।

■ दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्राप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया, परीक्षण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में हुआ

उन्होंने बताया कि गगनयान मिशन के तहत दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्राप टेस्ट (आईएडीटी-02) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह परीक्षण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में आयोजित किया गया। आईएडीटी यानी इंटीग्रेटेड एयर ड्राप टेस्ट गगनयान मिशन का एक बेहद अहम और तकनीकी रूप से जटिल परीक्षण है। इस मिशन की सबसे बड़ी चुनौती अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। जब अंतरिक्ष यात्री अपना मिशन पूरा कर लौटेंगे, तब उनका क्रू माड्यूल पृथ्वी के वायुमंडल में अत्यधिक गति से प्रवेश करेगा। इस दौरान उसकी रफ्तार को नियंत्रित करना और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करना बेहद जरूरी होता है। यहीं पर पैराशूट सिस्टम की भूमिका अहम हो जाती है। यह प्रणाली क्रू माड्यूल की गति को धीरे-धीरे कम करती है और उसे सुरक्षित रूप से समुद्र या निर्धारित स्थान पर उतारती है। आईएडीटी के तहत एक डमी (प्रायोगिक) क्रू माड्यूल को भारतीय वायुसेना के भारी विमान या हेलीकॉप्टर से कई किलोमीटर की ऊंचाई से गिराया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान यह परखा जाता है कि पैराशूट तय समय पर, सही क्रम में और बिना किसी तकनीकी गड़बड़ी के खुलते हैं या नहीं। हाल ही में हुए आईएडीटी-02 परीक्षण की सफलता यह साबित करती है कि इसरो का पैराशूट और रिकवरी सिस्टम पूरी तरह भरोसेमंद है और भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में सक्षम है।

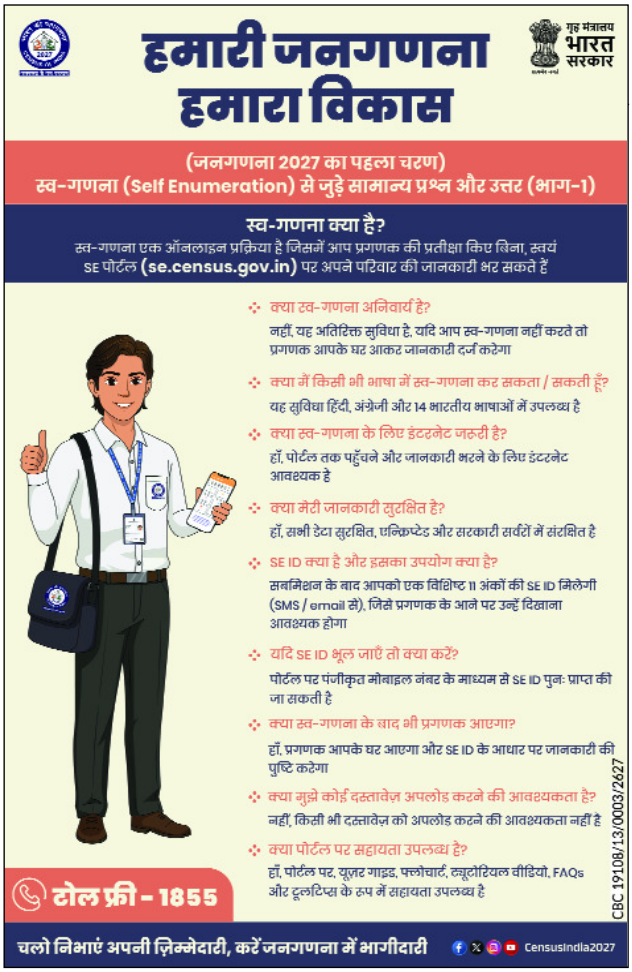

संक्षिप्त समाचार

हरिवंश सिंह ने ली राज्यसभा की सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली। राज्यसभा के निवर्तमान उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने शुक्रवार को सदन की सदस्यता की शपथ ली। जनता दल यू के वरिष्ठ नेता श्री हरिवंश का राज्यसभा में दूसरा कार्यकाल गुरुवार को ही समाप्त हुआ था और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें आज ही उच्च सदन के लिए मनोनीत किया था। उन्हें उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और राज्यसभा के मनोनीत सदस्य रंजन गोगोई के सेवा निवृत होने से रिक्त हुई सीट पर मनोनीत किया गया है। यह श्री हरिवंश का राज्यसभा में तीसरा कार्यकाल होगा। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने श्री हरिवंश को मनोनीत सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने हिन्दी भाषा में शपथ ली।

धनंजय पर जानलेवा हमले के 24 वर्ष बाद आ सकता है फैसला

वाराणसी। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में शुक्रवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं। पूरी सुनवाई अंतिम चरण में पहुंचने के कारण इस प्रकरण में जल्द ही बड़ा फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही है। अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। प्रकरण के अनुसार, 4 अक्टूबर 2002 को तत्कालीन विधायक और पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपने साथियों के साथ जौनपुर लौटते समय जानलेवा हमला हुआ था। आरोप है कि वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हाल के समीप बोलेरो से उतरे अभय सिंह और उनके साथियों ने अंधाधुंध फायरिग की थी। हमले में धनंजय सिंह, उनके चालक, गनर समेत अन्य लोग घायल हो गए थे।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में खड़गे ने महिला आरक्षण प्रस्ताव पर जताई चिंता

चुनावी फायदे के लिए श्रेय लेना चाहते हैं पीएम

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिला आरक्षण बिल पर मोदी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार 2029 से इसे लागू कर सीटों को 50 प्रतिशत बढ़ाना चाहती है, जिसका परिसीमन प्रस्ताव गंभीर होगा। खड़गे ने इसे चुनावी लाभ का प्रयास बताया।

■ सरकार लंबी खामोशी के बाद अचानक सक्रिय हुई, 33 प्रतिशत आरक्षण को 16 से 18 तक हो रही संसद की बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कहा कि आप सभी जानते हैं कि मोदी सरकार लंबी खामोशी के बाद महिला आरक्षण पर अचानक सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के मसले पर 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद की बैठक होने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से इस बारे में अभी तक हम लोगों के पास कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं आया है। प्रधानमंत्री के लिखे लेख को पढ़कर हमें कुछ बातें पता चली हैं। इस सत्र में सरकार महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक को पास कराना चाहती है, ताकि इस बार के विधान सभा चुनावों में वे इसका श्रेय और फायदा ले सकें। खड़गे ने कहा कि अभी तक जो जानकारियां मिली हैं, उसके मुता. बिक सरकार महिला आरक्षण को 2029 के चुनावों से लागू करना चाहती है। इसके अलावा वह लोकसभा और विधानसभाओं की मौजूदा सीटों को 50 प्रतिशत बढ़ाना चाहती है। वह लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करना चाहती है। विधान सभाओं में भी इसी अनुपात में बढ़ोतरी होगी। इस डिलिमिटेशन प्रस्ताव के गंभीर परिणाम होंगे। इसलिए इस पर बहुत गहरे विचार विमर्श की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संसद की बैठक मोदी सरकार अपने राजनीतिक फायदे की मंशा से बुला रही है। वह जल्दी से जल्दी संविधान संशोधन विधेयक पारित करना चाहती है। हमने संसदीय कार्य मंत्री को तीन बार लिखकर कहा था कि 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए मतदान के आखिरी दिन के बाद सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाएं और गंभीरता से चर्चा की जाए, पर हम सबके अनुरोध के बाद भी सरकार ने केवल नैरेटिव बदलने और चुनावी लाभ के लिए हमारी बातों को नहीं माना।

कांग्रेस ने केंद्र पर यू-टर्न का लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महिला आरक्षण को लेकर यू-टर्न लेने का आरोप लगाया है। रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मीडिया में लेख लिखकर खुद को महिला आरक्षण का अकेला चैंपियन दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था, तब कांग्रेस ने इसे 2024 से लागू करने की मांग की थी लेकिन सरकार ने इसे जनगणना और परिसीमन से जोड़ दिया, जिन प्रक्रियाओं में देरी हुई। करीब 30 महीने बाद संभावित चुनावी नुकसान को देखते हुए सरकार अब अपना रुख बदल रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं में यूपी ने रचा नया इतिहास: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'नेशनल इंटरवेंशनल का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अब तक गरीब मरीजों के इलाज के लिए 1400 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। उन्होंने कहा कि करीब 9 वर्ष पहले तक यूपी को बीमारू राज्य माना जाता था, लेकिन आज प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बदलती जीवनशैली पर चिंता जताते हुए कहा कि आधुनिक दिनचर्या ने बीमारियों को बढ़ावा दिया है। हमारे सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं-एक बचाव और दूसरी उपचार। बीमारियों के तेजी से बढ़ते प्रभाव

■ सरकार ने इलाज को 1400 करोड़ रुपये दिए

को देखते हुए जागरूकता और समय पर इलाज बेहद जरूरी है। पहले जहां मात्र 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, वहीं अब केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा दो एम्स भी प्रदेश में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हर जिले में आईसीयू की सुविधा विकसित की गई है और कई अस्पतालों को कैथलैब से लैस किया गया है। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी और लोहिया संस्थान में टेली आईसीयू और टेली-कंसल्टेंसी सेवाओं का विस्तार किया गया है।

यूपी में एसआईआर से काटे पीडीए के वोट: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही शुक्रवार को निर्वाचन आयोग द्वारा फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दिए जाने के बाद समा. जवादी पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखा हमला बोला है।

बीजेपी को निशाने पर लेते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी जब हारने लगती है, तो चुनाव आयोग से हाथ मिला लेती है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में बीजेपी को सबसे पहले हराएंगे, उसके बाद राजस्थान या दूसरे राज्यों का रुख करेंगे।

उन्होंने एसआईआर के जरिए पीडीए के वोट काटने का भी आरोप लगाया। फाइनल वोटर लिस्ट आने के बाद अखिलेश यादव ने बीजेपी के साथ ही चुनाव आयोग पर भी सीधा हमला बोला

■ जब बीजेपी हारती है तो मिलती है ईसी से

है। जयपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीजेपी जब भी हारती है, तो चुनाव आयोग को आगे कर देती है, लेकिन 2027 में बीजेपी को हराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिये पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यकों के वोट काटे गए। योजना बद्ध तरीके से बीजेपी और चुनाव आयोग पीडीए के नाम डिलीट कर रहे हैं, फॉर्म-7 इसका बड़ा हथियार बना।

प. बंगाल में महिलाओं को मिलेंगे 3 हजार

छह महीने में राज्य में यूसीसी लागू करेंगे: अमित शाह

नई दिल्ली/कोलकाता, वार्ता

गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देबरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनजी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है।

भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में यूसीसी लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। शाह ने पत्र जारी करते हुए कहा कि बंगाल की जनता के लिए पिछले 15 साल बुरे सपने के जैसे

■ बेरोजगार युवकों को भी तीन हजार की मदद: गृहमंत्री

रहे हैं। ममता घुसपैठियों के जरिए तीसरी बार सीएम बनीं हैं। हम घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करेंगे। राज्य में दो फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। रिजल्ट 4 मई को आएगा। देबरा में एक जनसभा को संबो. धित करते हुए अमित शाह ने कहा कि पिछले 15 सालों से ममता बनर्जी 'मा, माटी, मानुष' के नारे के साथ आती रही हैं, लेकिन हमारे युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा है और लोगों को तकलीफें उठानी पड़ी हैं। किसानों को भी परेशान होना पड़ा है। भारतीय जनता पार्टी बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना चाहती है, जबकि ममता बनर्जी उन्हें बचाना चाहती हैं। ममता दीदी, आप जो चाहें कर लें, हम हर घुसपैठिये की पहचान करेंगे और उन्हें बंगाल से बाहर निकाल देंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संकल्प पत्र भरोसे का है। यह सोनार बांग्ला के निर्माण का भरोसा है। उन्होंने कहा कि इस भरोसे के आधार पर रचनात्मक रूप से चुनाव में जाना चाहते हैं। अमित शाह ने कहा कि मुझे भरोसा है कि बंगाल की जनता हमें पांच साल के लिए सरकार बनाने का मौका जरूर देगी।

डा. अम्बेडकर के सम्मान में मैराथन आयोजित करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम ने शुक्रवार को बताया कि पार्टी अप्रैल महीने को 'सामाजिक न्याय माह' के रूप में मना रही है और संविधान निर्माता भीमराव रामजी अम्बेडकर के सम्मान में मैराथन का आयोजना किया जाएगा। गौतम ने यहां सवाददाता सम्मेलन में कहा कि अप्रैल का यह महीना देश के लिए गौरवशाली है, क्योंकि इसी माह में कई महानायकों का जन्म हुआ था। इन महानायकों में ज्योतिबा फुले, डा. भीमराव अंबेडकर, राहुल सांकृत्यायन, जगजीवन राम और सम्राट अशोक जैसे महान व्यक्तित्व शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस का अनुसूचित जाति विभाग और पिछड़ा वर्ग विभाग मिलकर 11 अप्रैल को लखनऊ स्थित इंदिरा प्रतिष्ठान में ज्योतिबा राव फुले की जयंती मनाएंगे। इसके बाद रविवार सुबह छह बजे मंडी हाउस, नई दिल्ली से 'सामाजिक परिवर्तन मैराथन' की शुरुआत की जाएगी। इसका शुभारंभ पार्टी नेता राहुल गांधी करेंगे। इस मैराथन को 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर संविधान' नाम दिया गया है। गौतम ने कहा कि इसका उद्देश्य डा. अम्बेडकर द्वारा निर्मित संविधान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। इस मैराथन में भाग लेकर लोगों को उस संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करना है।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 77550.25
निफ्टी 24050.60

सोना 151700
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 239685
प्रति किलो

शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स चढ़ा

मुंबई, वार्ता

अमेरिका-ईरान के बीच स्थाई युद्ध विराम के लिए जारी वार्ता के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौट आई और बीएसई का सेंसेक्स 918.60 अंक (1.20 प्रतिशत) चढ़कर 77,550.25 अंक पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 275.50 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की बढ़त में 24,050.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का 10 मार्च के बाद का उच्चतम बंद स्तर है। स्थाई युद्ध विराम के लिए पाकिस्तान में आज से हो रही वार्ता से बाजार में निवेश धारणा को मजबूती मिली है। चौतरफा लिवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा पैसा लगाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.27 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.65 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटी की 1.91 फीसदी की गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक हरे निशान में रहे। ऑटो में सबसे अधिक 2.85 प्रतिशत की तेजी रही। बैंकिंग, वित्त और रियलटी सेक्टरों के सूचकांक भी दो प्रतिशत चढ़े। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स का शेयर चार प्रतिशत के करीब मजबूत हुआ।

आईसीआईसीआई बैंक में भी तीन फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर दो से तीन प्रतिशत चढ़े। अडानी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावरग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर एक से दो प्रतिशत तक ऊपर बंद हुए। इटरनल, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल, एनटीपीसी, भारती एयरटेल और आईटीसी के शेयर भी हरे निशान में रहे। सनफार्मा का शेयर साढ़े तीन फीसदी से अधिक टूट गया। इंफोसिस में करीब तीन प्रतिशत और टीसीएस में करीब ढाई प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा का शेयर डेढ़ फीसदी और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का एक फीसदी के करीब नीचे बंद हुआ।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कमोडिटी मार्केट में शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है, जिससे चांदी 2 लाख रुपये से ज्यादा सस्ती हो चुकी है। एमसीएक्स पर सोने-चांदी में यह गिरावट ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता होने जा रही है।

मल्टी कमोडिटी मार्केट में 10 ग्राम सोने का भाव 1700 रुपये टूटकर 151700 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है, जो 4000 रुपये से ज्यादा गिरकर 2,39,685 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। सोने के भाव में 1.10 फीसदी और चांदी की कीमतों में 1.70 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है। चांदी को रिकॉर्ड हाई लेवल 4. 39 लाख रुपये है और अभी 2.39 लाख रुपये पर कारोबार कर रही है।

यूपी की आध्यात्मिक राजधानी का बौद्ध सर्किट बनेगा आधार

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को अब बौद्ध सर्किट नई गति देने जा रहा है।

सारनाथ से कुशीनगर और श्रावस्ती से कपिलवस्तु तक फैला यह आध्यात्मिक गलियारा अब वैश्विक पर्यटन, निवेश और सांस्कृतिक कूटनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रदेश के बौद्ध स्थलों पर बढ़ती पर्यटकों की संख्या इस सर्किट की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। वर्ष 2025 में कौशाम्बी, संकिसा समेत छह प्रमुख स्थलों पर 82 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। इन स्थलों को बेहतर सड़क और हवाई कनेक्टिविटी, डिजिटल

■ तीन हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला

सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पर्यटन सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। इसका सीधा लाभ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रहा है, जहां होटल, परिवहन, गाइड सेवा और हस्तशिल्प क्षेत्र में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। कुशीनगर में आयोजित कॉन्क्लेव ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया। इस आयोजन में 2,300 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जबकि थाईलैंड, जापान, म्यांमार, भूटान और नेपाल से आए प्रतिनिधियों ने इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया। इस दौरान करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो बौद्ध सर्किट की आर्थिक क्षमता को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'विकसित उत्तर प्रदेश/2047' के तहत पर्यटन आधारित सकल मूल्य वर्धन में प्रदेश की हिस्सेदारी को 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 16 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यूनेस्को मान्यता प्राप्त विरासत स्थलों की संख्या को 7 से बढ़ाकर 20 तक पहुंचाने की योजना है। भगवान बुद्ध से जुड़ी यह पावन भूमि, जहां उन्होंने प्रथम उपदेश दिया और महापरिनिर्वाण प्राप्त किया, आज नई वैश्विक पहचान की ओर अग्रसर है। सरकारी नीतियां, अंतर्राष्ट्रीय आयोजन और निवेश प्रस्ताव मिलकर यूपी को आध्यात्मिक और पर्यटन हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूत आधार तैयार कर रहे हैं।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि

वैश्विक संस्थाओं ने कलपक्कम रिएक्टर को सराहा

वाशिंगटन। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है।

यह भारत के तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण की महत्वपूर्ण शुरुआत है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रासी ने भारत के इस उपलब्धि की जमकर सराहना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि यह कदम ईंधन की स्थिरता और परमाणु ऊर्जा के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। पेरिस स्थित अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने भी इसे एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि बताया है। आईईए ने शोसल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा श्कई वर्षों के विकास के बाद हासिल की गई इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि के लिए भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई। भारत अब दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है जिसके पास यह खास तकनीक है। रूस के अलावा अभी तक कोई भी देश इसे सफलतापूर्वक नहीं चला पाया है। अमेरिका और जापान जैसे देशों ने भी दशकों पहले इस जटिल तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिशें छोड़ दी थीं। यह रिएक्टर 6 अप्रैल को रात 8.25 बजे चालू हुआ। इसमें ईंधन के रूप में प्लूटोनियम आधारित मिक्स्ड आक्साइड का इस्तेमाल होता है।

हिन्दी भाषा विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट का बड़ा एक्शन

झूठी अफवाह फैलाने वालों पर 1 लाख का जुर्माना

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के एक प्रस्तावित कदम को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं पर 1 लाख का भारी जुर्माना लगाया है। सरकार के इस प्रस्ताव में कर्नाटक माध्यमिक शिक्षा परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित एसएसएलसी (10वीं) की परीक्षा में हिंदी सहित 'तीसरी भाषा' के लिए अंकों के बजाय ग्रेड देने की बात कही गई थी।

मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी.एम. पूनाचा की खंडपीठ ने बेंगलुरु निवासी एच.एन. चंदना और एस. वेंकटेश की याचिका पर सुनवाई के दौरान सख्त रुख अपनाया। अदालत ने पाया कि यह याचिका केवल मीडिया रिपोर्ट्स और शिक्षा मंत्री के एक कथित बयान के आधार पर दायर की गई थी। कोर्ट ने इसे 'अत्यंत अनुचित' ठहराते हुए

कहा कि सिर्फ अखबार की खबरों को आधार बनाकर हाईकोर्ट के असाधारण अधिकार क्षेत्र का उपयोग करना कतई उचित नहीं है। शुरुआत में अदालत ने इस याचिका को पब्लिसिटी पाने का जरिया मानते हुए याचिकाकर्ताओं पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने यह राशि 'कर्नाटक राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण' में जमा करने का आदेश दिया और स्पष्ट किया कि भुगतान न होने पर इसकी वसूली भू-राजस्व के बकाया के तौर पर की जाएगी।

बिना अनुमति पुलिस अफसर पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने यह फैसला दिया है कि किसी पुलिस अधिक. ारी पर अवैध हिरासत और हिरासत में यातना देने के आरोप लगने पर भी उन्हें सरकार की पूर्व अनुमति का सुरक्षा कवच मिल सकता है, बशर्ते कि वे कार्य उनकी आधिकारिक ड्यूटी से तर्कसंगत रूप से जुड़े हों।

जस्टिस एम ए चौधरी ने अपने 12 पन्नों के फैसले में जम्मू निवासी राजेश्वर सिंह के खिलाफ मजिस्ट्रेट द्वारा संज्ञान लेने के आद. ेश और ट्रायल कोर्ट के 11 मई, 2015 के आदेश, दोनों को रद्द कर दिया। सिंह ने अपने वकील आक. ाश गुप्ता के माध्यम से जम्मू-कश्मीर सीआरपीसी की धारा 561(1) का सहारा लेते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सिंधी भाषा में संविधान का नया अवतार

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने जारी किया संस्करण

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देवनागरी और फारसी दोनों लिपियों में सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया।

उप राष्ट्रपति ने सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर उप राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में सिंधी भाषी समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सिंधी सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है और इसकी साहित्यिक परंपरा वेदांतिक दर्शन और सूफी विचारों के अनूठे संगम को दर्शाती है, जो एकता, प्रेम और भाईचारे के सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार सिंधी भाषा में विशेष रूप से देवनागरी लिपि में संविधान का प्रकाशन, भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि राष्ट्र की जीवंत आत्मा है, जो इसकी आकांक्षाओं को समाहित करती है, अधिकारों की रक्षा करती है और लोकतांत्रिक शासन का मार्गदर्शन करती है उपराष्ट्रपति ने सरकार द्वारा संविधान को अनेक भारतीय भाषाओं में सुलभ बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल नागरिकों और शासन के बीच के अंतर को कम करने में सहायक होती है, क्योंकि इससे लोग संविधान को अपनी मातृभाषा में समझ पाते हैं, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और विश्वास मजबूत होता है। श्री राधाकृष्णन ने संविधान को बोडो, डोगरी, संथाली, तमिल, गुजराती और नेपाली आदि भाषाओं में उपलब्ध कराने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रयास भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विभाजन के बाद के कठिन समय में यह भाषा दृढ़ता और एकता का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि सिंधी भाषा को 1967 में 21वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था, जिससे इसके सांस्कृतिक महत्व को मान्यता मिली और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसका संरक्षण सुनिश्चित हुआ। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मातृभाषा के साथ-साथ सभी भाषाओं को समान महत्व और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने बल दिया कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है और भाषाएं संस्कृति, परंपरा और पहचान की महत्वपूर्ण वाहक हैं।

EDUCATIONAL INSTITUTIONS CONTINUE NAINITAL's LEGACY AS EDUCATION HUB

अफजल हुसैन फौजी
नैनीताल।

- नैनीताल देश का प्रमुख शिक्षा हब है।
- इस शहर की 150 साल पुरानी शैक्षिक विरासत है।
- देश के कई स्थानों के साथ-साथ कई विदेशी छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- ICSE, CBSE व स्टेट बोर्ड के कई नामी स्कूल यहां स्थित है।
- नैनीताल से पढ़े छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

सरोवर नगरी नैनीताल

शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित हब के रूप में विख्यात है, यहां दी जाने वाली शिक्षा का कोई सानी हीं। पिछले कुछ सालों में शैक्षिक परिवेश में वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक बदलाव देखने को मिला है। जिसमें सबसे बड़ी भूमिका इंटरनेट की रही है। नैनीताल के शिक्षण संस्थानों की बात की जाए तो वह पहले भी वैश्विक स्तर की थी और वर्तमान में भी देश में सर्वोपरि स्थान रखती हैं। इसका उदाहरण यहां स्थित आवासीय विद्यालय हैं, जहां शायद ही देश का कोई प्रान्त और विद्यार्थी हो जो यहां शिक्षा ग्रहण न कर रहा हो। इसके अलावा विदेशों के भी विद्यार्थी इन स्कूलों में अध्ययनरत हैं। नैनीताल की उत्कृष्ट शिक्षा का यह प्रत्यक्ष प्रमाण है। सर्वविदित है, नैनीताल का स्कूलों का अतीत डेढ़ सौ से भी अधिक वर्ष पुराना है। इन वर्षों में यहां के कई स्कूलों की रैंकिंग राष्ट्रीय स्तर पर टॉप टेन में शामिल रही है, जो वर्तमान में भी बरकरार है। यहां शिक्षा का पैर्टन अंतराष्ट्रीय स्तर का है। देश में चुनिंदा विद्यालय हैं, जो अंतराष्ट्रीय स्तर पर संचालित होते हैं। यही वजह है कि यहां से शिक्षित विद्यार्थी हजारों की संख्या में दुनिया भर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और अपना व अपने परिवार के अलावा विद्यालय व नैनीताल का नाम रोशन कर रहे हैं।

प्रस्तुतिः दिग्विजय सिंह बिष्ट,आकांक्षी माड़मी

बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा दे रहा सेंट जॉन्स स्कूल

सेंट जॉन्स स्कूल की शुरुआत वर्ष 1982 में एक प्लेस्कूल के रूप में की गई थी। वर्ष 1989 में इसे श्रीमती ई.थॉमस और श्री एस.ए. थॉमस द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया, जिन्होंने कक्षा 8 तक अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन शुरू किया। वर्तमान में श्रीमती विनीता रावत के रूप में वर्तमान प्राचार्या पद पर कार्य कर रही हैं। इस विद्यालय का वातावरण नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए नगर में विशेष स्थान रखता है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित सेंट जॉन्स स्कूल बेहतर ढंग से बच्चों के चहुमुखी विकास में जुटा हुआ है। अनिवार्य विषयों के अलावा अतिरिक्त विषय भी चला रहा है। जिसके चलते इस विद्यालय के प्रति नगर में लोगों का विश्वास गहराता जा रहा है, जो कक्षा आठवीं तक संचालित की जा रही है।

ST.JOHN'S SCHOOL
ADMISSIONS OPEN
2026-2027
DAY SCHOOL AND BOARDING
Child - Centered Learning • Experienced Educators
Full secured campus • Indoor-outdoor sports
FOR REGISTRATION CONTACT :
7017284536, 8126562778, 6399613097
E-mail: stjohnsntl@gmail.com, sjshostel@gmail.com

शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय भूमिका निभा रहा रामा मॉन्टेसरी

शिक्षा के क्षेत्र में रामा मॉन्टेसरी विद्यालय की भूमिका अद्वितीय रही है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित यह विद्यालय नर्सरी से कक्षा 8वीं के बच्चों का भविष्य संवारने में जुटा हुआ है। बच्चों का बौद्धिक का शारीरिक विकास के साथ प्रतियोगात्मक विकास पर विद्यालय प्रबंधन विशेष ध्यान देता है। जिस कारण यह विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रधानाचार्य नीलू एलहंस कहती हैं कि बच्चों की चहुमुखी विकास को लेकर उन्होंने विद्यालय में शिक्षण कार्य शुरू किया था और इसी उद्देश्य की पूर्ति को लेकर प्रयासरत रहती हैं।

RAMA MONTESSORI ENGLISH MEDIUM SCHOOL
MALLITAL, NAINITAL
Will be offering you Comprehensive education from NURSERY TO CLASS 8th Join our legacy of Excellence and Holistic development.
Excellent Teacher Student Ratio
Computer classes
Taekwondo Classes
EMPOWERING YOUNG MINDS WITH QUALITY EDUCATION.
COME AND BE A PART OF OUR FAMILY, WHERE LEARNING MEETS EXCELENCE AT
RAMA MONTESSORI SCHOOL
NAINITAL
For more details
Visit at our website
www.ramamontessori.com
Contact : 9759911893, 9760408506.
26 Years Completed
ADMISSIONS OPEN 2026-2027

नगर का अग्रणी स्कूल सनवाल

उत्कृष्ट शिक्षा व कुशल प्रबंधन के चलते यह विद्यालय कक्षा 12वीं तक जा पहुंचा है। वर्ष 1952 में सनवाल स्कूल की स्थापना एंजेलिना ग्रेस सनवाल द्वारा की गई थी। लिहाजा सनवाल स्कूल अपने उद्देश्य की पूर्ति करता हुआ 73 साल का सफर तय करने में न केवल कामयाब हुआ है, बल्कि हजारों बच्चों का भविष्य संवारने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है।

सीबीएससी बोर्ड से संबद्ध सनवाल स्कूल अंग्रेजी माध्यम से संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में प्रबंध निदेशक गौरव सनवाल विद्यालय का कुशल प्रबंधन का दायित्व निभा रहे हैं, जबकि ए इमेन्युअल प्रधानाचार्य के पद पर बेहतर शिक्षण कार्य रही हैं। वह कहती हैं कि विद्यालय को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आधुनिक शिक्षा के साथ बच्चों का भविष्य संवारने हेतु दायित्व निभा रही हैं।

नगर का अग्रणी विद्यालय है बिशप शॉ इंटर कॉलेज

नीलम दानी
(प्रबन्धक)

वीना मैसी
(प्रधानाचार्य)

बिशप शॉ इंटर कॉलेज उत्तराखंड बोर्ड से सम्बद्ध अंग्रेजी माध्यम से संचालित नगर के अग्रणी विद्यालयों में स्थान रखता है और अनुभवी शिक्षकों द्वारा बच्चों का भविष्य संवारने में जुटा हुआ है। विद्यालय प्रबंधन की विशेषता है कि बेहद कम शुल्क में बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर, शिक्षा के क्षेत्र में अपना दायित्व बखूबी निभाता आ रहा है। तल्लीताल क्षेत्र में झील के समीप विद्यालय का वातावरण शिक्षा के माकूल है। विद्यालय प्रबंधक नीलम दानी कहती है कि उनका प्रयास विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा प्रदान कर बेहतर भविष्य बनाना है। भविष्य में भी उनका प्रयास जारी रहेगा। प्रधानाचार्य वीना मैसी कहती हैं कि वह वैश्विक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक शिक्षा प्रदान करने में जुटी हुई हैं।

BISHOP SHAW INTER COLLEGE
Tallital, Nainital. Ph. 05942-235371
ADMISSION OPEN FOR ALL CLASSES
Class Nursery to 12
English Medium Co-Education Recognized
U.K. Board Following
Veena Massey - Principal

Acorn
By Oakwood School
English Medium Day Cum Residential School
Class Pre-Nursery to V
ADMISSION OPEN FOR THE SESSION 2026-27
The best school in the town with loving and caring atmosphere
Visit:
HH Apartments, Belvdre Compound, Mallital, Nainital, Uttarakhand
Call to find out more:
+91- 8865928856, +91 9837066353
E-mail:
acornoakwood565@gmail.com

एकोर्न स्कूल बना नन्हें मुन्ने बच्चों की पहली पसंद

कक्षा पांचवी तक अंग्रेजी माध्यम से संचालित यह विद्यालय नगर में नन्हे मुन्ने बच्चों की पहली पसंद बन गया है। स्कूल का वातावरण बच्चों को खूब भाता है। पढ़ाई का स्तर उच्च स्तरीय है। अनुभवी शिक्षिकाएं बच्चों की मनोस्थिति को समझते हुए, उन्हे शिक्षा देती हैं। विद्यालय में बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद की समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। तमाम सुविधाओं से सुसज्जित यह विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विद्यालय का संचालन कर रही प्रधानाचार्य आशा आर्या कहती हैं कि उनका जीवन बच्चों का भविष्य संवारने के लिए समर्पित है।

Mohan Lal Sah Bal Vidya Mandir
Sr. Secondary School (Affi. to CBSE) Delhi
Peter's Field, Mallital, Nainital
Day-Cum-Boarding School with excellent boarding facilities
Admission open for Nursery, LKG, UKG (Boys too) and Class V upwards (Girls Only).
All three streams are available for Class XI (Science, Commerce & Humanities).
Well known for academic excellence and all round development.
For further details please log on to website.
www.mlsbalvidyamandir.com
Phone No.
Office : 05942-236189
Vinay Sah
Manager
STRIVE FOR EXCELLENCE
Anupama Sah
Principal

छात्राओं का भविष्य संवार रहा एमएल साह बाल विद्या मंदिर

अंग्रेजी माध्यम से संचालित यह विद्यालय नगर के विद्यालयों में खास स्थान रखता है। देश के विभिन्न प्रांतों की छात्राएं इस विद्यालय में शिक्षारत हैं। यह विद्यालय आवासीय के साथ दिवसीय है, जो शिक्षा के तमाम मापदंडों की पूर्ति करता है और कई दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना दायित्व निभा रहा है। हजारों छात्राए इस विद्यालय से अध्ययन कर अपना भविष्य संवार चुकी है। यह विद्यालय तमाम सुख सुविधाओं से सुसज्जित है। अनुभवी शिक्षिकाएं बच्चों की मनोस्थिति को समझते हुए, उन्हे शिक्षा देती हैं। विद्यालय में बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद की समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। तमाम सुविधाओं से सुसज्जित यह विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट देता आ रहा है। विद्यालय का संचालन कर रही प्रधानाचार्य अनुपमा साह कहती हैं कि यह विद्यालय भविष्य में भी अपना दायित्व बखूबी निभाता रहेगा। प्रबंधक विनय साह के निर्देशन में विद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है।

SANWAL SCHOOL
(A Senior Secondary Co- Educational School Affiliated to CBSE, New Delhi)
ADMISSION OPEN FOR 2026-2027
NUR. TO 12
Science.Commerce.Humanities
Welcome to Sanwal School where the foundation for lifelong learning and success are built! We are excited to invite prospective students and their families to join our nurturing.
WHY CHOOSE US?
Child-Centered Learning
Experienced Educators
Holistic Development
Indoor-Outdoor Sports Facility
Fully Secured Campus with CCTV
Smart Class rooms with E-Learning Facility
FOR MORE INFORMATION
Mallital, Nainital -263001
05942-235747
7579207575
sanwal_school@rediffmail.com

प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने नमो भारत कॉरिडोर का किया दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रमुख सचिव डॉ. पी.के. मिश्र ने प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर और प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का दौरा किया। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटिकिथाला तथा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित रहे। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल ने निदेशकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। गोयल ने प्रतिनिधिमंडल को भारत की प्रथम नमो भारत परियोजना के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल को यह भी अवगत कराया गया कि नमो भारत किस प्रकार प्रदूषण और जाम जैसी शहरी गतिशीलता की गंभीर चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस दौरे की शुरुआत सराय काले खां नमो भारत स्टेशन से हुई जो कॉरिडोर का प्रारंभिक स्टेशन है। यह स्टेशन एक प्रमुख मल्टी-मोडल ट्रांजिट हब के रूप में उभर रहा है तथा दिल्ली मेट्रो, भारतीय रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी, सिटी बस सेवाओं और रिंग रोड से सहज कनेक्टिविटी प्रदान करता है। डॉ. मिश्र ने सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के इस एकीकृत 'नेटवर्क ऑफ नेटवर्क्स' के विकास की सराहना की, जिसमें परिवहन के विभिन्न साधन एक-दूसरे के पूरक बनकर यात्रियों को एक साधन से दूसरे साधन के बीच आवागमन में सुगमता प्रदान करते हैं और यात्रियों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने सराय काले खां से दुहाई डिपो स्टेशन और वहां से वापसी की यात्रा नमो भारत ट्रेन में की और ट्रेनों में उपलब्ध यात्री-केंद्रित सुविधाओं का प्रत्यक्ष अनुभव किया। इस यात्रा के दौरान, डॉ. मिश्र दुहाई स्थित डिपो पहुंचे और उन्होंने अत्याधुनिक 'सेंटर फॉर इनोवेशन'-'अपरिमित' के नए परिसर का उद्घाटन किया। एनसीआरटीसी वर्चुअल रियलिटी (वीआर), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), सिमुलेटर और बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग जैसी आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर अपनी संचालन क्षमता और ट्रेन ऑपरेटरों के प्रशिक्षण को सुदृढ़ कर रहा है। यह इनोवेशन सेंटर नमो भारत कॉरिडोर के लिए आधुनिक डिजिटल तकनीकों के विकास और उनके प्रयोग के लिए एक मुख्य केंद्र (हब) के रूप में कार्य करेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने दुहाई स्थित नमो भारत डिपो वर्कशॉप और इंस्पेक्शन बे-लाइन्स (आईबील) का भी दौरा किया, जहां ट्रेनों की देखरेख, रखरखाव और परीक्षण किया जाता है। इस अवसर पर भारत के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के क्रियान्वयन की यात्रा पर आधारित एक डॉक्युमेंटेशन बुक, 'नमो भारत: इंडियाज न्यू-एज मोबिलिटी' को भी रिलीज किया गया।

शोभित में बहुदिवसीय पीयर-टू-पीयर लर्निंग सेशन ऑन जावा प्रोग्रामिंग का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी) के कम्प्यूटर क्लब द्वारा विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'पीयर-टू-पीयर लर्निंग सेशन ऑन जावा प्रोग्रामिंग' का सफल आयोजन किया गया। यह बहुदिवसीय कार्यशाला विद्यार्थियों को जावा प्रोग्रामिंग की मजबूत नींव प्रदान करने, उन्हें इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स से लैस करने तथा प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली पहल सिद्ध हुई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने निरंतर उत्साह और सक्रिय भागीदारी दिखाई। पूरे सत्र में सीखने की गहरी रुचि, जटिल अवधारणाओं को समझने की तत्परता तथा व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने का उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस कार्यशाला की विशेषता इसका पूर्णतः हैंड्स-ऑन और इंटरएक्टिव स्वरूप रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने जावा प्रोग्रामिंग के सिद्धांतों को केवल सैद्धांतिक रूप से नहीं, बल्कि वास्तविक समय में कोडिंग और प्रोजेक्ट निर्माण के माध्यम से सीखा। इस अवसर पर कम्प्यूटर क्लब के फैकल्टी इंचार्ज एवं स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर राजेश पांडे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जावा प्रोग्रामिंग आज भी इंडस्ट्री में अत्यंत प्रासंगिक है और इस प्रकार के बहुदिवसीय, प्रायोगिक सत्र विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास, लॉजिक बिल्डिंग और प्रोजेक्ट निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया तथा कम्प्यूटर क्लब को तकनीकी उत्कृष्टता का एक सशक्त मंच बताया। इस कार्यशाला के प्रशिक्षक हर्ष राज रहे, जिन्होंने अपनी स्पष्ट, संरचित और चरणबद्ध शिक्षण शैली के माध्यम से विद्यार्थियों को जावा प्रोग्रामिंग की मूलभूत से लेकर उन्नत अवधारणाओं तक का विस्तृत ज्ञान प्रदान किया।

सत्र में डेटा टाइप्स, कंट्रोल स्टेटमेंट्स, लूप्स, मेथड्स, एक्सेप्शन हैंडलिंग, फाइल हैंडलिंग तथा ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों को गहराई से समझाया गया। साथ ही, विद्यार्थियों को मिनी प्रोजेक्ट्स के माध्यम से जावा प्रोग्रामिंग के व्यावहारिक अनुप्रयोगों का अनुभव कराया गया, जिससे उनकी समस्या-समाधान क्षमता और कोडिंग दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह आयोजन कम्प्यूटर क्लब की नवगठित कोर टीम द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिसमें आशा, करण, ईशा, हर्ष, राहुल, चिन्मय एवं अंशिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने कार्यक्रम की योजना, समन्वय, संचालन और प्रतिभागियों को तकनीकी सहायता प्रदान करने जैसे सभी कार्यों को अत्यंत कुशलता और समर्पण के साथ संपन्न किया।

पीयर-टू-पीयर लर्निंग मॉडल के माध्यम से वरिष्ठ एवं कनिष्ठ विद्यार्थियों के बीच एक सहयोगात्मक, संवादात्मक और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण विकसित हुआ। इस मॉडल ने ज्ञान के आदान-प्रदान को सहज बनाया, प्रतिभागियों के आत्मविश्वास को बढ़ाया तथा उन्हें स्वयं सीखने के साथ-साथ दूसरों को सिखाने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने इस बहुदिवसीय जावा प्रोग्रामिंग सत्र को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और करियर उन्मुख बताया तथा भविष्य में ऐसे और उन्नत तकनीकी सत्रों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। कम्प्यूटर क्लब द्वारा आयोजित यह जावा प्रोग्रामिंग कार्यशाला विश्व. विद्यालय में विकसित हो रही प्रोजेक्ट-आधारित तकनीकी संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई तथा विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और तकनीकी रूप से दक्ष बनने के लिए प्रेरित किया।

सिलेंडर संकट पर भड़का गुस्सा

गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का हंगामा, पुलिस ने संभाली स्थिति

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। शुक्रवार दोपहर नगर स्थित भारत गैस एजेंसी पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सुबह से लाइन में लगे उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पाया। आक्रोशित उपभोक्ताओं ने एजेंसी कर्मचारियों पर कालाबाजारी के आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक के साथ हाथापाई तक की नौबत आ गई।

मामला नगर स्थित दौराला रोड स्थित भारत गैस एजेंसी बताया गया है ,जानकारी के अनुसार सुबह गैस सिलेंडरों से भरा एक वाहन एजेंसी पर पहुंचा था। उपभोक्ताओं के अनुसार, उन्हें बताया गया था कि वाहन में 260 सिलेंडर हैं और आज इतने ही लोगों को वितरण किया जाएगा। इसी उम्मीद में सैकड़ों लोग सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े रहे। लेकिन दोपहर होते-होते एजेंसी कर्मचारियों ने सिलेंडर खत्म होने की बात कहकर शेष उपभोक्ताओं को वापस लौटने के लिए कह दिया। इससे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने एजेंसी परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन बड़ी संख्या में उपभोक्ता बिना सिलेंडर लिए ही मायूस होकर घर लौट गए।

उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी पर कालाबाजारी हो रही है और जानबूझकर आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। वहीं एजेंसी कर्मचारियों ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि निर्धारित नियमों के तहत ही गैस का वितरण किया जा रहा है और किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं की गई है।

नहर किनारे गौवंश के अवशेष मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ता ने किया हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। थाना क्षेत्र के ग्राम कैली रामपुर नहर के किनारे गौवंश के अवशेष मिलने पर पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ता ने हंगामा किया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं को समझा बूझाकर शांत किया तथा गोवंशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए कार्यवाही की बात कही तब जाकर बजरंग दल कार्यकर्ता शांत हुए।

ग्राम कलीरामपुर स्थित नहर में गोवंश के अवशेष मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ता प्रचार प्रमुख कपिल त्यागी जिला गौ रक्षा प्रमुख राजेंद्र त्यागी अंकित धामा के नेतृत्व में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे तथा हंगामा करते हुए गोकशी करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा गिरफ्तार करने की मांग की मौके पर पहुंचे थाना अध्यक्ष सुदीश सिंह सिरोही ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा सख्त कार्रवाई करने की बात कही तब जाकर कार्यकर्ता शांत हुए।

ग्रामीणों की माने तो अवशेष पुराने सूखे हुए हैं कई दिन से नहर बंद है हो सकता है गोवंश के अवशेष पानी के साथ बहकर नहर के किनारे आ गए हो कहा कि भाजपा सरकार में अब किसी की हिम्मत नहीं है कोई गोवंशों को हानि पहुंचाए।

थानाध्यक्ष सुदीश सिंह सिरोही ने बताया कि अज्ञात गोवंशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच कर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

आरके फार्म हाउस में किसान यूनियन भानु की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। आरके फार्म हाउस किठौर में भारतीय किसान यूनियन भानू की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन भानु राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठाकुर यशवीर सिंह ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। समीक्ष बैठक के मुख्य अतिथि ठाकुर योगेश प्रताप सिंह प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन भानू रहे। समीक्षा बैठक में किसान मजदूर के कल्याण के लिए क्या-क्या प्रयास किए जाएं इस पर भी गहन चर्चा हुई। सभी मंडलों के जिला अध्यक्ष व कार्यकर्ता इस समीक्षा बैठक में शामिल हुए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूती प्रदान करना और किसान मजदूर के कल्याण के लिए क्या-क्या किया जाए इस पर चर्चा हुई कार्यकर्ताओं के सामने आ रही कठिनाइयों के बारे में भी सवाल जवाब किए गए बैठक का संचालन राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर भारत ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार मोर्चा डॉक्टर नुसरत सेठ ने बैठक में मौजूद पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबो. धित करते हुए कहा कि हम लोगों को संगठन को मजबूत करना होगा और किसान मजदूर के कल्याण के लिए हर वक्त तैयार रहना होगा। योगेश प्रताप सिंह ने संगठन को क्षेत्र की दूर दराज फैलाने और नए कार्यकर्ताओं को संगठन में शामिल करने और संगठन को मजबूत करने का दायित्व बैठक में मौजूद पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी तरह की भी समस्या किसानों के सामने आए तो संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़े हो संगठन जितना मजबूत होगा तभी राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के हाथ उतने ही मजबूत होंगे और संगठन अपनी बात मजबूती के साथ रख सकेगा। कार्यकर्ताओं व पदा. धिकारी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा जो कमो -बेसी संगठन में है उसको दूर किया जाए और संगठन को मजबूत किया जाए इस मौके पर हापुड़ जिला अध्यक्ष अमित गुर्जर, , ठाकुर जसवीर सिंह पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष, राजीव अड़ाना, पूनम चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा, आदि पदाधिकारी सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अजराड़ा में गम-ओ-अंदोह की फिजा

- हजरत मौलाना अब्दुल्ला मुगेसी रह. को खिराज-ए-अकीदत पेश करने उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब
- बिहार सरकार के मंत्री जमा खान बोले मौलाना मुगेसी का इंतकाल इल्म-ओ-दीन की दुनिया के लिए अजीम सानिहा
- सलमान मुनकाद, कुंवर आसिम खान समेत कई सियासी व समाजी शख्सियतों ने पेश की ताजियत

शाह टाइम्स संवाददाता

मुंडाली। मुल्क के नामवर इस्लामी आलिम, दीन-ओ-तालीम के मुहाफिज और इल्म-ओ-अदब की दुनिया की अजीम शख्सियत हजरत मौलाना अब्दुल्ला मुंगैसी रहमतुल्लाह अलैह के इंतकाल के बाद अजराड़ा समेत पूरे इलाके में गम-ओ-अंदोह की गहरी फिजा कघयम हो गई है। उनके सुपुर्द-ए-खाक किए जाने के बाद से ही जामिया इस्लामिया अरबिया गुलजार-ए-हुसैनिया अकीदतमंदों और ताजियत पेश करने वालों का मरकज बन गया है। दूर-दराज इलाकों से उलमा-ए-कराम, तलबा, सियासी व समाजी शख्सियतों के साथ-साथ आम अकीदतमंद बड़ी तादाद में यहां पहुंचकर नम आंखों के साथ मरहूम को खिराज-ए-अकीदत पेश कर रहे हैं और दुआ-ए-मगफिरत में मशगूल हैं। शुक्रवार शाम को मदरसे का माहौल रंज-ओ-मलाल और गम-ओ-अफसोस से लबरेज रहा। हर तरफ अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ा हुआ था और हर शख्स की जुबान पर मरहूम के लिए दुआ-ए-मगफिरत और दिलों में उनके लिए गहरी मोहब्बत व एहतराम झलक रहा था। लोग उनके इल्मी कारनामों, दीन की खिदमत और उनकी सादा-जिंदगी को याद करते हुए नम आंखों से उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश कर रहे थे। इसी सिलसिले में बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण व हज मंत्री जमा खान, नगर पंचायत किठौर के चेयरपर्सन सलमान मुनकाद, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कुँवर आसिम खान समेत कई अहम सियासी व समाजी शख्सियतें अजराड़ा पहुंचीं। सभी ने जामिया में हाजिरी देकर मौलाना अब्दुल मालिक से मुलाकात की और मरहूम के लिए दुआ-ए-मगफिरत करते हुए गहरे रंज-ओ-अफसोस का इजहार किया। इस मौके पर मंत्री जमा खान ने कहा कि मौलाना मुंगैसी जैसी रूहानी, इल्मी और दीनदार शख्सियतें सदियों में पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि मरहूम ने अपनी पूरी जिंदगी दीन की सरबलंदी, इल्म के फरोग और समाज की इस्लाह के लिए वक्फ कर दी। उनका इंतकाल न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे मुल्क और खास तौर पर बिहार के लिए भी एक बड़ा नुकसान है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें कई मौकों पर हजरत मौलाना मुंगैसी रह. से मुलाकात का शरफ हासिल हुआ, जिसकी वजह से इस सरजमीं से उनका खास रूहानी ताल्लुक कायम हो गया था। मौलाना मुंगैसी रह. सिर्फ एक आलिम ही नहीं बल्कि एक मकबूल, हरदिलअजीज और रहनुमा शख्सियत थे, जिनकी इल्मी और रूहानी सेवाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मौलाना मुंगैसी रह. के इंतकाल से इल्मी, दीनी और समाजी हलकों में गहरा सदमा है। उनके चाहने वाले, तलबा और मुरीदीन उन्हें याद करते हुए कहते हैं कि मरहूम ने हमेशा इल्म, अमन, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम दिया। उनकी तालीमात, उनका अखलाक और उनका दिया हुआ रास्ता आज भी हजारों लोगों के लिए मशअल-ए-राह बना हुआ है।

आज अजराड़ा की सरजमीं पर हर आंख अश्कबार है और हर दिल यह दुआ कर रहा है कि अल्लाह तआला मरहूम को जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता फरमाए और उनके चाहने वालों को सब्र-ए-जमील अता करे।

ईरान के लोगों की दवा के लिए लावड़ वासियों ने की 7,22,970 रु. की मदद

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। लावड़ मेरठ अंजुमने हुसैनी के मो. मिनीन और मुस्लिम समाज के लोग ईरानी कल्चर हाउस दिल्ली में शहीद अयातुल्लाह अली खामनाई साहब के सफीर मोहतरम डॉक्टर अब्दुल हकीम इलाही साहब से मिले और ईरान के रहबरे मोज्जम खामनाई साहब और उनके साथ सभी शहीदों के लिए ताजियत पेश की और जल्द दुनिया में अमनो चैन की दुआ की। ईरानी सफीर डॉक्टर अब्दुल हकीम इलाही साहब ने भारतीय लोगों के प्यार की सराहना की और इंडिया के लोगों के प्यार का धन्यवाद अदा किया। ईरान के लोगों की दवा खाना आदि इमदाद के लिए लावड़ से लोगों ने पैसा इकट्ठा किया और बच्चों ने अपने सोने चांदी के जेवर तथा गुल्लकों में जमा पैसा दान किया। 7,22,970 (सात लाख बाईस हजार नौ सौ सत्तर) रुपए की इमदाद की। इस मौके पर तनवीर हसन रिजवी, हसीन अब्बास, शानू रिजवी, नवाब रिजवी, ततहीर हुसैन रिजवी, मिनहाल जैदी, शमीम जैदी, मेहदी अब्बास, अय्यूब हैदर, मीसम, तसीर हसन,अब्बास, बॉबी, फैसल, शाहिद आदि लोग मौजूद रहे।

किठौर पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ एक आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। पुलिस द्वारा अवैध हथियारों को लेकर चलाए गए अभियान के तहत किठौर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की जिसके पास से कई अदत तमंचे व उनके बनाने में प्रयुक्त होने वाले उपकरण भी पुलिस द्वारा कब्जे में लिए गए। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम की धारा के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए न्यायालय में पेश किया जहां उसको जेल भेज दिया गया। किठौर थाना प्रभारी सुबोध कुमार सक्सेना ने बताया कि क्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी और अपराधों की रोकथाम के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसी अभियान के तहत पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त रोहतास पुत्र जिले सिंह निवासी ग्राम कासमपुर माछरा को कासमपुर वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से पांच अदद तमंचे 315 बोर बरामद हुए। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर अभियुक्त ने उक्त तमंचे को स्वयं बनाना बताए उसकी निशानदेही पर भारी मात्रा में तमंचे बनाने के उपकरण व सामान बरामद हुए। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत अभियुक्त पर मुकदमा दर्ज किया और आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

अभियुक्त शानू के घर पर नोटिस चस्पा करती किठौर पुलिस।

सूचना थाना किठौर पुलिस

थाना किठौर पर पंजीकृत मुकदमा सं.-452/2025 धारा 137(2) बीएनएस से संबंधित अभियुक्त शानू पुत्र अब्दुल सलाम निवासी मोहल्ला कुरैशियान, कस्बा शाहजहांपुर, थाना किठौर मेरठ द्वारा एक नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में फरार चल रहा है। अभियुक्त लगातार गिरफ्तारी से बच रहा है तथा न्यायालय में आत्मसमर्पण भी नहीं कर रहा है। काफी प्रयासों के बावजूद अभियुक्त एवं अपहृता का कोई पता नहीं चल सका। न्यायालय द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा जारी की गई है। दिनांक 10.04.2026 को उ.नि. अनिल किशोर मौर्य व पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के घर पर उद्घोषणा पढ़कर सुनाई गई तथा नोटिस चस्पा किया गया।

रामराज व बहसूमा में भाजपा का 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के उपरांत 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान के तहत हस्तिनापुर मंडल क्षेत्र के रामराज व बहसूमा में जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में पार्टी पदाधिकारियों ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। रामराज में कार्यक्रम भाजपा नेता विपेन्द्र सुधा वाल्मीकि के वृंदा बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर पर आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अमित शर्मा ने की।

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष हरवीर पाल सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जन-धन खातों, कृषि योजनाओं तथा राम मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वहीं बहसूमा स्थित आदर्श नगर पंचायत बहसूमा के कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष हरवीर पाल सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सोनू त्यागी ने स्थापना दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। जबकि सुनील पोसवाल ने पार्टी विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों के लिए तैयारी तेज करने, घर-घर जाकर जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रमों में पूर्व चेयरमैन विनोद चाहल, नामित सभासद अमित गोयल, मंडल महामंत्री विनीत अहलावत, मंडल अध्यक्ष अमित शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिओम शर्मा, मंडल संयोजक गौतम प्रजा. पति, सभासद ओमबीर प्रजापति, शुभम लाम्बा, डॉ. कर्नेल सिंह, आशीष सिंघल, अमन गोयल, काल. राम नागर सहित सभी बूथ अध्यक्ष व सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत चिंगारी गिरने से किसानों की 60 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

किसानों का लाखों का नुकसान, फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझासा और राहत की सांस ली

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सिसाना गांव में विद्युत चिंगारी गिरने से आठ किसानों की 60 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। यह घटना बागपत कोतवाली क्षेत्र के सिसाना गांव में हुई, जहां गेहूं की फसल के पास रखे विद्युत ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया।

इस अग्निकांड में संजय जीत, जगदेव, बालेश्वर, अनुज, सुनील, जयपाल और गोले सहित आठ किसानों की लाखों रुपये की फसल का नुकसान हुआ है। किसानों के अनुसार, कुछ ही देर में लाखों रुपये की फसल जलकर खाक हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह जल चुकी थी। जिला प्रशासन के आला अधिकारी भी घटना स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ भारी रोष है। किसानों ने बताया कि अचानक विद्युत लाइन से गिरी चिंगारी के कारण आग लगी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और किसानों को जल्द मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। किसानों ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है ताकि वे इस संकट से उबर सकें।

अवैध क्लिनिक के खिलाफ कार्रवाई को लेकर युवक ने सीएमओ को दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। शुक्रवार को खेकड़ा तहसील क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने सीएमओ कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन दिया है।

युवक का आरोप है कि क्षेत्र में एक व्यक्ति खुद को डॉक्टर बताकर अवैध रूप से क्लिनिक चला रहा है और लोगों का इलाज कर रहा है। पीड़ित युवक का कहना है कि उक्त व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री नहीं है, इसके बावजूद वह मरीजों का इलाज कर रहा है। इससे न केवल लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है, बल्कि उनकी जान भी खतरे में पड़ रही है। युवक ने यह भी आरोप लगाया कि गलत उपचार के चलते कई मरीजों की हालत बिगड़ चुकी है, लेकिन डर के कारण कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जब इस अवैध क्लिनिक के खिलाफ आवाज उठाई जाती है तो दबंग व्यक्ति लोगों को धमकाता है। इससे स्थानीय नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है और लोग शिकायत करने से बच रहे हैं। युवक ने शिकायत करते हुए सीएमओ से मांग की है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कराई जाए और दोषी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें शिकायत प्राप्त हुई है और पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला दो साल बाद आया है। न्यायालय ने दोषी पर 1 लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

यह घटना बालैनी थाना क्षेत्र की है। 16 फरवरी 2022 को आरोपी ने नाबालिग के घर में घुसकर दुष्कर्म किया था। उस समय पीड़िता की मां फैक्ट्री में और पिता मजदूरी करने गए हुए थे। आरोपी ने इसी बात का फायदा उठाया था। पुलिस ने मेरठ निवासी आरोपी शौकिन्दर पुत्र राजपाल को गिरफ्तार किया था। यह मामला तभी से न्यायालय में विचाराधीन था। एडीजीसी नरेंद्र पवार ने बताया कि सभी गवाहों की गवाही और सबूतों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास और 1 लाख 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

बंदरो ने बुजुर्ग महिला पर हमला कर किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। लहचौड़ा गांव में बंदरो के झुन्ड़ नें एक 90 वर्षीय महिला पर हमला बोल घायल कर दिया। परिजनों नें महिला को चिकित्सक के यहा भर्ती कराया है।

लहचौड़ा निवासी 90 वर्षीय बीरवती घर की छत पर बने बाथरूम में नहानें के लिए गयी थी तभी बंदरो का एक झुन्ड़ वहा पहुंचा और महिला पर हमला बोल घायल कर दिया। महिला की शोर की आवाज सुन परिजन वहा पहुंचे और बंदरो से महिला को बचा चिकित्सक के यहा भर्ती कराया। ग्रामीण प्रवीण शास्त्री, विकास, महेश, शिवदत्त शर्मा आदि नें बताया कि गांव में बंदरो का आतंक बना हुआ है। बंदर आय दिन लोगो पर हमला बोल घायल करते रहते है। उन्होंने बताया कि बंदर पकड़ने वाले लोग शहरों से बंदरो को पकड़ ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वें किनारें छोड़ जाते है जहा से यह बंदर गावों में घुस आते है और लोगो पर हमला बोल घायल करते रहते है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से बंदरो को पकड़वाने की मांग की है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक कर राजनीतिक दलों को सौंपी प्रतियां

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रा-50 छपरौली, 51 बड़ौत एवं 52 बागपत-की अंतिम निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन आज किया गया। अंतिम प्रकाशन जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय तथा विधानसभा स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (तहसील) कार्यालयों में संपादित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्रों) एवं मतदेय स्थलों पर संबंधित पदाभिहित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची जनसामान्य के निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई गई। अंतिम प्रकाशन के दौरान उक्त स्थलों पर मतदाता सूची अवलोकन हेतु उपलब्ध रही तथा विधानसभा क्षेत्रवार एवं मतदेय स्थलवार मतदाताओं का विस्तृत विवरण भी उपलब्ध कराया गया।

जनपद में अंतिम प्रकाशन के अनुसार कुल 8,38,375 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 4,64,051 पुरुष, 3,74,315 महिला एवं 09 अन्य मतदाता शामिल हैं। जनपद का औसत ईपी अनुपात 56.41 एवं जेंडर अनुपात 807 दर्ज किया गया है। विधानसभा क्षेत्रवार विवरण के अनुसार 50-छपरौली में 2,93,080 मतदाता(1,64,185 पुरुष, 1,28,893 महिला, 02 अन्य), ईपी अनुपात 57.98 एवं जेंडर अनुपात 785(51-बड़ौत में 2,59,271 मतदाता (1,43,848 पुरुष, 1,15,421 महिला, 02 अन्य), ईपी अनुपात 54.79 एवं जेंडर अनुपात 802(तथा 52-बागपत में 2,86,024 मतदाता (1,56,018 पुरुष, 1,30,001 महिला, 05 अन्य), ईपी अनुपात 56.36 एवं जेंडर अनुपात 833 दर्ज किया गया है। अंतिम प्रकाशन के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अस्मिता लाल द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली की प्रतियां (एक हार्ड कॉपी एवं एक सॉफ्ट कॉपी) उपलब्ध कराई गईं। निर्देशों के क्रम में 10अप्रैल 2026 को अंतिम प्रकाशन हेतु सभी कार्यवाहियां समयान्तर्गत सुनिश्चित की गईं। अंतिम प्रकाशित नामावली को पूर्वा 11बजे तक जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया तथा अंतिम प्रकाशन की सूचना पूर्वा 11:30 बजे तक संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराई गई। अंतिम प्रकाशित नामावली को मतदेय स्थलों पर एक सप्ताह तक आमजन के अवलोकन हेतु उपलब्ध कराया गया है। मतदाता अपनी प्रविष्टि जिला निर्वाचन अधिकारी की व े ब स ा इ ट https://bagpat.nic.in/deo-portal-baghpat/ पर जाकर अथवा अपने निकटतम मतदेय स्थल पर जाकर देख सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची का अवलोकन अवश्य करें तथा अपने नाम, आयु, लिंग एवं अन्य विवरणों की पुष्टि कर लो. कतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी बसपा जिलाध्यक्ष, कांग्रेस जिलाध्यक्ष, भाजपा जिला मंत्री, समाजवादी पार्टी आदि दलों से प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रिपोर्ट न देने पर सीडीओ ने रोका डीपीआरओ सहित छह अधिकारी व कर्मचारियों का वेतन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। स्वच्छत भारत मिशन के तहत जिला पंचायत राज विभाग की ओर से जिले में किए गए कार्यों की रिपोर्ट सीडीओ को नहीं दी जा रही थी। लगातार पत्राचार किया जा रहा था। रिपोर्ट न देने पर सीडीओ ने डीपीआरओ समेत छह अधिकारी और कर्मचारियों को वेतन रोक दिया है। चेतावनी दी रिपोर्ट नहीं दी तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत राज विभाग में आज कल अजब गजब खेल चल रहा है। कभी ग्राम सचिवों के तबादलों की फाइल लीक हो जाती है और तभी विभाग में अन्य कार्यों पर विवाद गहरता जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के बीच चल रहे मतभेद भी किसी से छूपा नहीं है। अब ताजा एक बार फिर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की लपरवाही के कारण वेतन रोका गया। हुआ यूं की सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने डीपीआरओ से जिले में स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुए कार्यों की रिपोर्ट मांगी थी। आदेश के बाद भी रिपोर्ट उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई है। इसके लिए लिखित पत्राचार और मौखिक भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया था, लेकिन फिर भी रिपोर्ट नहीं दी है। सीडीओ ने रिपोर्ट न देने पर डीपीआरओ रमेश चंद गुप्ता, एडीपीआरओ नितिन कुमार समेत तीन डीसी, एक डीपीएम का वेतन रोकने की कार्रवाई की गई। सीडीओ ने बताया कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जहां भी कमी मिलेगी संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

पार्षद मुन्ना मलिक के प्रयासों को मिली सफलता

eFkjkA वार्ड संख्या 31 के पार्षद मुन्ना मलिक ने नगर निगम मथुरा-वृंदावन के नगर आयुक्त जग प्रवेश (ध्) से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने आगामी बोर्ड बैठक के एजेंडे और क्षेत्र के विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। पार्षद मुन्ना मलिक द्वारा जनता के हितों को लेकर सदन में उठाए गए मुद्दों का सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। घपिछली बैठक की मांगो को मंजूरी मिली है। उल्लेखनीय है कि पिछली बोर्ड बैठक में पार्षद मुन्ना मलिक ने जर्जर हो चुके 'आजाद मार्केट' के पुनरुद्धार और प्रत्येक वार्ड में 'ओपन जिम' की स्थापना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उनकी इन मांगों की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने आगामी बोर्ड बैठक की कार्यसूची में इन्हें शामिल कर लिया है। घएजेंडे के प्रमुख बिंदुः घप्रस्ताव संख्या 15: जनसुविधा के लिए प्रत्येक वार्ड में 'ओपन जिम' के उपकरण स्थापित किए जाएंगे। घप्रस्ताव संख्या 19: डीग गेट स्थित ऐतिहासिक और व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण 'आजाद मार्केट' का कायाकल्प एवं नवनिर्माण किया जाएगा। घबाजारों के सौंदर्यीकरण और सदन की गरिमा पर भी जोर दिया जाएगा। मुलाकात के दौरान मुन्ना मलिक ने नगर आयुक्त को लिखित प्रस्ताव सौंपकर मांग की कि 'अतिक्रमण मुक्त और सुंदर बाजार' योजना के तहत पुराने बाजारों (चौक, होली गेट, डीग गेट) में यूनिफॉर्म साइनेज और येलो लाइन मार्किंग लागू की जाए। साथ ही, उन्होंने भूतेश्वर स्थित नवनिर्मित सदन भवन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप दलीय आधार पर 'सीटिंग प्रोटोकॉल' और प्रत्येक पार्षद को अपनी बात रखने के लिए न्यूनतम 5 मिनट का समय आवंटित करने का भी सुझाव दिया।

सपाइयों ने किसानों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

eFkjkA समाजवादी पार्टी, मथुरा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी, मथुरा के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम किसानों की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि विगत दिनों हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि ने मथुरा जनपद के किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। सरसों, आलू और गेहूं की पूरी फसल बर्बाद हो चुकी है, लेकिन सरकार अभी तक केवल घोषणाएं कर रही है, जमीनी स्तर पर किसानों को कोई राहत नहीं मिल रही है। यह किसानों के साथ सीधा अन्याय है, जिसे समाजवादी पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से फसल का सर्वे कराया जाए, किसानों को पूर्ण मुआवजा दिया जाए, कृषि ऋण माफ किया जाए और मुआवजे की राशि बढ़ाकर घ70,000 प्रति एकड़ की जाए। साथ ही मंडियों में किसानों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि उन्हें अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा गेहूं क्रय केंद्रो पर तत्काल बारदाना उपलब्ध कराया जाए देखने में मिल रहा है कि अभी तक क्रय केंद्रो पर बारदाना उपलब्ध नहीं है इससे किसान अपनी फसल की समय तोल नहीं करा पा रहे हैं जिसकी वजह से क्रय केंद्रो पर अव्यवस्था फैली हुई है पार्टी ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही किसानों को उनका हक नहीं मिला तो समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। इस दौरान समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी, समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष सोनू ठाकुर, समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष संतोष यादव, समाजवादी अंबेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष सचिन पहलवान, समाजवादी छात्र सभा के जिला उपाध्यक्ष नजीम अब्बासी, महेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवनिर्माण पानी की टंकी को रोकने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर के बुढ़ाना रोड़ स्थित शाहमल कालोनी में मंदिर की जगह के पास बनने वाली नवनिर्माण पानी की टंकी को रोकने की मांग को लेकर समाजसेविका प्रज्ञा बालियां के नेतृत्व में कॉलोनी की सैकड़ो महिलाएं तहसील परिसर में पहुंची। उन्होंने इस टंकी के निर्माण को रोकने की मांग को लेकर एसडीएम भावना सिंह को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में राष्ट्रीय लोकदल महिला जिलाध्यक्ष प्रज्ञा बालियान ने कहा कि जिस जगह पर पानी की टंकी का निर्माण हो रहा है उसे जगह पर मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर के पास धार्मिक आयोजन होते हैं जबकि महिला इसका विरोध कर रहे है। मंदिर में पूजा पाठ करने के लिए भारी संख्या में महिलाएं सुबह-शाम जाती हैं और यहां पानी की टंकी का निर्माण किया जा रहा है जिसे किसी भी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा, जबकि शाहमल कॉलोनी में पहले से ही एक पानी की टंकी लगी हुई है जिससे पूरी कॉलोनी में पानी सप्लाई होता है। इसके बाद दूसरी टंकी का निर्माण क्यों किया जा रहा है। उन्होंने एसडीएम से इस पानी की टंकी का निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में पुष्पा देवी रामपाल सिंह राजीव बालियां राष्ट्रीय लोकदल महिला जिलाध्यक्ष बागपत प्रज्ञा बालियान ने कहा कि इस पानी की टंकी का निर्माण नहीं रोका गया तो तहसील परिसर में धरना दिया जाएगा। एसडीएम भावना सिंह ने समस्या का समाधान किए जाने का आश्वासन दिलाया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। कलेक्ट्रेट में शुक्रवार दोपहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का पुतला फूंका। कांग्रेस जिलाध्यक्ष लव कश्यप के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसी सोच और भाषा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद पर नहीं होना चाहिए। जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने बताया कि पार्टी के आहवान पर प्रत्येक जनपद में कांग्रेस कार्यकर्ता असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ धरना प्रदर्शन और पुतला दहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस अमर्यादित टिप्पणी का घोर विरोध करती है और मुख्यमंत्री पर कार्रवाई की मांग करती है। कश्यप ने भारतीय जनता पार्टी से ऐसे किसी भी व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद पर सुशोभित न करने की अपील की जो इस तरह के ख़त्य करता है। इस दौरान बागपत कलेक्ट्रेट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

cत ykd dyke.My u vk;kftr dh fu%'kYd cत&lkL—frd dk;l'kkyk

'kkg VkbEl loknnkrk

eFkjkA ब्रज की पावन सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने एवं विद्यालयी बालक–बालिकाओं में संस्कार, कला एवं आत्मविश्वास के समग्र विकास हेतु ब्रज लोक कला मण्डल, मथुरा द्वारा गोवर्धन क्षेत्र में निःशुल्क ब्रज–सांस्कृतिक कार्यशाला का भव्य शुभारंभ किया गया है।

संस्था के अध्यक्ष पं.दीपक शर्मा ने बताया कि यह कार्यशाला 15 अप्रैल तक आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का संचालन उच्च प्राथमिक विद्यालय, मुखराई एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, जमुनावता सहित गोवर्धन क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में किया जा रहा है। कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं इसका लाभ उठा रहे हैं। कार्यशाला में बच्चों को ब्रज की पावन लोक कलाएं, मधुर संगीत, भावपूर्ण नृत्य एवं समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का सजीव एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य बालक–बालिका के अंतर्मन में संस्कारों का संचार करना, उनकी प्रतिभाओं को निखारना तथा उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना है।

संस्था के संरक्षक श्री किशन चतुर्वेदी का मार्गदर्शन इस कार्यशाला की प्रेरणा और आधारशिला है। अपने प्रेरणादायक संदेश में उन्होंने कहा,"बालानां संस्कारः, राष्ट्रस्य आधारः" अर्थात् बच्चों में संस्कारों का विकास ही एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र की नींव है। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रज की संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को दिशा देने वाली जीवनशैली है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला का संचालन पं. दीपक शर्मा एवं जागृति पाल के कुशल निर्देशन में किया जा रहा है।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष पं. दीपक शर्मा ने कहा कि ब्रज केवल एक भूमि नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परंपराओं का जीवंत स्वरूप है। नई पीढ़ी को यदि अपनी जड़ों से जोड़ना है, तो उन्हें ब्रज की लोक कला, संगीत और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। हमारा यह प्रयास बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास एवं संस्कृति के प्रति प्रेम जागृत करने का एक विनम्र संकल्प है। संस्कारवान बालक ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

कार्यशाला में सभी विद्यालयों के बालक–बालिकाओं को प्रवेश निशुल्क दिया जा रहा है। संस्था की ओर से अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को इस सांस्कृतिक पहल से जोड़ें, जिससे वे ब्रज की गौरवशाली परंपरा से प्रेरणा लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्पलेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र सूरज से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगा।

सुन्दर कश्यप पुत्र बल्लर कश्यप निवासी कुन्दनपुरी बिनौली रोड़ व तहसील बडौत जनपद बागपत।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र हासिम व उसकी पत्नि चांदनी से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

जमील पुत्र हनीफ निवासी ग्राम रटौल थाना खेकड़ा जनपद बागपत।

जटिल सर्जरी में बड़ी कामयाबी, चार साल की मानवी को मिला नया जीवन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में चिकित्सकों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए चार वर्षीय बच्ची मानवी को दुर्लभ जन्मजात बीमारी से निजात दिलाई है। कर्ण, नासिका एवं कंठ (ईएनटी) विभाग की विशेषज्ञ टीम ने द्विपक्षीय ब्रांचियल फिस्टुला जैसे अत्यंत जटिल और दुर्लभ रोग का सफल ऑपरेशन कर बच्ची को नई जिंदगी दी है।

चिकित्सकों के अनुसार, द्विपक्षीय ब्रांचियल फिस्टुला एक जन्मजात विकार है, जिसमें गर्दन के दोनों ओर असामान्य नलिकाएं विकसित हो जाती हैं। ये नलिकाएं त्वचा और शरीर के अंदरूनी हिस्सों के बीच असामान्य संपर्क बना देती हैं, जिससे बार-बार संक्रमण, सूजन और पस का स्राव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। समय पर उपचार न मिलने पर यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती है और मरीज के सामान्य जीवन को प्रभावित कर सकती है। ऐसे जटिल मामलों में सटीक निदान और अत्यधिक सावधानी के साथ सर्जरी करना बेहद जरूरी होता है। सर्जरी के दौरान फिस्टुला के पूरे पथ को पहचानकर उसे पूर्ण रूप से निक. ालना आवश्यक होता है, क्योंकि यदि इसका कोई हिस्सा रह जाए तो बीमारी दोबारा हो सकती है। इसी चुनौती को स्वीकार करते हुए SIMS के ईएनटी विभाग की टीम ने कुशलता और आधुनिक तकनीकों के सहारे इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। विभागाध्यक्ष डा. अविनाश कुमार के नेतृत्व में डा. शुभम मित्तल, डा. नंदिनी और डा. थजाना की टीम ने ऑपरेशन के दौरान बच्ची के गर्दन के दोनों ओर मौजूद फिस्टुला पथ को पूरी तरह निकाल दिया। इस सफलता पर संस्थान प्रबंधन ने भी चिकित्सकों की सराहना की। प्राचार्या डा. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डा. आर. के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन, निदेशक रघुवर दत्त और चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल डा. सी. एस. आहलूवालिया ने ईएनटी विभाग की टीम को बधाई देते हुए उनके समर्पण और कुशलता की प्रशंसा की। वहीं, सरस्वती समूह संस्थानों के संस्थापक एवं अध्यक्ष डा. जे. रामचंद्रन और उपाध्यक्ष रम्या रामचंद्रन ने भी इस उपलब्धि को संस्थान की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का प्रमाण बताते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। समय पर उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। SIMS हापुड़ आधुनिक सुविधाओं, अनुभवी चिकित्सकों और उन्नत तकनीकों के माध्यम से क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है और भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ लोगों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

सड़क पर 'भोकाल' बनाना पड़ा भारी, ट्रैफिक कर्मी ने सिखाया नियमों का पाठ

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर की सड़कों पर नियमों को ठेंगा दिखाते हुए भाजपा का झंडा लगाए एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो तेज हूटर बजाते हुए फर्राटा भर रही थी। वाहन चालक सड़क पर रौब झाड़ते हुए लोगों में धौंस जमाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन तहसील चौराहे पर उसकी यह हनक ज्यादा देर तक नहीं चल सकी। सतर्क यातायात कर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए न केवल वाहन को रोका, बल्कि सख्त कार्रवाई कर नियमों का उल्लंघन करने वालों को कड़ा संद. ेश भी दिया।

जानकारी के अनुसार, जैसे ही तेज आवाज में हूटर बजाती स्कॉर्पियो तहसील चौराहे पर पहुंची, वहां तैनात यातायात कर्मी मनोज कुमार और पीआरडी जवानों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया। चालक ने पहले तो रौब दिखाते हुए गाड़ी नहीं रोकी और आगे बढ़ने लगा। इस पर यातायात कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछा किया और आगे खड़े होकर किसी तरह स्कॉर्पियो को रुकवाया। वाहन रुकवाने के बाद जब जांच की गई तो चालक ने साफ तौर पर कार में हूटर होने से इनकार कर दिया। उसने चुनौती देते हुए कहा कि जितना चाहें जांच कर लें, गाड़ी में कोई हूटर नहीं मिलेगा। हालांकि, यातायात कर्मियों को पहले ही हूटर की आवाज सुनाई दे चुकी थी, इसलिए उन्होंने बारीकी से जांच जारी रखी। जांच के दौरान पीआरडी कर्मी ने जब गाड़ी के नीचे झांककर देखा तो वहां छिपाकर लगाया गया हूटर बरामद हो गया। इसके बाद मौके पर ही मिस्त्री बुलवाकर गाड़ी से अवैध हूटर उतरवाया गया और नियमों के उल्लंघन पर स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ 10,500 रुपये का चालान किया गया। यातायात पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

अम्बेडकर जयंती को लेकर सख्त सुरक्षा, 27 हॉटस्पॉट पर विशेष फोर्स तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती को लेकर जिले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। 14 अप्रैल को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार जिले में 99 शोभायात्राएं और 33 अन्य कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, जिन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

जिले में डा. भीमराव अम्बेडकर की 83 प्रतिमाएं स्थापित हैं, जहां माल्यार्पण और अन्य आयोजन होंगे। शोभायात्राओं के मार्ग में पड़ने वाले 27 स्थानों को संवेदनशील (हॉटस्पॉट) चिन्हित किया गया है। इन स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और लगातार गश्त की व्यवस्था रहेगी। पूरे मेरठ रेंज में बनाए गए सुरक्षा प्लान के तहत हापुड़ में भी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है ताकि किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रमों के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए पुलिस ने पहले ही आयोजकों, धर्मगुरुओं, शांति समितियों और संभ्रांत लोगों के साथ कई दौर की बैठकों का आयोजन किया है। साथ ही नगर पालिका, स्वास्थ्य और विद्युत विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर साफ-सफाई और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परंपरा से हटकर कोई आयोजन न हो और नई विवादित परंपराओं को अनुमति न दी जाए। संवेदनशील स्थलों का पहले ही निरीक्षण कर संभावित विवादों को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सोशल मीडिया की निगरानी बढ़ा दी गई है। डिजिटल वॉलंटियर्स को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट पर तुरंत कार्रवाई हो सके। पुलिस लाइन और थानों में रिजर्व फोर्स को भी दंगा निरोधक उपकरणों के साथ तैनात रखा गया है।

संदिग्ध गतिविधियों से परेशान लोग, पुलिस से हस्तक्षेप की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के चंडी मंदिर के पीछे खैरपुर रोड स्थित एक खेत के पास संदिग्ध गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि यहां असामाजिक तत्वों की लगातार आवाजाही से माहौल प्रभावित हो रहा है, जिससे महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता गहरा गई है।

लोगों के अनुसार, पिछले कुछ समय से इस स्थान पर दिन-रात बाहरी लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। आरोप है कि कई बार नशे की हालत में कुछ लोग आसपास से गुजरने वाली महिलाओं और छात्राओं पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं, जिससे क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बन गया है। इससे ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों में रोष व्याप्त है। बताया गया कि कई बार मौखिक विरोध के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद शुक्रवार को क्षेत्र के नागरिकों ने एकजुट होकर पिलखुवा कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत पत्र में कई लोगों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें प्रमुख रूप से मनोज तोमर, सचिन कुमार, अजीत कुमार, हरिओम सैनी और इंद्रेश कुमार सैनी शामिल हैं। नागरिकों ने मामले में शीघ्र प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीवर खुदाई बनी मुसीबत, 200 मीटर सड़क ध्वस्त जनजीवन ठप

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पिलखुवा क्षेत्र में विकास कार्यों की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। अचपलगढ़ी में सीवर लाइन डालने के नाम पर करीब 200 मीटर लंबी सड़क को पूरी तरह उखाड़ दिया गया, लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से हालात बेहद खराब हो गए हैं। सड़क ध्वस्त होने के कारण दर्जनों गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है और क्षेत्र में आवागमन लगभग ठप हो गया है।

स्थिति को बेमौसम बारिश ने और विकराल बना दिया है। उखड़ी हुई सड़क अब दलदल में तब्दील हो चुकी है, जहां हर कदम पर फिसलने का खतरा बना हुआ है। इस मार्ग से रोजाना गुजरने वाले स्कूली बच्चे, व्यापारी और अन्य लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं। दोपहिया वाहन फिसलने से कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। स्थानीय व्यापार पर भी इसका गहरा असर पड़ा है। दुकानदारों का कहना है कि सड़क खराब होने के कारण ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। क्षेत्रवासियों में प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी है। उनका आरोप है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के सड़क की खुदाई कर दी गई, जो स्पष्ट रूप से लापरवाही को दर्शाता है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार विभाग केवल आश्वासन दे रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य नहीं हो रहा। बारिश के चलते काम में बाधा आई थी, लेकिन अब मौसम साफ होने के बाद प्राथमिकता के आधार पर सड़क को जल्द दुरुस्त कर आवागमन बहाल कराया जाएगा। यदि जल्द ही प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो समस्या और गंभीर हो सकती है, जिसका खामियाजा आम जनता को ही भुगतना पड़ेगा।

रोडवेज बस-ट्रक भिड़ंत से मचा हड़कंप, टला बड़ा हादसा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एलिवेटेड पुल के नीचे डूहरी पेट्रोल पंप के सामने करीब 10 बजे तेज रफ्तार रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि आसपास के इलाके में तेज धमाके जैसी आवाज गूंजी और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बच गए और किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है। हादसे में एक मासूम के घायल होने की जानकारी सामने आई है, जिसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। टक्कर के बाद हाईवे पर यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाल लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस और ट्रक को सड़क से हटवाकर यातायात को जल्द ही सुचारू करा दिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आ रही है। मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

यूपीएसआईडीसी में चोरी का पर्दाफाश, 4 एल्युमीनियम सैक्शन के साथ दो आरोपी पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना धौलाना पुलिस ने यूपीएसआईडीसी क्षेत्र स्थित एक एल्युमीनियम फैक्ट्री में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई चार एल्युमीनियम सैक्शन भी बरामद की हैं।

थाना प्रभारी के अनुसार, फैक्ट्री में चोरी की घटना सामने आने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम गठित कर जांच शुरू की गई थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने पूठी तिराहा की ओर जाने वाले मार्ग पर दबिश देते हुए दोनों आरोपियों को सड़क किनारे से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी की गई एल्युमीनियम सैक्शन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सचिन पुत्र सत्यप्रकाश निवासी गाजियाबाद तथा सोहेब पुत्र कमरुद्दीन निवासी थाना धौलाना, हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों से चोरी की घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है और अन्य संभावित वारदातों को लेकर भी पूछताछ जारी है। थाना धौलाना पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गांजा तस्करी पर पुलिस का शिकंजा, गंजे सहित शातिर आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना हाफिजपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक शातिर आरोपी को 1.210 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुक. दमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

थाना प्रभारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी पिलखुवा के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना हाफिजपुर पुलिस ने शुक्रवार सुबह ब्रजनाथपुर शुगर मिल के पास खंडजे पर हाईवे से करीब 100 कदम की दूरी पर दबिश दी। इस दौरान संदिग्ध गतिविधि करते हुए एक युवक को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 1.210 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शराफत उर्फ इमरान पुत्र शौकत निवासी ग्राम कोटला मेवातियान थाना हापुड़ नगर, हाल निवासी ग्राम खिचरा थाना धौलाना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं, जिनमें अवैध हथियार, चोरी और अन्य आपराधिक धाराएं शामिल हैं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य संभावित संलिप्त लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

लोकदल का भव्य सदस्यता अभियान का आयोजन

’kkg VkbEI Ioknnkrk

y[kuÅ राष्ट्रीय लोकदल के संगठन विस्तार अभियान को गति देते हुए आज एक भव्य सदस्यता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय लो. कदल के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री रोहित अग्रवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव अनीता यादव के अथक प्रयासों से बड़ी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान प्रमुख रूप से उषा मौर्य, रेणुका वर्मा, राम लोटन एवं अंजू रावत सहित कई लोगों ने राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों एवं विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी से जुड़ने का निर्णय लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोहित अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि चौधरी चरण सिंह की नीतियां सदैव किसानों और व्यापारियों के हित में रही हैं। उन्होंने कहा कि आज के बदलते आर्थिक परिवेश में छोटे और मध्यम व्यापारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे समय में राष्ट्रीय लोकदल उनकी आवाज बनकर खड़ा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश यादव ने की, जबकि संच. ालन का दायित्व रामवती तिवारी जी ने सफलतापूर्वक निभाया।

औद्योगिक क्षेत्र में 5 किलो गैस सिलेंडर की नियमित सप्लाई शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना क्षेत्र के मसूरी-गुलावठी रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से 5 किलोग्राम एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी से जूझ रहे श्रमिक परिवारों के लिए अब नियमित आपूर्ति शुरू कर दी गई है। यह पहल एमजीआर इंडस्ट्रियलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रयासों से संभव हो सकी है।

शुक्रवार को एसोसिएशन के नेतृत्व में 25 जरूरतमंद श्रमिक परिवारों को 5 किलो गैस सिलेंडर वितरित किए गए। इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारी और गैस एजेंसी से जुड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में यह निर्णय लिया गया कि अब प्रतिदिन 25 से 30 छोटे गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि श्रमिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि गैस की कमी के कारण श्रमिकों को भोजन बनाने में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना चुनौती बन गई थीं, लेकिन अब इस व्यवस्था के लागू होने से स्थिति में तेजी से सुधार आएगा। उपाध्यक्ष धीरज कुमार तोमर ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य है कि कोई भी श्रमिक क्षेत्र छोड़ने को मजबूर न हो और किसी भी परिवार को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि यह पहल श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस व्यवस्था के लागू होने से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना है और श्रमिक परिवारों में राहत की भावना देखी जा रही है। औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया है।

सीएम योगी के निर्देश पर उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री ने किया हवाई सर्वे

’kkg VkbEI Ioknnkrk

y[kuÅ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और कृ षि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को आपदा से सर्वाधिक प्रभावित बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, उन्नाव तथा लखनऊ जनपदों का हवाई सर्वेक्षण किया। योगी सरकार ने प्रदेश में इस सप्ताह हुई असामयिक वर्षा, तेज हवाओं और चक्रवात के कारण किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया संकट की घड़ी में सरकार साथ खड़ी है।

योगी सरकार पीड़ित किसानों को आर्थिक सहायता समेत हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति का आकलन करने और किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने के उद्देश्य से इन सभी जनपदों के प्रशासन को विस्तृत सर्वेक्षण करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। आजमगढ़ तथा फतेहपुर जनपदों में स्थिति की जमीनी हकीकत परखने के लिए महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। इन बैठकों में जिलाधिक. ारी, मुख्य विकास अधिकारी, उप निदेशक कृषि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान फसल सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई और सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पूरी तत्परता के साथ आपदा प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण कर शासन को विस्तृत आख्या प्रेषित करें, ताकि प्रभावित अन्नदाताओं को अविलंब राहत राशि उपलब्ध कराई जा सके।

Toyu’khy inkFkk lsdj [kfygkuk dk cpko

’kkg VkbEI Ioknnkrk

y[kuÅ प्रदेश के कुछ जनपदों में खेत-खलिहानों में आगजनी की घटनाओं पर कृषि विभाग किसानों को जागरूक कर रहा है। कृषि विभाग ने जनपदों में तैनात कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस समय किसान बेमौसम बारिश से परेशान हैं।

वहीं कुछ जनपदों में आग. जनी की घटनाएं भी सामने आई हैं। ऐसे में किसानों के पास पहुंचकर उन्हें जागरूक करें कि वे खलिहानों का सिगरेट, बीड़ी व अन्य ज्वलनशील पदार्थों से बचाव करें। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इन दिनों निरंतर किसानों से संपर्क में रहें। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी हो, इसके लिए भी लगातार किसानों से संवाद स्थापित करें। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की कि वर्तमान में सरसों, चना, मसूर, मटर जैसी फसलों की कटाई एवं मड़ाई पूर्ण करते हुए भण्डारण इत्यादि किया जा रहा है। सर्वाधिक क्षेत्र में उगाई गई गेहूं की फसल को कुछ दिनों से विभिन्न क्षेत्रों में हो रही वर्षा से क्षति की आशंका है। ऐसे में किसान इस समय फसलों की कटाई एवं मड़ाई के समय सावधानी बरतें।

वभाग ने किसानों से कहा कि खेतों में यदि खड़ी फसल है और भीग गई है तो एक या दो दिन सूखने का मौका दें। यदि फसल की कटाई हो गई है और लांक खेत में पड़ी है तो खेत में पानी न रुकने दें अथवा बोझा बांधकर खड़ा कर दें। यदि फसल कटकर खलिहान में पड़ी है और भीग गई है तो उसे खोलकर हवा व धूप लगने दें जिससे जल्द ही सूख जाए, तत्पश्चात मड़ाई करें। यदि दाने भीग गए हैं तो उसे मात्र 10 प्रतिशत तक नमी बचने के बाद ही भंडारित करें। बीज उत्पादक कृषक हार्वेस्टर कंबाइन से कटाई कराते समय सफाई का विशेष ध्यान रखें। वर्तमान में नमी के दृष्टिगत भण्डारण के समय भण्डार स्थल अथवा बखारी, बोरा, दीवाल आदि को धूमरीकरण / फ्यूमिगेशन अवश्य कर लें, जिससे भण्डारगृह साफ सूखा एवं कीटमुक्त रहे। थोड़ी सी सावधानी व उचित प्रबंधन से वर्षा से होने वाले संभावित नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

ihlh,l esa p;fur lkue ;kno dk nh cłkkbZ ,oa 'kqHkdkeuk,a

y[kuÅ अयोध्या विधानसभा गद्दोपुर मजरे द्वारिका पाण्डेय का पुरवा निवासी सुरेश यादव की सुपुत्री कु. सोनम यादव का पहले प्रयास में ही यूपीपीसीएस में चयनित होकर उपजिलाधिकारी बनने पर गौशाईगंज विधानसभा से समाजवादी पार्टी के प्रभारी / प्रयासी चौ. लौटन राम निषाद ने परिवार वालों से मिलकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कु. सोनम यादव का पीसीएस में चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है इसी कड़ी में निषाद ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम अचल यादव के आवास पर पहुंचकर यूपीपीएससी द्वारा समीक्षा अधिकारी उत्तर प्रदेश सचिवालय के पद पर चयनित होने पर उनकी सुपुत्री कु. प्रिया यादव को साबित्रीबाई फूले की तस्वीर, अंगवस्त्रम् भेंटकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमें विश्वास है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ करते हुए समाज एवं राष्ट्र की उत्कृष्ट सेवा करेंगी। गौशाईगंज विधानसभा अंतर्गत तारुन ब्लॉक के ग्राम गदुरहवा-बेलगरा की होनहार बिटिया कु. वंदना वर्मा पुत्री रामनयन वर्मा ने पीसीएस -2024 परीक्षा चतुर्थ प्रयास में उत्तीर्ण कर नायब तहसीलदार बनकर परिवार, समाज और पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। गौशाईगंज के सपा प्रभारी लौटन राम निषाद ने शिक्षा की देवी साबित्रीबाई फूले -ज्योतिबा फूले की तस्वीर, अंगवस्त्रम् भेंट कर और वरिष्ठ सपा नेता रामसागर वर्मा ने सरदार पटेल की तस्वीर भेंटकर सम्मानित किया।

हॉकी इंडिया ने टिम व्हाइट को जूनियर महिला हॉकी टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली, वार्ता। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर टिम व्हाइट को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कोच नियुक्त कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई के टिम व्हाइट ने हाल ही में जनवरी 2026 में हॉकी इंडिया लीग (हीरो एचआईएल) में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के मुख्य कोच के रूप में काम किया था। अब वह भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच की भूमिका संभालेंगे।

उनका मुख्य लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सितारों की अगली पीढ़ी को तैयार करना है। भारत आने से पहले, व्हाइट बेल्जियम की अंडर-21 महिला टीम के कोच थे, और उन्होंने दिसम्बर में हुए 2025 जूनियर विश्व कप में टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। 2021 से 2024 के बीच, वह बेल्जियम की राष्ट्रीय महिला टीम के कोचिग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने अपनी विश्व रैंकिंग में जबरदस्त सुधार करते हुए 12वें स्थान से तीसरे स्थान पर जगह बनाई, और विशेष रूप से 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। अपनी नियुक्ति को लेकर टिम व्हाइट ने कहा कि हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर भारत में समय बिताने के बाद, मैं इस देश के जबरदस्त जुनून और हॉकी की समृद्ध संस्कृति से एक बार फिर यहां खिचा चला आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ कोचिग करते हुए यहां की युवा प्रतिभा को करीब से देखा है, और ऐसे जुनूनी खिलाड़ियों के साथ एक फुल-टाइम प्रोग्राम में काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मेरा लक्ष्य ऐसे तकनीकी रूप से दक्ष खिलाड़ी तैयार करना है, जो जूनियर और सीनियर टीम के बीच के अंतर को पाटने और सीनियर टीम में अपनी जगह बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हों। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि हमें टिम व्हाइट को अपने साथ जोड़कर बहुत खुशी हो रही है। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया के जूनियर प्रोग्राम्स में उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड खुद अपनी कहानी कहता है, खासकर जूनियर वर्ल्ड कप में टीमों को पोडियम तक पहुंचाने में उनकी सफलता। हमें विश्वास है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिग और एथलीट डेवलपमेंट में उनका विशाल अनुभव हमारी जूनियर महिला टीम को सीनियर इंटरनेशनल हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा।

भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे सीडी का निधन

चेन्नई, वार्ता। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे सीडी गोपीनाथ का कल शाम यहां निधन हो गया। भारतीय क्रिकेट के 'ग्रैंड ओल्ड मैन' कहे जाने वाले सीडी गोपीनाथ 1952 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे आखिरी जीवित सदस्य थे।ऑस्ट्रेलिया के नील हार्वे के बाद, वह दुनिया भर में दूसरे सबसे उम्रदराज जीवित क्रिकेटर थे। वह 96 वर्ष के थे।

उनके परिवार में उनकी पत्नी कोमाला, तीन बच्चे और पोते-पोतियां हैं। एक मार्च, 1930 को जन्मे चिगलपुट दोराईकन्नू गोपीनाथ, दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज थे। उन्होंने 1951 से 1960 के बीच आठ टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 12 पारियों में 242 रन बनाए, जिसमें 50 रन (नाबाद) उनका सर्वोच्च स्कोर था। आठ टेस्ट मैचों में भारत के लिए गेंदबाजी की एकमात्र पारी में, उन्होंने 11 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में, उन्होंने 83 मैचों (119 पारियों) में 4,259 रन बनाए, जिसमें नौ शतक और 23 अर्धशतक शामिल थेद्ध उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 234 रन था। गेंदबाजी में उन्होंने 14 विकेट लिए, जिसमें 15 रन देकर 3 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। वह मद्रास (अब तमिलनाडु) टीम के भी एक प्रमुख सदस्य थे, जिसने 1954-55 के सत्र में रणजी ट्रॉफी जीती थी। 1970 के दशक में, वह राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में फिर से सामने आए, और 1979 में उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का प्रबंधन किया। गोपीनाथ के निधन पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह भारत की ऐतिहासिक पहली टेस्ट विजेता टीम के सदस्य थे, और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में देश की यात्रा में शुरुआती योगदान देने वाले प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे। गोपीनाथ ने 1951 से 1960 के बीच आठ टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने डेब्यू मैच में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 50 नॉट आउट और 42 रन बनाकर तुरंत अपनी छाप छोड़ी। बीसीसी के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि श्री सी-डी- गोपीनाथ उस दौर का प्रतिनिधित्व करते थे जब भारतीय क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाना शुरू कर रहा था।

खेल विशेष

टी-20 विश्वकप कप से पहले पाकिस्तान करेगा जिम्बाब्वे की मेजबानी

हरारे, वार्ता। आगामी महिला टी-20 विश्वकप से पहले जिम्बाब्वे की महिला टीम पाकिस्तान में छह मैचों की सफेद गेंद सीरीज खेलेंगी। यह पहली बार होगा जब जिम्बाब्वे की महिला टीम इस उपमहाद्वीप के देश का दौरा करेगी। इस सीरीज में तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच शामिल हैं, प सभी कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में खेले जाएंगे।आईसीसी के अनुसार, जिम्बाब्वे की टीम 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद, तीन मई को एकदिवसीय मैचों के साथ दौरे की शुरुआत होगी। इसके बाद 12 मई से टी-20 सीरीज की शुरुआत होगी। तीनों एकदिवसीय मैच आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 का हिस्सा होंगे, जबकि टी-20 मैच पाकिस्तान के लिए इस साल के आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप से पहले तैयारी के लिहाज से बेहद अहम होंगे। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 12 जून से शुरू होगा। इस बड़े टूर्नामेंट से पहले, पाकिस्तान आयरलैंड का दौरा भी करेगा, जहां वह मेजबान टीम और वेस्टइंडीज के साथ मिलकर एक टी-20 त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा लेगा।

आर्यना सबालेंका स्टटगार्ट ओपन से हटीं

स्टटगार्ट (जर्मनी), वार्ता। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका चोट के कारण स्टटगार्ट ओपन से हट गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं इस साल पोर्श टेनिस ग्रां प्री में नहीं खेल पाऊंगी। दुर्भाग्य से, मियामी के बाद मुझे चोट लग गई, और हालांकि मैंने समय पर ठीक होने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन मैं अभी मुकाबले के लिए तैयार नहीं हूं। सबालेंका पिछले महीने 'सनशाइन डबल' जीतने वाली सिर्फ पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं, जब उन्होंने इंडियन वेल्स में अपनी जीत के बाद मियामी में भी सफलता हासिल की। बेलारूस की यह खिलाड़ी, जो स्टटगार्ट में चार बार उपविजेता रही हैं, उनकी जगह इस टूर्नामेंट में पोलैंड की मैग्डालेना फेच लेंगी। यह टूर्नामेंट सोमवार से शुरू हो रहा है।

विश्वनाथ ने जीता गोल्ड, पांच स्वर्ण के साथ भारतीय अभियान समाप्त

उलानबटोर, वार्ता। भारतीय पहलवान विश्वनाथ सुरेश ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों के 50 किंग्रा भार वर्ग में जापान के दाइची इवाई को 5-0 के बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ भारत ने पांच स्वर्ण पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। सचिन (60 किलोग्राम) भार वर्ग में भी कड़ी टक्कर देते हुए रजत पदक जीता। चैंपियनशिप में भारत पांच स्वर्ण पदकों, कजाकिस्तान से एक कम, के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। हालांकि भारत ने कुल मिलाकर सबसे अधिक 16 पदक जीते। इस प्रदर्शन की मुख्य बात भारतीय महिला टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा।

रोजाना 100-150 छक्के मारने का अभ्यास करता हूं: मुकुल चौधरी

कोलकाता, वार्ता। कोलक.ाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स को तीन विकेट से रोमांचक जीत दिलाने वाले मुकुल चौधरी का कहना है कि वह प्रतिदिन 100 से 150 छक्के मारने का अभ्यास करते है। गुरुवार को अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद संवाददाता सम्मेलन में मुकुल चौधरी ने छक्के लगाने की अपनी काबि.लियत पर कहा कि मेरे शरीर में थोड़ी ताकत है और यह स्वाभाविक रूप से मुझे मिली है।

मैं प्रतिदिन 100-150 छक्के मारने का अभ्यास भी करता हूं तो इससे आपकी बैट स्पीड अच्छी होती है। पिछले पांच या छह महीनों में मैंने बहुत अधिक अभ्यास किया है तो अब यह मेरे खेल का हिस्सा बन चुका है। 17वें ओवर में वैभव अरोड़ा के खिलाफ लगाए गए हेलीकॉप्टर शॉट को लेकर चौधरी ने कहा, ष्मैंने बचपन से ही उस शॉट का बहुत अभ्यास किया है। मुझे हमेशा से वो शॉट और जिस तरह से धोनी पारी का अंत करते हैं वो पसंद था। वह यॉर्कर पर भी छक्का मार देते थे। यदि आप उस तरह की गेंद पर छक्का मार देते हैं तो गेंदबाज कुछ अलग करने के बारे में सोचने लगता है। चौधरी ने 2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही अपने टैलेंट का परिचय दे दिया था। उन्होंने राजस्थान के लिए दिल्ली के खिलाफ 176 रनों की चेज में केवल 26 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए थे जिसमें सात छक्के शामिल रहे थे। उन्होंने एलएसजी के अपने साथी खिलाड़ी आयुष बदोनी को छक्का मारकर ही मैच का अंत किया था। चौधरी ने टूर्नामेंट में 57-66 की औसत और 198-85 की स्ट्राइक-रेट के साथ 173 रन बनाए। इसके बाद एलएसजी ने उनके लिए नीलामी में 2-6 करोड़ रूपप खर्च कर दिए और एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर ने तो यहां तक कह दिया कि वह चार महीनों में चौधरी को भारत का सबसे खतरनाक नंबर 6 या 7 का बल्लेबाज बना देंगे। चौधरी ने लैंगर की बातों से मिली प्रेरणा पर कहा कि जब उनके जैसा एक बड़ा कोच आपके बारे में कुछ ऐसा बोलता है तो निश्चित तौर पर उसे आपके अंदर कुछ दिखा होगा।

पंजाब किंग्स का लक्ष्य एसआरएच के खिलाफ अपनी लय को बनाए रखना

मुल्लांपुर, वार्ता। पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 में अपनी शुरुआती लय को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी, जब वे शनिवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 17वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे। यह मुकाबला दोनों टीमों की फॉर्म, संतुलन और खेल के तरीके में अंतर के लिए जाना जाएगा। पंजाब किंग्स ने इस सीजन की शुरुआत मजबूती से की है, उन्होंने अपने पहले तीन मैचों में से दो जीते हैं और खुद को शुरुआती दावेदारों के रूप में स्थापित किया है।

उनकी बैटिंग यूनिट ने कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में स्थिरता दिखाई है, जबकि प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्कस स्टोइनिस और रमनदीप सिंह ने मिडिल ऑर्डर में गहराई और लचीलापन प्रदान किया है। उनका बॉलिंग अटैक भी हर चरण में प्रभावी रहा है, जिसकी अगुवाई अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, विजयकुमार वैशाक और मार्को यानसन कर रहे हैं। वहीं, युजवेंद्र चहल, हरप्रीत बरार और अनुकूल रॉय की स्पिन जोड़ी ने मिडिल ओवर्स में मैच पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद की है। इस तालमेल की बदौलत पंजाब किंग्स ज्यादा स्कोर वाले और कम स्कोर वाले, दोनों तरह के मुकाबलों में संतुलन बनाए रखने में सफल रही है।

सनराइजर्स हैदराबाद का अब तक का सफर मिला-जुला रहा है, उन्होंने तीन मैचों में से सिर्फ एक जीता है। उनकी टीम में जबरदस्त क्षमता तो है, लेकिन वे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कमजोर साबित हुए हैं। उनकी बैटिंग लाइनअप में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन द्धविकेटकीपरत्र्, हेनरिक क्लासेन, नीतीश कुमार रेड्डी, एडेन मार्करम, अब्दुल समद और लियाम लिविगस्टोन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। प सभी खिलाड़ी अकेले दम पर मैच जिताने की क्षमता रखते हैं, लेकिन लगातार लंबी साझेदारियां बनाने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। वहीं, उनके बॉलिंग यूनिट में हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, टी नटराजन, शिवम कुमार और हर्ष दुबे शामिल हैं।

तीन हार के बाद दिल्ली को हराने के इरादे से उतरेगी चेन्नई

- लगातार अच्छे प्रदर्शन से दिल्ली आत्मविश्वास से भरी,
- एमएस धोनी की कमी लगातार चेन्नई को सता रही

चेन्नई, वार्ता। पांच बार की विजेता और इस समय लड़खड़ा रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए अब तक का सफर काफी कड़वा रहा है। लगातार तीन हार झेलने के बाद, घरेलू मैदान पर खेल रही यह पसंदीदा टीम शनिवार रात यहां के एम-ए- चिदंबरम स्टेडियम में एक अहम आईपीएल मुकाबले में आत्मविश्वास से भरी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना करते हुए अपनी किस्मत पलटने की उम्मीद करेगी।

टीम के प्रदर्शन से यह साफ जाहिर होता है कि उसे अपने दिग्गज खिलाड़ी एम-एस- धोनी की कमी कितनी खल रही है। धोनी पिडली की मांसपेशियों में खिचाव से उबर रहे थे, जिसके चलते वे शुरुआती दो हफ्तों तक मैदान से बाहर रहे। अच्छी खबर यह है कि वे तेजी से ठीक हो रहे हैं और अगले मुकाबले में उनकी वापसी की पूरी संभावना है। चोट से उबर चुके बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की संभावित वापसी इस अहम मुकाबले में टीम के मध्यक्रम को मजबूती देगी। इस मैच में जीत 'फ्लो ब्रिगेड' (सीएसके) की किस्मत को फिर से चमका सकती है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में महज एक रन से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद वापसी करने को बेताब होगी। इस सीजन के अपने चौथे मैच में पहली जीत की तलाश में जुटी सीएसके अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर खिसक गई है, और अब तक जीत का स्वाद नहीं चखने वाली एकमात्र टीम बनी हुई है। वहीं, तीन मैचों में दो जीत के साथ चौथे स्थान पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) अपने पिछले मैच में जीटी के खिलाफ मिली एक रन की हार को भुलाकर अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तीन हार झेल चुकी सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक बिल्कुल नहीं रहा है। उसे एक मुश्किल पिच पर राजस्थान रॉयल्स के हाथों करारी शिकस्त मिलीद्ध घरेलू मैदान पर एक हाई-स्कोरिग मुकाबले में 200 से ज्यादा रन बनाने के बावजूद पंजाब किंग्स ने उसे पांच विकेट से हरा दिया, और बेंगलुरु में मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने उसे 43 रनों के बड़े अंतर से मात दी। टीम का शीर्ष क्रम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहा है, पावरप्ले के दौरान एक साथ कई विकेट गिरते रहे हैं (जिसमें युवा आयुष म्हात्रे एकमात्र अपवाद रहे हैं), और मध्यक्रम भी काफी कमजोर नजर आया है। सभी बातें चिंता का सबब हैं और सीएसके को इस समस्या का समाधान तुरंत निक.ालना होगा। ओपनर संजू सैमसन, टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद, अब अपनी पुरानी लय हासिल करने के लिए बेताब हैं, जबकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ का प्रदर्शन अब तक काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों को अपनी फॉर्म वापस पाने की जरूरत के अलावा, म्हात्रे अपनी अच्छी लय को जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे और सरफराज खान को भी अपने शानदार अंदाज से कमाल दिखाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ब्रेविस की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में और गहराई आएगी, वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर को बड़े स्कोर बनाने होंगे, जबकि इस बेहद अहम मुकाबले में स्पिनर नूर अहमद से भी बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। गेंदबाजी के मोर्चे पर भी लगभग सभी गेंदबाजों ने काफी रन लुटाए, खासकर आरस.ीबी के खिलाफ, जिसने 250 रन बनाए थे।

एमएस धोनी को अपना आदर्श मानते हैं मुकुल चौधरी

कोलकाता, वार्ता। लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाईट राइडर्स के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाने वाले मुकुल चौधरी पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी को अपना आदर्श मानते हैं। जियोहॉटस्टार से बात करते हुए, मुकुल चौधरी ने एम एस धोनी के प्रति अपनी प्रशंसा के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा एमएस धोनी को अपना आदर्श मानता हूं क्योंकि मैं भी एक फिनिशर हूं।

मैं हमेशा उनसे प्रेरणा लेता हूं। उनका 'हेलीकॉप्टर शॉट', जो कि बहुत मशहूर है, मेरा पसंदीदा है। जिस तरह से उन्होंने 2011 वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी की थी, वह हर किसी को याद है। मैं भी उनकी तरह बनना चाहता हूं, मैचों को फिनिश करना चाहता हूं और अपनी टीम को जीत दिलाने में मदद करना चाहता हूं। अपने पिता के त्याग और क्रिकेट खेलने के अपने सफर की कहानी पर उन्होंने कहा कि बड़े लेवल पर क्रिकेट खेलना मेरे पिता का सपना था, हम एक बहुत ही गरीब परिवार से आते हैं और वह चाहते थे कि परिवार का कोई सदस्य क्रिकेट खेले। आजकल, क्रिकेट में बहुत पैसा और शोहरत है। क्रिकेट उनका पसंदीदा खेल है, लेकिन हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह खुद पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेल पाते। शादी से पहले ही उन्होंने यह तय कर लिया था कि जब उनका बेटा होगा, तो वह उसे क्रिकेट जरूर खिलाएंगे। जब मैं छोटा था, तब हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी और उनके लिए मुझे किसी क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाना मुम.किन नहीं था। उस समय, वह एक कॉलेज में पढ़ाते भी थे और साथ ही आरएएस की तैयारी भी कर रहे थे, तब उन्हें यह समझ आ गया कि या तो वह राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (आरएएस) की तैयारी कर सकते हैं।

खिलन जोशी ने चार शॉट से जीता आंध्र ओपन का खिताब

विशाखापत्तनम, वार्ता। खिलन जोशी ने विशाखापट्टनम के ईस्ट पॉइंट गोल्फ क्लब में खेले गए 1 करोड़ रुपप के आंध्र ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 में दो-अंडर 69 का स्कोर बनाते हुए अपना सातवां पेशेवर खिताब जीता। 33 वर्षीय बेंगलुरु के खिलन (68-68-70-69) ने कुल नौ-अंडर 275 के स्कोर के साथ चार शॉट के आरामदायक अंतर से जीत दर्ज की। इस जीत से उन्हें 15 लाख रुपप की पुरस्कार राशि मिली और वे 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 55वें स्थान से 12वें स्थान पर पहुंच गए,

जबकि उनकी सीजन कमाई 18,13,875 रुप हो गई। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (70-70-74-65), जो टूर पर दो बार के विजेता हैं, ने अंतिम राउंड में कोर्स रिकॉर्ड छह-अंडर 65 का स्कोर बनाकर 13वें स्थान से छलांग लगाई और कुल पांच-अंडर 279 के साथ उपविजेता रहे, जो विजेता से चार शॉट पीछे थे।

जोशी ने अंतिम राउंड की शुरुआत सात-अंडर पर तीन शॉट की बढ़त के साथ की और दो-अंडर 69 का स्कोर बनाते हुए पांच बर्डी और तीन बोगी के साथ खिताब अपने नाम किया। यह उनकी अगस्त 2022 में कोयंबटूर के बाद 44 महीनों में पहली जीत रही।

अपने प्रदर्शन पर जोशी ने कहा कि मैं खासकर बैक-नाइन पर थोड़ा नर्वस था, लेकिन मैंने धैर्य बनाए रखा और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा किया। शुरुआत वैसी नहीं रही जैसी मैं चाहता था, लेकिन मैं अपने एप्रोच पर कायम रहा और अच्छी वापसी की। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने दबाव में संयम बनाए रखा और राउंड अच्छे से खत्म किया। पूरे हफ्ते मेरी बॉल- स्ट्राइकिंग मजबूत रही-मैंने हवा में अच्छा कंट्रोल रखा, ड्राइविग लगातार अच्छी रही और काफी ग्रीन्स हिट किए। पटिंग मेरी सबसे अच्छी नहीं थी, लेकिन ग्रीन्स हिट करना ही फर्क बना। उपविजेता अक्षय शर्मा के कोर्स रिकॉर्ड अंतिम राउंड 65 में सात बर्डी और एक बोगी शामिल रही। उनकी पांच बर्डी बैक-नाइन पर आईं। सप्तक तलवार (70-74-68-68), जो वर्तमान डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई रैंकिंग लीडर हैं और पिछले महीने इंडोरामा वेंचर्स ओपन के विजेता रहे, चार-अंडर 280 के स्कोर के साथ दुबई के यश मजमुदार (71-69-69-71) के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। तलवार ने 5,49,800 रुपप की कमाई के साथ अपनी कुल सीजन कमाई 75,80,000 रुपप तक पहुंचाई और रैंकिंग में अपनी बढ़त और मजबूत की।

37 सेट जीतने का रिकॉर्ड टूटने के बाद सिनर अंतिम आठ में

मोनाको, वार्ता। जानिक सिनर ने 186 दिनों में पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स इवेंट में एक सेट गंवाया, लेकिन फिर भी वह टॉमस माचाक को हराकर मोंटे कार्लो क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। इस इतालवी खिलाड़ी ने पिछले तीन मास्टर्स 1000 खिताब - पेरिस, इंडियन वेल्स और मियामी- बिना कोई सेट गंवाए जीते थे। हालांकि, उनके लगातार 37 सेट जीतने का सिलसिला अचानक तब टूट गया जब दूसरे सेट में उनका नियंत्रण खो गया और चेक गणराज्य के माचाक ने इसका फायदा उठाकर टाई-ब्रेक जीत लिया।

अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स के बाद यह पहली बार था जब सिनर ने इस स्तर पर कोई सेट गंवाया थाद्ध उस समय वह नीदरलैंड के टैलन ग्रीक्सपोर के खिलाफ चोट के कारण मैच से हट गए थे। लेकिन सिनर ने मोनाको में अपना संयम वापस पाया, निर्णायक सेट को जीता और 6-1, 6-7 (3-7), 6-3 से जीत पूरी की - मास्टर्स टूर्नामेंट में यह उनकी लगातार 19वीं जीत थी। दूसरे वरीयता प्राप्त सिनर, जिन्होंने कभी क्ले-कोर्ट मास्टर्स 1000 खिताब नहीं जीता है, अंतिम आठ में कनाडा के छठी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम का सामना करेंगे। यदि सिनर मोंटे कार्लो टूर्नामेंट जीत जाते हैं, तो सोमवार को जब रैंकिंग अपडेट होगी, तो वह कार्लोस अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक उन्हें अपने किसी भी रैंकिंग अंक का बचाव नहीं करना है, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे।

अल्काराज ने मोंटे कार्लो में अपने खिताब बचाने के अभियान को जारी रखा, दूसरे सेट में कई गलतियां करने के बाद उन्होंने वापसी की और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। शुरुआती सेट को 26 मिनट में आसानी से जीतने के बाद, इस स्पेनिश खिलाड़ी का खेल थोड़ा गिरा और दूसरे सेट में उन्होंने 23 'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) किए।

एक नजर

108 मंडलेश्वर की उपाधि से नवाजा

धामपुर। गौ माता की कृपा से श्री पंचायती देवऋषि अखाड़े द्वारा आचार्य डा.दिनेश चंद्र भारद्वाज को श्रीश्री 108 मंडलेश्वर की उपाधि प्रदान की गई। सनातन धर्म में साधु समाज के द्वारा यह उपाधि दी जाती है। अब आचार्य श्री अपने नाम के साथ श्रीश्री 108 मंडलेश्वर आचार्य डांक्टर दिनेश चंद्र भारद्वाज लगा सकते हैं। धामपुर हैजरी वाइट हाउस के भव्य प्रांगण में यह कार्य हवन पूजन के साथ सम्पन्न हुआ। आचार्य डा. दिनेश चंद्र भारद्वाज का अभिषेक, चादर ओढ़ाना तथा पुष्प माला समर्पण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अनंत में विशाल भंडारे का आयोजन रहा। जिसमें दूर-दूर से आए साधु समाज ने भाग भाग लिया। ज्ञात हो कि धामपुर नगर में संस्कृत के प्रकांड विद्वान, कर्मकांड, ज्योतिष वास्तु विशेषज्ञ, गौ सेवा में तत्पर श्री शिव शक्ति पीठाधीश्वर आचार्य डा. दिनेश चंद्र भारद्वाज को इस उपाधि से सम्मानित किया गया। आचार्य श्री के शिष्यों भक्तों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। अनंत श्रीशिव शक्तिपीठ एवं संस्कार शाला आश्रम पर स्वागत बधाईयों का सिल सिला चल रहा है। बिहार मुंगेर से महामंडलेश्वर देवनायक दास महाराज तथा आचार्य महामंडलेश्वर गौरवानंद मुनि ने राजपूत विहार स्थित अनंत श्रीशिवशक्तिपीठ एवं संस्कार शाला आश्रम पर पहुंच कर मंडलेश्वर आचार्य डा.दिनेश चंद्र भारद्वाज श्री शिव शक्ति पीठाधीश्वर को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर का परीक्षाफल

बिजनौर। कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर (बैच 2024-25) के परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। इस वर्ष तृतीय सेमेस्टर का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। जिससे संस्थान में खुशी का माहौल है। तृतीय सेमेस्टर के परिणामों में पलक रवि ने 85.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अक्षिता रावत ने 78.33 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा कशिश रानी ने 77.67 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्थान के प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। इस मौके पर कॉलेज संस्थापक राजीव कुमार, कॉलेज प्रबंधक मनोज कुमार, निदेशक पवन कुमार तथा प्राचार्या डा. सफिया खानम ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसी प्रकार मेहनत करते रहें और आगे चलकर स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री का स्वागत

धामपुर। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तराखंड राज्य की प्रभारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री के धामपुर आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। धामपुर स्थित राजपूताना रिसॉर्ट के पास पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुधीर कुमार एड., जिला सचिव वसी उर रहमान, पूर्व जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस डा. सुमन चौधरी, पूर्व जिला महासचिव राजेंद्र सिंह चौहान, पूर्व जिला सचिव डा. जुनैद, शशि बिट्टू, एनडी मंसूरी, राना गांधी, विपिन चौधरी, शाहजेब, शहबाज कुरैशी, मंसूर अहमद, सईद सिद्दीकी, दिनेश शर्मा, नेपाल सिंह, कुंवर प्रिंस तथा हरीशचंद कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने धामपुर में समय देने के लिए उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल एवं प्रभारी का आभार व्यक्त किया। साथ ही संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीति पर भी चर्चा की गई।

विवाह समारोह में संघर्ष के बाद मुकदमा दर्ज

नहटौर। धामपुर मार्ग पर नाज बैंकट हॉल में एक विवाह समारोह के दौरान दुल्हन के निकाह करने से इनकार करने पर घरातियों व बरातियो के बीच हुए संघर्ष में ग्राम प्रधान के साथ मारपीट होने पर ग्राम प्रधान की ओर से एक नामजद व तीन से चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। वीडियो के आधार पर पुलिस अज्ञातों की पहचान करने में जुटी हुई है। नहटौर के जसमोरा मिर्जापुर की एक युवती की बारात नूरपुर से आई थी। नहटौर के धामपुर मार्ग पर नाज बैंकट हाल में कार्यक्रम था। निकाह की रस्मों के दौरान युवती ने शादी से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों (घराती और बाराती) के बीच गहमागहमी बढ़ गई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव शुरू हो गया। इस दौरान मिर्जापुर के ग्राम प्रधान दानिश के साथ भी मारपीट की गई। दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया है कि उनकी गाड़ियों पर पथराव किया गया और उन्हें काफी नुकसान पहुंचाया गया। इस पूरी घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें लोग एक-दूसरे से भिड़ते नजर आ रहे हैं। ग्राम प्रधान दानिश की शिकायत पर पुलिस ने एक नामजद ग्राम सदरूददीनगर निवासी फरमान और 3-4 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से भी मारपीट, गाली-गलौच और गाड़ियों में तोड़फोड़ की तहरीर दी गई है। कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विधान परिषद की समीक्षा बैठक

अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति के सभापति अश्विनी त्यागी के सभापतित्व में आज दोपहर कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में जिले के विकास कार्यों, लंबित प्रकरणों और सरकारी विनियमावलियों के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई।

मा. सभापति श्री त्यागी ने जिला आबकारी अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता जल निगम द्वारा बिना अनुमति के मुख्यालय छोड़ने और अपने स्थान पर अपने अधीनस्थ अधिकारी को माननीय समिति की बैठक में प्रतिभाग करने के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके खिलाफ शासन को लिखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों के अंतर्गत प्रचलित नियमों और उपनियमों की व्यवहारिकता की जांच करना, जनहित में उनके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना तथा नियमों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराते हुए आमजन को सुविधा प्रदान कराना है और विभागीय अधिकारियों को अपने दायित्वों के प्रति सजग एवं संवेदनशील बनाना है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रकरणों के बारे पूछे जाने वाले प्रश्नों का स्पष्ट और प्रमाणित रूप से उत्तर उपलब्ध कराएं। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा शासन द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों के पालन की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे और निर्धारित समय अवधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ उनका निराकरण करना सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध जनों को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत रूप से आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें तथा जिले में कोई भी टीबी का मरीज किसी भी अवस्था में बिना पोटली प्राप्त किया नहीं रहना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि टीबी मरीजों की संख्या के सापेक्ष पोटली पोषित करने वाले अधिकारियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थान की सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने जिलाधिकारी एवं डीएफओ बिजनौर को निर्देशित किया कि अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने और उत्तराखंड स्थित जिम कार्बेट के 7 किलोमीटर क्षेत्र को आय का स्रोत बनाने के लिए कार्य योजना बनाएं।

बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता में भी अपेक्षित सुधार लाएं तथा बेसिक शिक्षा क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करें और जिन अध्यापकों के द्वारा अपने कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है उनका स्पष्टीकरण तलब करें। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय स्थापित करते हुए सभी पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जिला विद्युत समिति की बैठक नियमित त्रैमासिक रूप से आयोजित करें और प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करना सुनिश्चित करें। बैठक में वर्ष 2024 से अब तक विधान मंडल के सदस्यों से प्राप्त पत्रों एवं विकास कार्यों से संबन्धित प्रस्तावों/मामलों, विभिन्न विभागों द्वारा जनप्रतिनिधियों के पत्राचार के निस्तारण की स्थिति, शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकाल अनुपालन, जनप्रतिनिधि रजिस्टर की उपलब्धता तथा प्रोटोकाल उल्लंघन से संबंधित मामलों तथा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं जिला स्तर पर आयोजित प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों व योजनाओं के विवरण की समीक्षा की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और आईजीआरएस (IGRS) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरतने पर जोर दिया गया। समीक्षा बैठक में मानव सम्पदा पोर्टल पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संपत्ति विवरण प्रस्तुत करने की स्थिति तथा भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए जनहित से जुड़े लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण प्राथमिकता पर किए जाने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर मानवेंद्र सिंह सदस्य विधान परिषद, पवन कुमार सिंह सदस्य विधान परिषद, वीरेंद्र सिंह सदस्य विधान परिषद, अरुण प्रकाश शर्मा अनु सचिव, मयंक यादव समीक्षा अधिकारी, आशीष सिंह प्रतिवेदक, अभिनव तिवारी सहायक समीक्षा अधिकारी, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) वान्या सिंह, प्रशासन अंशिका दीक्षित, अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ग्रामीण सहित, सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धामपुर क्षेत्र के 16 गांवों में बैनामों पर लगी रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में धामपुर क्षेत्र के 16 गांवों की जमीनों पर बैनामों (रजिस्ट्री) पर रोक लगा दी गई है, जिससे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया जा सके।

उपनिबंधक कार्यालय धामपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिन गांवों से एक्सप्रेस-वे का प्रस्तावित मार्ग गुजरेगा, उन गांवों की खसरा संख्या चिन्हित कर ली गई है और संबंधित भूमि पर किसी भी प्रकार के बैनामे पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

उपनिबंधक कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि यह कदम भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और किसी प्रकार की अनियमितता को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

एक्सप्रेस-वे निर्माण की प्रक्रिया शुरू

बताया जा रहा है कि धामपुर क्षेत्र के जिन 16 गांवों में यह रोक लागू की गई है, उनमें असगढ़, पापसरा, फैजपुर रामानंद, मारुफपुर, वाकरनगर, मेहरपुर, अलीपुर, पहाड़पुर, हरपुर, अकबरपुर देवमल, बेगराजपुर, आलमपुर सलावा, जगपुरा, रुस्तमपुर शेर, ताहरपुर अस्करन, रघुनाथपुर सहित अन्य गांव शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन गांवों की भूमि का सर्वेक्षण कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है और अब जल्द ही भूमि अधिग्रहण की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद क्षेत्र में आवागमन की सुविधा में सुधार होगा और लोगों को लंबी दूरी तय करने में समय की बचत होगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में धामपुर क्षेत्र से गोरखपुर जाने के लिए सीधा मार्ग उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में एक्सप्रेस-वे के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार की इस परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे न केवल यातायात व्यवस्था सुधरेगी बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

हज यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर कल

किरतपुर। जनपद से हज यात्रा 2026 पर जाने वाले यात्रियों के लिए 12 अप्रैल को एक विशेष प्रशिक्षण शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक अवामी इमदादी सोसायटी, मंडावर रोड में आयोजित होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सौरभ कुमार सिंह ने बताया कि शिविर में हज यात्रा से संबंधित आवश्यक अरकान एवं हज कमेटी ऑफ इंडिया और सऊदी अरब द्वारा जारी गाइडलाइन के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जनपद के हज ट्रेनर मुख्तार अहमद अंसारी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने सभी चयनित हज यात्रियों से अपील की है कि वे शिविर में उपस्थित होकर हज यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करें, ताकि यात्रा सुगम और सुरक्षित हो सके। प्रशासन ने इसे हज यात्रियों के लिए उपयोगी पहल बताते हुए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है।

विश्व पार्किंसन दिवसः समय पर पहचान और सही जीवनशैली से रोग नियंत्रण संभव

बिजनौर। हर वर्ष 11 अप्रैल को विश्व पार्किंसन दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस बढ़ती न्यूरोलॉजिकल बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डा. नितिन कुमार संगमित्र ने बताया कि पार्किंसन रोग धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन समय पर पहचान और उचित उपचार से मरीज लंबे समय तक सक्रिय और स्वतंत्र जीवन जी सकता है। डा. संगमित्र के अनुसार, पार्किंसन के लक्षण केवल हाथों की कंपकंपी तक सीमित नहीं होते। इसके अंतर्गत शारीरिक लक्षणों में हाथ, पैर या ठुड्डी में कंपकंपी, शरीर में जकड़न, चलने में धीमापन, संतुलन में कठिनाई, लिखावट का छोटा हो जाना और चेहरे के भाव कम होना शामिल हैं। वहीं गैर-शारीरिक लक्षणों में कब्ज, नींद में गड़बड़ी, अवसाद, स्मरण शक्ति में कमी, आवाज का धीमा होना और गंध पहचानने की क्षमता में कमी देखी जाती है। कई बार ये लक्षण बीमारी शुरू होने से वर्षों पहले दिखाई देने लगते हैं। उन्होंने बताया कि पार्किंसन को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण, सिर की चोट से बचाव तथा मानसिक रूप से सक्रिय रहने से इसके जोखिम को कम किया जा सकता है और रोग की प्रगति को धीमा किया जा सकता है। एक उदाहरण में 58 वर्षीय व्यक्ति में हाथ की हल्की कंपकंपी और लिखावट में बदलाव के लक्षण दिखे। समय पर जांच और उपचार से उनकी स्थिति नियंत्रित रही और वे सामान्य जीवन जी रहे हैं।

रसूलपुर आबाद में लोकेंद्र चौधरी का स्वागत

गांव चलो अभियान में उमड़ा जनसैलाब, योजनाओं की जानकारी दी

शाह टाइम्स संवाददाता

झालू। भारतीय जनता पार्टी के 'गांव चलो अभियान' के तहत झाल मंडल के ग्राम रसूलपुर आबाद में आयोजित कार्यक्रम उस समय जनउत्सव में बदल गया, जब लोकेंद्र चौधरी के आगमन पर ग्रामीणों ने उनका ऐतिहासिक स्वागत किया। गांव में प्रवेश करते ही फूल-मालाओं की वर्षा, ढोल-नगाड़ों की गूंज और उत्साहित ग्रामीणों की भीड़ ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया।

कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अभियान को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। लोकेंद्र चौधरी ने ग्रामीणों के बीच बैठकर सीधे संवाद स्थापित किया और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तार से समझाया।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और सामूहिक विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि सरकार पारदर्शिता और विकास के एजेंडे पर लगातार कार्य कर रही है और कार्यकर्ता गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में जुटे हैं। लोकेंद्र चौधरी ने कहा कि 'गांव चलो अभियान' केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है, जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ रही है और योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंच रहा है।

इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी खुलकर रखीं। चौधरी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर समाधान कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वे हर परिस्थिति में क्षेत्रवासियों के साथ खड़े रहेंगे। कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंह, राजीव कुमार, ब्रजवीर सिंह, तेजपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, मनु, सोनू, अतर सिंह, धीर सिंह, काले, ऋषभ समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को जनजागरण की दिशा में प्रभावी कदम बताते हुए इसकी सराहना की।

एक नजर

छात्राओं को जागरूक किया

नजीबाबाद। स्थित गुरु राम राय इंटर कॉलेज में 10 अप्रैल को मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं को सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उप निरीक्षक अवधेश शर्मा, महिला हेड कांस्टेबल निर्वशी, महिला कांस्टेबल प्रिया, प्रीति (2163), सोनम (2149) और कांस्टेबल सूरज मौजूद रहे। उन्होंने बालिकाओं को वीडियो के माध्यम से जागरूक किया। छात्राओं को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे विधवा पेंशन योजना, वृद्धा पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, छात्रवृत्ति योजना और कन्या सुमंगला योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए। इनमें 1090 (वीमेन हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 108 (एंबुलेंस सेवा), 101 (अग्निशमन सेवा), 102 (गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशु के लिए एंबुलेंस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (वीमेन हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर फ्राड हेल्पलाइन) शामिल थे।

टावर निर्माण के विरोध में सौंपा ज्ञापन

नगीना। मौहल्ला लाल सराय में आबादी के बीच लग रहे मोबाइल टावर के विरोध में भाकियू (महात्मा टिकैत) ने मोर्चा खोल दिया है। तहसील अध्यक्ष मौहम्मद आमिर के मुताबिक स्थानीय लोगों की सुरक्षा की अनदेखी कर निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने एसडीएम से निर्माण कार्य को तत्काल रोकने की मांग की है और कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

ब्लॉक परिसर में गंदगी के अम्बार

कोतवाली देहात। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की बैठक ब्लॉक परिसर में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी बलजीत सिंह ने कहा कि ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत में सफाई कर्मचारियों की कमी के चलते गंदगी के अंबार लगे हुए हैं। ब्लॉक क्षेत्र के ज्यादातर गांव में गंदगी फैली हुई है। ब्लॉक में सफाई कर्मचारियों की कमी नहीं है, लेकिन ग्राम पंचायत में पर्याप्त मात्रा में सफाई कर्मचारी नहीं लगाए गए हैं। सभी गांव में आवश्यकता अनुसार सफाई कर्मचारी तैनात किए जाएं। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों पर राहगीरों को अनावश्यक रूप से परेशान करने का आरोप लगाते हुए सुधार करने की मांग की। बैठक का संचालन राहुल चौधरी ने किया। बैठक को डा. धर्मवीर सिंह, इमरान मलिक, नसीरूल, राजवीर सिंह, राजपाल सिंह, शाहनवाज, वीरेंद्र सिंह, ओम प्रकाश सिंह, पुखराज सिंह, सचिन प्रधान, मूलचंद सिंह, राम भजन आदि ने संबोधित किया।

ट्रैक्टर ट्रॉली ने भैंसा बुग्गी में मारी टक्कर

नांगल सोती। मौहल्ला बड़तला निवासी संदीप कुमार भैंसा बुग्गी लेकर एक कोल्हू से नांगल-चंदक मार्ग पर आ रहा था। खानपुर तिराहे के समीप वीके फार्म हाउस के सामने नांगल की ओर से जा रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने भैंसा बुग्गी में टक्कर मार दी। हादसे में भैंसा घायल हो गया। जबकि बुग्गी क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान भैंसा बुग्गी चालक ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। संयोग से कोई राहगीर ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया। नांगल थाना प्रभारी अमर सिंह राठौर ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दोनों पक्षों में समझौते के प्रयास चल रहे है।

गणेश क्लब 84 रन बना कर जीता

धामपुर। बीएस क्रिकेट क्लब की ओर से सिंदर पाल जुनेजा मेमोरियल टूर्नामेंट का आयोजन सिंदर स्पोर्ट के ओनर रितेश जुनेजा व युवा सर्राफा संघ धामपुर के अध्यक्ष योगेश रस्तोगी उर्फ बाबू भाई के द्वारा केएम इंटर कॉलेज धामपुर के मैदान में कराया जा रहा है। टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि युवा व्यापार संघ धामपुर के पदाधिकारी व सदस्य विभु प्रकाश बंसल, अक्षत अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, रवि रस्तोगी, अर्पित सिंघल, विशाल गुप्ता, बालकिशन रस्तोगी, लोकेश रस्तोगी, जितेंद्र वर्मा, नितिन सैनी, पंकज अग्रवाल, बृजवासी यश रस्तोगी मौजूद रहे। बृहस्पतिवार की रात पहला मैच बनी गनेश क्लब व न्यू हिंदू कलोनी धामपुर के बीच हुआ। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए बनी गणेश क्लब ने 84 रन बनाए। दूसरी टीम न्यू हिंदू कॉलोनी धामपुर लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 50 रन पर ऑल आउट हो गई। टूर्नामेंट के दूसरा मैच पैंथर क्लब दिल्ली व जैदी क्लब रसूलपुर के बीच हुआ। जिसमें जैदी क्लब रसूलपुर ने आठ ओवर में 79 रन बनाएं। जिसको पैंथर क्लब दिल्ली के बल्लेबाज अंकुश ने छक्को की बारिश करते हुए आसानी से जीत लिया। मैच के अंपायर आमिर अंसारी एड. व फरमान खान रहे। टूर्नामेंट का तीसरा मैच अफगानान क्लब धामपुर पाटिल क्लब धामपुर के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानान क्लब धामपुर ने 8 ओवर में 135 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया। बड़े लक्ष्य को देखकर पाटिल क्लब घबरा गई और 42 रन पर सिमट गई और मैच हार गई।

सीएम ग्रिड-2 सड़क निर्माण के लिए शिला पूजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सीएम ग्रिड फेस-2 के अंतर्गत बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का आज आवास विकास में आयोजित एक कार्यक्रम में महापौर डॉ.अजय कुमार व पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा के अलावा कार्यक्रम अध्यक्ष एवं आवास विकास वेल्फेयर एसोसियेशन के अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, राहुल लखनपाल, सीएम ग्रिड-2 से सम्बद्ध क्षेत्रीय पार्षद दिग्विजय चौहान व सुधीर पंवार, उपसभापति मयंक गर्ग, वरिष्ठ नेता दिनेश सेठी, भाजपा के पूर्व नगराध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, राकेश जैन व अमित गगनेजा तथा पार्षदों व क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने शिला पूजन और नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। पंडित सोनू पाराशर ने शिला पूजन कराया।

इससे पूर्व महापौर डॉ.अजय कुमार ने कहा कि सीएम ग्रिड के हकीकत नगर में फेस-1 की

श्रृंखला में आज सीएम ग्रिड फेज-2 में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश बदल रहा है। विकास के प्रति उनका दृढ़ संकल्प और सेवा भाव का संकल्प हम सब के लिए प्रेरणा है। सीएम ग्रिड-2 के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य मुख्यमंत्री के दृढ़ संकल्प का ही परिणाम है। महापौर ने कहा कि इस योजना के अलावा मुख्यमंत्री ने ढमोला की सफाई ओर क्रेगी नाले के लिए भी करीब दस-दस करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने कहा कि योगी सरकार में प्रदेश में विकास की बयार बह रही है। उत्तर प्रदेश विकास का मॉडल बन गया है। आज उत्तर प्रदेश के सुशासन की पूरे देश में चर्चा हो रही है। उन्होंने सीएम ग्रिड के दूसरे चरण में सड़क की स्वीकृति के लिए महापौर डॉ.अजय कुमार की सराहना की। मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश कुमार ने सीएम ग्रिड-2 के सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि दो किमी लंबी इस सड़क पर 38 करोड़ 17 लाख रुपये व्यय होगा।

इसके अलावा किसान नेता अनिल महाला, भाजपा के पूर्व नगरायध्यक्ष अमित गगनेजा व राजेन्द्र चौधरी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम संयोजक दिग्विजय चौहान ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक पुरुषोत्तम कुमार, सहायक नगरायुक्त विकासधर दुबे, एई मदनपाल, पार्षद मोहर सिंह, सुलेख चंद, ज्योति अग्रवाल, वीरेंद्र उपाध्याय, राजू जाटव, सो. पिन पाल, राजेंद्र कोहली, संजय सैनी, नामित पार्षद शिवमंगल, पार्षद प्रतिनिधि विनोद सैनी, परविंदर तोमर, संदीप चौधरी, स्वराज सिंह के अतिरिक्त राजेंद्र अरोड़ा, डॉ. ए के प्रताप, पुष्पेंद्र चौधरी, रवि पुप्ता, नरेंद्र बालियान, नवीन लांबा, नीरज चौधरी, श्रेया गौड़ संजय राणा, राजा पसरीचा व अभिषेक चौधरी आदि शामिल रहे। संचालन डॉ. वीरेन्द्र आजाद ने किया।

ग्लोकल विश्वविद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। ग्लोकल विश्वविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक एवं साहित्यिक उत्सव "मेराकी 5.0" के अंतर्गत पांचवें दिन अनेक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

ग्लोकल विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रतिकुलाधिपति सैयद निजामुद्दीन एवं प्रोफेसर डॉ. ओम कुमार हर्ष के संरक्षण तथा कुलसचिव प्रोफेसर शिवानी तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता के साथ हुई जिसमें प्रथम स्थान फाईजा खान, द्वितीय स्थान पायल पंवार ने तथा तृतीय स्थान तूबा खान ने प्राप्त किया। इसके फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ हिशाम. हीन, डॉ नुरुल हक तथा स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर मुदस्सिर पटेल रहे।फोटोग्राफी और ब्लॉगिंग में प्रथम स्थान अलीना राशिद, द्वितीय स्थान मुदस्सिर पटेल तथा तृतीय स्थान प्रिंस को मिला। इसके फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. मोहम्मद वाजिद खान और डॉ. असगर अली थे और स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर आयशा कुरैशी और मो. अफजल रहे। वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता के फैकल्टी कोऑर्डिनेटर जोगिंदर, डॉ. सुष्मिता, डॉ. ज्योति और डॉ. शहनाज रहे। स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर अभिषेक कुमार रहे। इसमें प्रथम पुरस्कार आयुर्वेद कॉलेज की टीम को, द्वितीय पुरस्कार ग्लोकल लॉ स्कूल की टीम को तथा तृतीय पुरस्कार पैरामेडिकल कॉलेज की टीम को प्राप्त हुआ। फूड फेस्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्लोकल लॉ स्कूल की टीम को तथा द्वितीय स्थान एग्रीकल्चर की टीम को मिला।

अन्य निर्णायकों में डॉ. रेशमा ताहिर, डॉ. आते. का बानो, डॉ. कैफ उल इस्लाम, प्रो. मो. मजहर अफजल, जमीरुल इस्लाम, डॉ. वसीम अहमद, डॉ. नाजिया खान, डॉ. कामरान और डॉ. मो. जावेद जैसे प्रतिष्ठित शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बच्चे हमारे देश का भविष्य: रूही अंजुम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव रूही अंजुम ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य है।

रूही अंजुम मदर आमना अकादमी रेहड़ी मोहिउद्दीनपुर में दसवा वार्षिक उत्सव को संबोधित कर रही थी। उन्होंने मेधावी बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दे, ताकि बच्चे एक संस्कारवान नागरिक बन सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य मो.अजमल ने बच्चो को उनकी परफॉर्मस के लिए शुभकामनाये दी और भविष्य में और ज्यादा मेहनत कर देशनिर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस मोके पर अब्दुल अजीम, जमाल, करि सलमान मौजूद रहे। संचालन मो. अबूजर ने किया।

बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर का परीक्षाफल

बिजनौर। कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर (बैच 2024-25) के परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। इस वर्ष तृतीय सेमेस्टर का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। जिससे संस्थान में खुशी का माहौल है। तृतीय सेमेस्टर के परिणामों में पलक रवि ने 85.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अक्षिता रावत ने 78.33 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा कशिश रानी ने 77.67 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

होम्योपैथिक के जनक डा. हैनिमैन का जन्मदिवस मनाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ने डॉ. हैनिमैन का 271वाँ जन्मदिवस एवं विश्व होम्योपैथी दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया।

संरक्षक डॉ. पी. डी. गर्ग के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में चिकित्सकों द्वारा डॉ. हैनिमैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके महान योगदान एवं उपलब्धियों को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एसोसिएशन के सदस्य हैनिमैन प्वाइंट, दिल्ली रोड

पर एकत्रित हुए, जहां उन्होंने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। डॉ. हैनिमैन प्वाइंट का विकास संरक्षक डॉ. पी. डी. गर्ग द्वारा होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की स्मृति में कराया गया, जो आज चिकित्सकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा स्थल के रूप में स्थापित है। मुख्य अतिथि के रूप में होम्योपैथी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेत्र पाल सिंह एवं जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं संरक्षक डॉ. पी. डी. गर्ग द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ. हैनिमैन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सचिव डॉ. अजय सैनी, डॉ. शमशाद, कोषाध्यक्ष डॉ. संदीप टकर, डॉ. अभिनव गर्ग ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में डॉ. रमेश मंचंदा, डॉ. एस. के. जैन, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. अजय वालिया, डॉ. संदीप पसरीचा, डॉ. मनोज सिंघल, डॉ. हरीश मंचंदा, डॉ. शिवशयन पुंडीर, डॉ. सतीश चावला, डॉ. विनीत चौधरी, डॉ. शिवाय, डॉ. पूनम यादव, डॉ. बलजिंदर कौर, डॉ. वी. के. टंडन आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. शिशिर भारद्वाज द्वारा की गई।

बूथ तक मजबूत करें संगठन: सरफराज

शाह टाइम्स संवाददाता

अंबेहटा। बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. अब्दुल कादिर के आवास पर मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए सहारनपुर मंडल प्रभारी सरफराज राईन और मंडल प्रभारी नरेश गौतम ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना होगा।सभी पदाधिकारियों और

कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन विस्तार, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीति बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सुंदर लाल डासने विधानसभा अध्यक्ष, गंगोह, डॉ. बिंदर पाल, जाती राम,मास्टर समर चंद, नयूर हसन, गुड्डू गाड़ा, नगर पंचायत सभासद लियाकत राव उर्फ भोला, अब्दुल सत्तार सिद्दीकी, गुलशेर अहमद, मन्नू कुरैशी, जहीर कुरैशी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं: मलिक

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा.अशोक मलिक ने कहा कि शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार को जड से उखाडा जायेगा।

डा.अशोक मलिक ग्राम रूपडी में अपने स्वागत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा की सरकार के पास सरकारी स्कूलों में किताबें उपलब्ध नहीं हो रही है सरकार मात्र 10 प्रतिशत बच्चों को शिक्षा ग्रहण करा रही है और 90 प्रतिशत प्रतिशत मान्यता प्राप्त स्कूल हिंदी इंग्लिश मीडियम उर्दू एवं संस्कृत मीडियम शिक्षा देने का काम कर रहे हैं इस प्रकार 90 प्रतिशत निजी

स्कूलों को एनसीईआरटी की उपलब्ध नहीं है। बैठक को जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष वीरेंद्र पवार, प्रभारी धनंजय शर्मा महामंत्री अरविंद शर्मा प्रदेश सचिव अमजद दिल्ली एडवोकेट महानगर प्रभारी गुयूर आलम महानगर अध्यक्ष अजय सिंह रावत भोपाल सिंह प्रीतम सिंह जिला महामंत्री हंस कुमार संगठन मंत्री जोरा सिंह संगठन मंत्री दिनेश रोपडी रविंद्र सिंह उपस्थित हुए विद्यालय के प्रबंध विजेंद्र प्रधान ने आभार जताया।

चैकिंग अभियान चलाया

बेहट। विद्युत विभाग द्वारा कस्बा बेहट की विभाग की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना सक्सेस स्टोरी एरिया योजना मे घोषित किया गया है।

उक्त जानकारी विद्युत वितरण केन्द्र बेहट के उप खंडअधिकारी बृजमोहन सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है उन्होंने बताया कि सक्सेस स्टोरी एरिया योजना के तहत विद्युत उपभोक्ताओं निर्बाध आपूर्ति सुचारू रूप से मिलती रहेगी। उन्होंने आज विभाग के कर्मचारियों एवं पुलिस बल के साथ लेकर मोहल्ला सदकपार फूल कालोनी, गाड़ान ,आदि मोहल्लों मे चैकिंग अभियान भी चलाया गया। बकायादार उपभोक्ताओं के बिलों की राशि भी जमा कराई गई।

लापता का सुराग नहीं

नकुड़। तीन दिन से लापता एक व्यक्ति का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। मामले में पुलिस की कार्रवाई धीमी रहने पर परिजनों ने चिंता जताते हुए जल्द से जल्द तलाश की मांग की है।

कोतवाली में नरेन्द्र पुत्र टामीराम द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया कि उनका परिजन जगदीश आठ अप्रैल को किसी काम से नकुड़ आया था, लेकिन इसके बाद से वह घर वापस नहीं पहुंचा। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों के अनुसार, सीसीटीवी कैमरों की जांच में जगदीश नगर के होली वाला चौक और शाहज. हांपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास पैदल जाता दिखाई दिया है।

हमेशा याद रहेंगे डा. हैनिमैन: डा. असलम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। आज नेशनल मेडिकल कॉलेज में डॉ फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन का 271 वां जन्मदिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ असलम खां ने कहा कि डॉ 'हैनिमैन ने एलोपैथिक में डिग्री प्राप्त की थी परंतु उसको जीविकोपार्जन के लिये प्रयोग नहीं किया बल्कि एक नयी पैथी जिसको आज हम होम्योपैथी के नाम से जानते है, उसमे उपयोग किया।

उन्होने पहली दवाई कुनैन को जो मलेरिया रोग में काम आती है, उसकी खोज की। उन्होनें बताया कि होम्योपैथी के कोर्सेज डिप्लोमा इन होम्योपैथी,' 'एडवांस डिप्लोमा इन होम्योपैथी,' 'डिप्लोमा इन होम्योपैथी फार्मेसी,' 'डिप्लोमा इन होम्योपैथी साइंस डिप्लोमा इन सेक्सुअल होम्योपैथी आदि कोर्सेज पर 20 अप्रैल तक 50 प्रतिशत तक का डिस्काउंट भी किया है। श्रीमती डॉ आशा ने बताया की डॉ हैनिमैन ने जो होम्योपैथी की खोज की है वह बहुत ही स्वास्थ्यकारक और उपयोगी है। श्रीमती खूरेजा ने पुष्प अर्पित की।

विन स्पोर्टर्स एकेडमी का मेयर ने किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

सहारनपुर। मेयर डा.अजय कुमार सिंह व क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी राहुल चोपडा ने विन स्पोर्टर्स एकेडमी का उदघाटन करते हुए कहा कि इससे बच्चों को अपना खेल प्रदर्शन सुधारने का मौका मिलेगा।

मेयर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि यह पहल क्षेत्र के युवाओं को खेलों विशेषकर कुराश में आगे बढ़ने का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थाएं हमारे शहर की प्रतिभाओं को नई पहचान देने के साथ-साथ खेल संस्कृति को भी सुदृढ़ बनाती हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी राहुल चोपड़ा ने कहा कि खेल अकादमी

के संबंध में खेल विभाग की जो भी योजनाएं होंगी नियमानुसार उनको दिलाने में मैं पूर्ण सहयोग करूँगा।

द इंडियन कुराश एसोसिएशन के महासचिव विक्रान्त कुमार ने बताया कि विन स्पोर्टस अकादमी में मुख्य रूप से खिलाड़ियों को कुराश का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे सहारनपुर के खिलाड़ियों को एक सुनहरा अवसर प्राप्त होगा और वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। अकादमी में अंतरराष्ट्रीय रेफरी एवं पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहित शर्मा कोच के रूप में अपनी सेवाएं देंगे और खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे।

कार्यक्रम में आर.के. शर्मा, मोहित शर्मा, तरुण भोला, आनंद भाटिया, संजीव कुमार, अमित चौधरी, अंतरिक्ष सैनी, दिव्यांश कश्यप, राजकुमार, निकिता जैन, कुलभूषण, यश, कृष्णकांत, देवेंद्र, दीक्षा, मानसी, पायल, लाल धर्मेंद्र, सोनवीर, रविकांत धीमान, ध्रुवेश, राघव, कृष्णा आदि गणमान्य व्यक्ति एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षकों का धरना

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ चेतनारायण गुट के शिक्षकों ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना दिया।

धरने के बाद शिक्षकों ने अपनी मांगों का ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा। जिसमें एनपीएस के खातों का अपडेट करना और सेवानिवृत शिक्षकों को ग्रेजुएटी जीपीएफ का भुगतान करना और एनपीएस से पुरानी पेंशन योजना में आए हैं उनके जीएफ खातों का अपडेट करना विषय विशेषज्ञ को पुरानी पेंशन संबंधी विकल्प पत्र भरना और निदेशालय को प्रेषित करना ग्रेजुएट राशि 20 लाख से 25 लाख हुए हैं उसके भुगतान की मांग की गई। धरने पर प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीश चौहान, प्रदेश मंत्री डॉ युद्धवीर सिंह, संरक्षक, नाथि राम कंबोज,जयदीप त्यागी, जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, जिला मंत्री राजेंद्र राठौड़ नगर अध्यक्ष संदीप कुमार कर्मवीर गुप्ता जिला उपाध्यक्ष धर्मपाल यादव नीरज मिश्रा मंडल अध्यक्ष शिवकुमार जिला उपाध्यक्ष संजय शर्मा अतुल त्यागी कुंवर धनंजय अनुरंजन गुप्ता सर्वेश कुमार ओमवीर सिंह प्रवीण कुमार राहुल कुमार अनिल कुमार सोनू कुमार मुकेश कुमार अमित कुमार मुनेश कुमार आदिशिक्षक एवं शिक्षिका उपस्थित रहे।

बुजुर्ग की मौत में दो पकड़े

बेहट। कोतवाली बेहट क्षेत्र के गांव चांडी में खेत की मेढ़ को लेकर हुए एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक बुजुर्ग की हुई मौत के मामले मे पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिये हैं। पुलिस ने गिरफ्तार हुए आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश किये है।

गौरतलब है कि तीन दिन पूर्व कोतवाली बेहट के गांव चांडी मे खेत की मेढ़ को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई थी मारपीट मे एक बुजुर्ग इस्लाम पुत्र मीर हसन की मौत हो गई थी।पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया था।पुलिस मुकदमे मे फरार चल रहे आरोपियों की धड़पकड़ मे लगी हुई थी।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह दिखीत ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गांव भाखरोड के पास से मुकदमे मे फरार चल रहे आरोपी आदिल पुत्र शाहिद, सादीन उर्फ सद पुत्र शाहिद निवासीगण गांव चांडी को गिरफ्तार किए गये है। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मृतक इस्लाम और हमारे खेत की सीमा मिली हुई है हमने खेत पर डोल पर चूल्हा बना रखा था। जिस का मृतक इस्लाम विरोध कर रहा था इस बात को लेकर हमने इस्लाम के साथ मारपीट शुरू कर दी थी हमे बाद में पता चला कि उस की मृत्यु हो गई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों का चलान कर न्यायालय में पेश किये गए जहां न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिए है।

स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

कैलाशपुर। पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय कैलाशपुर में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ बड़े उत्साह के साथ किया गया।

अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका श्रीमती शमा प्रवीण ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बीजेपी महानगर मंत्री राजेश जोहरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत अध्यापिका श्रीमती रेखा सैनी द्वारा किया गया।विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इसरार अहमद, अभिभावकगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष नीरज धीमान ने बच्चों के नामांकन बढ़ाने और विद्यालय की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यवस्था प्रमुख शहजादा गालिब के साथ मोनू ग्रेवाल, रंजन गोसाई, सुनीता सैनी, अजय सिंह, चारु बाबा, प्रिया बत्रा, सुसमेश गौतम, स्मिता अरोड़ा, मोनू बिष्ट, अजीत सिंह एवं हिमानी उपाध्याय सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

फाइनल सूची में मेरठ के 21 लाख 93 हजार 637 मतदाता शामिल

अंतिम रूप से प्रकाशित हुई मतदाता सूची,जनसामान्य करें अवलोकनः जिला निर्वाचन अधिकारी

- निर्वाचन विभाग ने राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधियों को सौंपीं मतदाता सूची
- 11 लाख 96 हजार 871 पुरुष व 9 लाख 96 हजार 622 महिला व अन्य में 144 मतदाता

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन दिनांक 10 अप्रैल (शुक्रवार) को किया गया।

अंतिम प्रकाशन जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन कार्यालय में, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (तहसील) कार्यालयों में तथा प्रत्येक पदाभिहीत स्थलों (मतदान केन्द्रों) एवं मतदेय स्थलों पर संबंधित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किया गया। उक्त मतदेय स्थलों पर अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची जनसामान्य के अवलोकन हेतु उपलब्ध है। इसी क्रम में एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम रूप से प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों की हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराई गई।

ऑनलाइन भी देख सकते हैं मतदाता सूची में अपना नाम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनसामान्य को सूचित किया कि वे 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची का अवलोकन संबंधित मतदेय स्थलों पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट http://meerut.nic.in पर भी उपलब्ध है, जहां जाकर मतदाता अपना नाम सूची में देख सकते हैं।

जनपद में अंतिम प्रकाशन के दौरान विधानसभा वार मतदाताओं का विवरण

43-सिवालखास विधानसभा मतदाता
कुल मतदाता 2,96,4885
पुरुष मतदाता 1,64,445
महिला मतदाता 1,32,023
कुल मतदान स्थल 390

44-सरधना विधानसभा मतदाता
कुल मतदाता 3,07,817
पुरुष मतदाता 1,69,421
महिला मतदाता 1,38,370
अन्य मतदाता 26
मतदेय स्थल होंगे 420

45-हस्तिनापुर विधानसभा
कुल मतदाता 3,03,351
पुरुष मतदाता 1,67,166
महिला मतदाता 1,36,167
अन्य मतदाता 18
मतदेय स्थल 397

46-किठौर विधानसभा
कुल मतदाता 3,22,769
पुरुष मतदाता 1,77,334
महिला 1,45,419
अन्य 16
मतदेय स्थल 413

47- मेरठ कैंट विधानसभा
कुल मतदाता 3,16,239
पुरुष मतदाता 1,68,286
महिला मतदाता 1,47,921
अन्य मतदाता 32
मतदेय स्थल 474

48-मेरठ शहर
कुल मतदाता 2,55,238
पुरुष मतदाता 1,38,596
महिला मतदाता 1,16,627
अन्य मतदाता 15
मतदेय स्थल 342

49-मेरठ दक्षिण विधानसभा
कुल 3,91,738
पुरुष मतदाता 2,11,623
महिला मतदाता 1,80,095
अन्य मतदाता 20
मतदेय स्थल 545

अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर 'राका' टाइटल का ग्लोबल ऐलान

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों में शामिल एटली की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक एए22 एक्स ए6 (एए22 एक्स ए6) का आधिकारिक टाइटल अब 'राका' हो चुका है और इसका ऐलान आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन के जन्मदिन के मौके पर किया गया है, जिसने एटली और अल्लू अर्जुन के फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। टाइटल रिवील के साथ जारी पोस्टर फिल्म की दुनिया की एक झलक रही है, जो डार्क, इंटेंस और रहस्यमयी विजुअल टोन से भरपूर है। पोस्टर में दिखाए गए क्रिएचर जैसे एलिमेंट्स एक बड़े और अलग सिनेमाई यूनिवर्स की ओर इशारा करते हैं, जो दर्शकों को नया अनुभव देने वाला है। फिलहाल फिल्म के टाइटल रिलीज के साथ ही 'राका' ने यह भी साफ कर दिया है कि यह फिल्म एक भव्य और नया सिनेमाई अनुभव देने वाली है, जो ग्लोबल स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाएगी।

शोभित विवि के एमबीए के विद्यार्थियों का दौराला शुगर वर्क्स में औद्योगिक भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। नाइस स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज , शोभित विश्व. विद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों के लिए दौराला स्थित दौराला शुगर वर्क्स का ज्ञानवर्धक औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया।एमबीए (एग्री. बिजनेस) सहित प्रबंधन के अन्य विद्यार्थियों के लिए दौराला शुगर वर्क्स का एक सफल एवं अत्यंत ज्ञानवर्धक औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया।

यह भ्रमण विशेष रूप से एमबीए (एग्रीबिजनेस) के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि उन्हें कृषि आधारित उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर मिला। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक औद्योगिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने गन्ने की खरीद से लेकर चीनी के अंतिम उत्पादन, प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग तक की संपूर्ण प्रक्रिया को निकट से समझा। विद्यार्थियों को क्रशिंग (गन्ना पेराई), जूस एक्सट्रैक्शन (रस निष्कर्षण), क्लैरिफिकेशन (शोधन), एवापा. रेशन (वाष्पीकरण), क्रिस्टलाइजेशन (स्फटीकरण) तथा रिफाइनिंग (शुद्धिकरण) जैसी प्रमुख उत्पादन प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ। दौराला शुगर वर्क्स के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उत्पादन प्रबंधन की दक्षता, गुणवत्ता नियंत्रण, सतत (सस्टेनेबल) प्रक्रियाओं तथा चीनी उद्योग के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर अपने ज्ञान को और अधिक सुदृढ़ किया। इस औद्योगिक भ्रमण का सफल आयोजन डॉ सलभ मेहरोत्रा, डॉ नेहा त्यागी एवं डॉ. गार्गी चौधरी द्वारा किया गया।

मेरठ में कांग्रेसियों ने फूंका असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा का पुतला

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की थी हेमंत बिस्वा ने विवादित टिप्पणी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे पर विवादित टिप्पणी करने के विरोध में शुक्रवार को दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेरठ कमिश्नरी चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेसियों की पुलिस से तीखी नोक-झोंक और धक्का-मुक्की भी हुई लेकिन आखिरकार कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला फूंक दिया। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन करते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा ने कहा कि खड़गे पागल की तरह बोल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि खड़गे उम्रदराज हो चुके हैं और उनके बयान समझ से परे हैं। यह बयान उस समय आया जब खड़गे और कांग्रेस नेताओं ने सरमा और उनके परिवार से जुड़े कुछ आरोपों पर सवाल उठाए थे। इसके जवाब में सरमा ने खड़गे की आलोचना करते हुए कहा कि वे बिना तथ्यों के बातें कर रहे हैं और पागल की तरह बोल रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार कांग्रेस नेताओं पर विवादित बयान और टिप्पणियां करते रहते हैं जबकि ऐसे बयान और टिप्पणियां करके भाजपा नेता खुद ही अपने बयानों से बदल जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री के एक बयान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में तीखी नाराजगी देखने को मिल रही है। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को लेकर टिप्पणी की, जिसे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपमानजनक बताया। इस बयान के बाद कई जगहों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री का यह बयान राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है और इससे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ है।

वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री के बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है और विपक्ष राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस ने मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

मेरठ में 99 और 90 वर्ष के बुजुर्गों की रीढ़ सर्जरी, रचा नया कीर्तिमान

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उपलब्धि सामने आई है, जहां 99 और 90 वर्ष की आयु के दो बुजुर्ग मरीजों की रीढ़ की हड्डी का सफल ऑपरेशन कर नया इतिहास रचा गया। यह जटिल सर्जरी वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रोहित कम्बोज और उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

दोनों मरीज लंबे समय से गंभीर दर्द और चलने-फिरने में असमर्थता जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। अधिक आयु के कारण सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन आधुनिक तकनीक और सटीक योजना के चलते ऑपरेशन सफल रहा। ऑपरेशन के बाद दोनों मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उनमें लगातार सुधार हो रहा है।

डॉ. कम्बोज ने कहा कि उम्र केवल एक संख्या है, सही उपचार और इच्छाशक्ति से कठिन से कठिन सर्जरी भी संभव है। परिजनों ने भी डॉक्टरों का आभार जताते हुए इसे नई उम्मीद बताया। यह उपलब्धि मेरठ के चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनकर सामने आई है। इस दौरान डॉक्टर संदीप गर्ग भी उपस्थित है।

यूपी पुलिस बनी एनएसएम क्रिकेट टूर्नामेंट की चैंपियन

फाइनल में सुपर स्मैशर्स को 7 विकेट से हराया, साहिल हसन बने मैन ऑफ द मैच

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मेरठ में आयोजित प्रथम एनएसएम क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला यू पी पुलिस और सुपर स्मैशर्स, मेरठ के बीच खेला गया। जिसमें यू पी पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

टॉस जीतकर सुपर स्मैशर्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन पूरी टीम 19.2 ओवर में केवल 106 रनों पर सिमट गई। टीम की ओर से सोनू चौहान ने 33 रन तथा गौरव कुमार ने 16 रन बनाए। यू पी पुलिस की ओर से गेंदबाजी में साहिल हसन (3/18), विवेक कुमार (3/28) और मनजीत सिंह (2/21) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यू पी पुलिस ने 17.4 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 107 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यू पी पुलिस टीम की ओर से अनिल सरोज ने 28 रन, चैतन्य गहलोत ने नाबाद 24 रन, अतुल चौहान ने 21 रन तथा रोहित यादव ने नाबाद 16 रन बनाए।

सुपर स्मैशर्स की ओर से हरीश नेगी ने लिए 2 विकेट

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार यू पी पुलिस के गेंदबाज साहिल हसन को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन (3/18) के लिए दिया गया। टूर्नामेंट में विवेक कुमार को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तथा अनुज कुमार को सर्वश्रेष्ठ फील्डर चुना गया। यूपी पुलिस टीम के कोच व पूर्व रणजी खिलाड़ी डीएसपी विश्व जीत सिंह के कुशल मार्ग निर्देशन में विजेता टीम यूपी पुलिस को आकर्षक विजेता ट्रॉफी के साथ 1,51,000 की नकद राशि प्रदान की गई तथा उप विजेता टीम को उप विज. ता ट्रॉफी के साथ 71000 की राशि प्रदान की गयी।

मंत्री चौ. यशवीर सिंह ने आगे बढ़ाया भाजपा का गांव-बस्ती चलो अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

सिवाल खास। भाजपा के दर्जा प्राप्त मंत्री चौधरी यशवीर सिंह शुक्रवार को 'गांव-बस्ती चलो अभियान' के अंतर्गत जनपद मेरठ की सिवालखास विधानसभा के ग्राम सिसौला खुर्द और सिसौला कला में क्षेत्र के सम्मानित निवासियों के साथ मौजूद रहे उन्होंने इसे ऊजावान कार्यकर्ताओं के बीच रहने का सौभाग्य बताया। इस प्रवास के दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से सीधा संवाद कर केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में पत्रक वितरित कर जनता को अवगत कराया। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को सुन कर उनके त्वरित निस्तारण हेतु अधिकारीयों को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ मंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी, मंडल महामंत्री मनोज सिसौला, वृथ अध्यक्ष आदेश कुमार, जाटव, अमन सिंह कश्यप आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

गन्ने में टॉप बोरर कीट को खत्म करने के लिए शुगर मिल ने बनाई योजना

अभियान चलाकर किसानों को करेंगे जागरुक, अप्रैल के महीने में विकसित होना शुरू होता है कीट

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। गन्ने की फसल चोटी बेधक (टॉप बोरर) कीट का प्रकोप शुरू हो गया है। यदि किसानों ने इसके लिए सही प्रबंधन नहीं किया तो इससे फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। इसके लिए मवाना शुगर मिल ने किसानों के बीच जागरुकता अभियान चलाकर कीट चक्र तोड़ने की दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया है।

मवाना चीनी मिल के वैज्ञानिक एवं उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर के भूतपूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डा मैनेजर सिंह व मिल के केन जीएम प्रमोद बालियान ने संयुक्त रूप से बताया कि गन्ने की फसल में इस समय चोटी बेधक कीट का प्रकोप दिखना शुरू हो गया है। कीट की प्रथम पीढ़ी की सुंडी पेड़ी फसल में प्रवेश कर चुकी है, जोकि गन्ने की पत्ती मध्य शिरा पर लाल/सफेद धारी के मध्यम से साफ दिखाई दे रही है। यह कीट वर्ष में पांच पीढ़ियों में विकसित होता है। प्रथम पीढ़ी मार्च-अप्रैल में सक्रिय होती है, जो पौधों की शुरूआती वृद्धि को

प्रभावित करती है। दूसरी व तीसरी पीढ़ी मई से जुलाई के बीच गोफ में सुरंग बनाकर पौधों को नुकसान पहुंचाती है। चौथी व पांचवी पीढ़ी अगस्त से अक्टूबर तक फसल की गुणवत्ता व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

कैसे रोकें इस घातक कीट को

डा. सिंह ने बताया कि यांत्रिक नियंत्रण को इस कीट के प्रभावी प्रबंधन का सबसे सरल व कारगर उपाय बताया और कहा कि समय पर प्रभावित भागों की कटाई से कीट के प्रसार को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस कीट के कारण गन्ने की पैदावार में निरंतर कमी देखी जा रही है। केन जीएम प्रमोद बालियान व उप प्रबंधक हरिओम शर्मा ने बताया कि मिल द्वारा फील्ड स्टॉफ के माध्यम से मोटिवेटर लगाकर प्रभावित कल्लों की कटाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और खुरपी, हंसिया या ट्रैश मल्चर जैसे उपकरणों से प्रभावित पौधों की जमीन की सतह से कटाई करें। इस प्रक्रिया से दोहरे लाभ प्राप्त होंगे। एक ओर कीट की आगामी पीढ़ियों का प्रभावी नियंत्रण होगा और दूसरी ओर कटाई के कारण बयांत में वृद्धि होगी। जिससे फसल की उत्पादकता में सुधार होगा। मवाना चीनी मिल के यूनिट हैड संजय चौधरी ने सभी किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें और समय पर आवश्यक नियंत्रण उपाय अपनाएं।

भारत में पेट केयर पर होने वाले खर्च और पेट केयर अर्थव्यवस्था में हो रही वृद्धि

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पेट्स के साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं। भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आई.बी.ई. एफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहाँ पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हो रही है। ग्राहकों द्वारा फ्लिपकार्ट पर कुत्ते और बिल्लियों से लेकर मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों तक कई दैनिक उपयोगिता की वस्तुओं और विशेष प्रीमियम प्रोडक्ट्स की खरीदारी की जा रही है। पेट केयर में अब न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वैलनेस और एनरिचमेंट आदि जैसी कई श्रेणियों की शॉपिंग शामिल हो गई है।क्लीन-लेबल, ब्रीड-स्पेसिफिक और फोर्टिफाईड पेट फूड की मांग में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज हुई है।

एसवीएस मवाना में फिएस्टा पार्टी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। हस्तिनापुर रोड स्थित एसवीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में शुक्रवार को अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के विदाई व नव प्रवेशित के लिए फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. सौरभ कंवर, कॉलेज सचिव विक्रांत देशवाल, डायरेक्टर मोहित त्यागी, प्रधानाचार्य सोनू कुमार, रजिस्ट्रार विरेंद्र कुमार, प्रधानाचार्या डीफार्मा कु. प्रियंका त्यागी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। डायरेक्टर मोहित त्यागी ने अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की व नव प्रवेशित को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसवीएस इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य विकास जयरथ मनोज चौधरी, अतुल वशिष्ठ, उदयवीर सिंह, रोबिन कुमार, प्रवीण तोमर, मनीष चौधरी, नमन जैन, विरेंद्र नागर, गौरव शर्मा, गौरव धामा, साजिद अली, टीनू कुमार, सुर्यांश डंडा, शुगन शर्मा, आमरीन सैफी, चंचल सैनी सहित समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 11 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

यह कैसा युद्धविराम

पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच यह पहला मौका था, जब ईरान और इस्राईल-अमेरिका के बीच 14 दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। मगर इस्राईल ने बुधवार को ही जिस तरह लेबनान पर हमला किया, उससे साफ है कि युद्धविराम में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है कि लेबनान पर इजराइली हमले में दो सौ से ज्यादा आम लोग मारे गए। विचित्र है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इस्राईल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इस्राईल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इस्राईल के हमले के बाद अब ईरान ने फिर से होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है। निश्चित रूप से ईरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ का नतीजा क्या निकल रहा है। इस्राईल और अमेरिका ने जिस दिन ईरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद ईरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहां पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब होर्मुज जलमार्ग के खुलने से जहाजों की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी, मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इस्राईली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। इस्राईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इस्राईल फिर से ईरान के खिलाफ लड़ाई शुरू करेगा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस भड़काऊ लहजे में बात कर रहे हैं, उसे कैसे देखा जाएगा। हैरानी की बात है कि ट्रंप युद्धविराम और उसकी शर्तों पर सहमति जताने के बाद लेबनान पर हमले के मसले को समझौते से अलग बताते हैं। दूसरी ओर, ईरान ने कहा कि युद्धविराम और इस्राईल के जरिए जंग, दोनों साथ नहीं चल सकते। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश उठा रहे हैं।

उप्र अब देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन

उप्र अब देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है, करीब 9 वर्ष पहले तक यूपी को बीमारू राज्य माना जाता था, लेकिन आज प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, आधुनिक दिनचर्या ने बीमारियों को बढ़ावा दिया है, हमारे सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं-एक बचाव और दूसरी उपचार, बीमारियों के तेजी से बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जागरूकता और समय पर इलाज बेहद जरूरी है, पिछले एक दशक में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है, पहले जहां मात्र 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, वहीं अब केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, इसके अलावा दो एम्स भी प्रदेश में कार्यरत हैं, हर जिले में आईसीयू की सुविधा विकसित की गई है और कई अस्पतालों को कैथलैब से लैस किया गया है। **-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र**

रूढ़ियों के विरुद्ध प्रकाश, समता का सूर्य, विचारों के कृषक फुले का दर्शन

श्वेता गोयल

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास अनेक विभूतियों की गाथाओं से सुसज्जित है किंतु समय के अनंत प्रवाह में कुछ ऐसे व्यक्तित्व उभरते हैं, जो केवल कालखंड विशेष की उपज नहीं होते बल्कि युगों-युगों तक मानवता का मार्ग प्रशस्त करने वाले ध्रुवतारे बन जाते हैं। 19वीं सदी के भारत में जब रूढ़िवादिता, जड़ता और अमानवीय भेदभाव का अंधकार अपने चरम पर था, तब महाराष्ट्र की पावन धरा पर महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले के रूप में एक ऐसी प्रखर रश्मि का प्रादुर्भाव हुआ, जिसने सदियों से सोई हुई दलित चेतना को न केवल झकझोरा बल्कि उसे आत्मसम्मान और ज्ञान के आलोक से मंडित कर दिया। ज्योतिबा फुले मात्र एक समाज सुधारक नहीं थे, वे उस वैचारिक क्रांति के शिल्पी थे, जिन्होंने भारतीय समाज की ऊसर और पथरीली भूमि को अपने पसीने और संकल्प से सींचकर उसमें समता, बंधुत्व और न्याय के बीज बोए। आज हम जिस आधुनिक भारत के संवैधानिक मूल्यों, स्त्री-शिक्षा और मानवाधिकारों पर गर्व करते हैं, उस विराट वटवृक्ष की जड़ें वास्तव में फुले के उन साहसिक संघर्षों में निहित हैं, जो उन्होंने उस दौर में किए थे, जब शिक्षा प्राप्त करना एक वर्ग विशेष का एकाधिकार और स्त्रियों का शिक्षित होना महापाप माना जाता था। 11 अप्रैल 1827 को पुणे में एक साधारण परिवार में जन्मे ज्योतिबा का जीवन संघर्ष की वह महागाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि मनुष्य की महानता उसके कुल या जाति में नहीं बल्कि उसके उन उदात्त कार्यों में छिपी है, जो वह समूची मानवता के कल्याण हेतु समर्पित करता है।

ज्योतिबाफुले के व्यक्तित्व का निर्माण उन विसंगतियों के बीच हुआ, जहां पग-पग पर उन्हें जातिगत ऊंच-नीच और अपमान का दंश झेलना पड़ा। एक प्रसंग उनके जीवन की दिशा बदलने वाला सिद्ध हुआ, जब उन्हें एक उच्चवर्णीय मित्र के विवाह समारोह में केवल इसलिए अपमानित होकर निकलना पड़ा क्योंकि वे 'निम्न' समझी जाने वाली जाति से थे। वह अपमान ज्योतिबा के लिए केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं थी बल्कि उन्होंने उसे समाज की उस सड़ी-गली व्यवस्था के विरुद्ध एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया, जो मनुष्य को मनुष्य समझने से इनकार करती थी। उस क्षण उनके भीतर जो विद्रोह उपजा, वह घृणा में नहीं बल्कि सृजन में परिवर्तित हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि समाज की इस दासता की बेड़ियों को काटने का एकमात्र शस्त्र 'शिक्षा' है। फुले का दर्शन अत्यंत स्पष्ट था कि अज्ञान ही समस्त दुखों की जड़ है। उनकी प्रसिद्ध काव्य पंक्तियां 'विद्या बिना मति गई, मति बिना नीति गई, नीति बिना गति गई, गति बिना वित्त गया, वित्त बिना शूद्र टूटे, इतने अनर्थ एक अविद्या ने किए', आज भी सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा मूलमंत्र मानी जाती हैं। उन्होंने यह भली-भांति समझ लिया था कि जब तक समाज का वंचित वर्ग और आधी आबादी यानी स्त्रियां शिक्षित नहीं होंगी, तब तक राष्ट्र की प्रगति का स्वप्न एक मृगतृष्णा मात्र बना रहेगा। इसी बोध के साथ उन्होंने 1848 में पुणे के भिडेवाड़ा में देश का पहला बालिका विद्यालय स्थापित कर एक ऐसे शैक्षिक आंदोलन की नींव रखी, जिसने भारतीय इतिहास की धारा को सदैव के लिए बदल दिया।

महात्मा फुले की महानता इस तथ्य में निहित है कि उन्होंने जो उपदेश दिए, उन्हें पहले अपने आचरण में उतारा। जब उन्होंने बालिकाओं को पढ़ाने का निश्चय किया तो समाज के कट्टरपंथियों ने भारी विरोध किया। किसी भी शिक्षिका का मिलना असंभव था, तब ज्योतिबा ने अपनी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले को स्वयं शिक्षित किया और उन्हें शिक्षिका के रूप में तैयार किया। यह भारतीय इतिहास का सबसे क्रांतिकारी युगल था, जिसने समाज के पत्थरों और कीचड़ की बौछार को सहते हुए भी ज्ञान की लौ को बुझने नहीं दिया। सावित्रीबाई जब स्कूल जाती तो रूढ़िवादी लोग उन पर गंदगी फेंकते किंतु ज्योति. बा के अटूट समर्थन और प्रेरणा ने उन्हें कभी डिगने नहीं दिया। इन दोनों महामानवों ने मिलकर केवल स्कूल नहीं खोले बल्कि स्त्री-शक्ति को उसकी अस्मिता और अधिकारों से परिचित कराया। फुले दंपति का मानना था कि एक पुरुष की शिक्षा केवल एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाती है किंतु एक स्त्री की शिक्षा पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को आलोकित करती है। उनके प्रयास केवल शिक्षा तक सीमित नहीं थे बल्कि उन्होंने विधवाओं के मुंडन की कुप्रथा के विरुद्ध नाइयों को संगठित किया, बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन कर समाज की जड़ चेतना पर सीधा प्रहार किया।

ज्योतिबा फुले का सामाजिक दर्शन केवल सहानुभूति पर आधारित नहीं था, वह तार्किक और बौद्धिक विद्रोह था। उनकी कालजई कृति 'गुलाम. गिरी' इस दृष्टि से एक क्रांतिकारी घोषणापत्र है। इस पुस्तक में उन्होंने पौराणिक आख्यानों की तर्कसंगत व्याख्या करते हुए उजागर किया कि किस प्रकार कुछ विशिष्ट वर्गों ने धर्म और शास्त्रों की आड़ लेकर बहुजन समाज को मानसिक और शारीरिक रूप से दास बनाए रखा। उन्होंने 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना 1873 में इसी उद्देश्य से की थी कि लोग पुरोहितों और बिचौलियों के चंगुल से मुक्त होकर ईश्वर की प्रत्यक्ष आराधना कर सकें और अपने मानवीय अधिकारों के प्रति सचेत हों। सत्यशोधक समाज ने विवाहों में पुरोहितों की अनिवार्यता को समाप्त कर सादगीपूर्ण और समतावादी संस्कारों को बढ़ावा दिया। फुले का यह आंदोलन केवल धार्मिक सुधार नहीं था बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्निर्माण था, जिसने शूद्रों और अति-शूद्रों के भीतर यह आत्मविश्वास भरा कि वे भी इस धरती के समान उत्तराधिकारी हैं। वे वर्ण व्यवस्था के उस ढांचे को ध्वस्त करना चाहते थे जो जन्म के आधार पर श्रेष्ठता का दंभ भरता था। उनके विचारों ने ही आगे चलकर डॉ. अंबेडकर जैसे महापुरुषों को प्रेरणा दी, जिन्होंने महात्मा फुले को अपना वैचारिक गुरु माना और उनके अधूरे कार्यों को संवैधानिक परिणति तक पहुंचाया। समाज सुधारक होने के साथ-साथ ज्योतिबा फुले एक अत्यंत सूक्ष्म दृष्टि वाले अर्थशास्त्री और किसानों के मसीहा भी थे। उन्होंने ग्रामीण भारत की जर्जर स्थिति को बहुत करीब से देखा था। उनकी पुस्तक 'किसान का कोड़ा' भारतीय कृषि व्यवस्था पर किया गया एक मार्मिक और तथ्यात्मक प्रहार है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अनपढ़ किसान साहूकारों के कर्ज, सरकार के भारी करों और धार्मिक कर्मकांडों के बोझ तले दबा हुआ है। फुले ने किसानों को आधुनिक खेती, सिंचाई के साधनों और पशुपालन के वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने अकाल के समय पशुओं के चारे और किसानों के अनाज के लिए जो लड़ाई लड़ी, वह आज के समय में भी नीति-निर्धारकों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी संवेदना का विस्तार इतना व्यापक था कि उन्होंने अपने घर का पानी का हौज अछूत समझे जाने वाले लोगों के लिए खोल दिया, जो उस समय के समाज में एक अकल्पनीय और अत्यंत साहसी कदम था। वे केवल अस्पृश्यता के उन्मूलन की बात नहीं कर रहे थे, वे मनुष्य की गरिमा को पुन:स्थापित कर रहे थे। उन्होंने 'दलित' शब्द को संघर्ष की पहचान दी और उसे मुख्यधारा में लाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। महात्मा फुले की दृष्टि वैश्विक थी, उन्होंने 'गुलामगिरी' को अमेरिका के उन अश्वेत लोगों को समर्पित किया, जो दासता के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे। यह उनकी इस सोच को दर्शाता है कि विश्व में कहीं भी होने वाला अन्याय समस्त मानवता के लिए खतरा है। 11 मई 1888 को मुंबई की एक विशाल जनसभा में जनता ने उन्हें 'महात्मा' की उपाधि से विभूषित किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इस बार की गर्मियों में यहां घूमने का बनाएं प्लान

हिमाचल प्रदेश में स्पीति वैली एक खूबसूरत जगह है। इस समय यहां की सड़के , घटिया, ठंडे रेगिस्तान और बर्फ से ढंके पहाड़ आपका मन को खुश कर देगी। यहां चारों तरफ हिमालय से घिरी स्पीति घाटी, 12,500 फीट की ऊंचाई पर है। इस समय स्पीति में न्यूनतम तापमान माइनस 7 डिग्री है और अधिकतम तापमान 6 डिग्री बना रहता है।

इस समय देश में भीषण गर्मी पड़ रही है, लेकिन इस बार हालात और भी बदतर हैं। भारत के कई राज्यों में तापमान 52 डिग्री पार हो चुका है। ऐसे में गर्मी से लोगो का बुरा हाल हो चुका है। गर्मी के कहर से बचने के लिए लोग घर के अंदर रहना ही पंसद कर रहे हैं। अगर आप गर्मियों की छुट्टियो में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो भारत में ऐसी कई जगह हैं, जहां इस समय बर्फ जमी होती है और तापमान जोरी डिग्री से नीचे रहता है। जानिए भारत से ठंडी जगहों के बारे में।

सेला पास

जून-जुलाई में घूमने के लिए अरुणाचल प्रदेश में स्थित सबसे ठंडी जगह है। यह 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां हमेशा चारों तरफ से बर्फ से ढकी रहती वर्तमान में यहां का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस है। यह हिल स्टेशन बहुत ही सुंदर है और यहां फोटोग्राफी के लिए सबसे बढ़िया जगह है।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश में स्पीति वैली एक खूबसूरत जगह है। इस समय यहां की सड़के , घटिया, ठंडे रेगिस्तान और बर्फ से ढंके पहाड़ आपका मन को खुश कर देगी। यहां चारों तरफ हिमालय से घिरी स्पीति घाटी, 12,500 फीट की ऊंचाई पर है। इस समय स्पीति में न्यूनतम तापमान माइनस 7 डिग्री है और अधिकतम तापमान 6 डिग्री बना रहता है।

द्रास

गर्मी के कहर से बचने के लिए आप द्रास घूमने जा सकते हैं। यह जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में लद्दाख का प्रवेश द्वार है। यह हिल स्टेशन सबसे ठंडा है। बता दें कि कारगिल अपनी

खूबसूरती और युद्ध के लिए जाना जाता है। यहां इस समय तापमान 11 डिग्री सेल्सियस है।

सोनमर्ग

गर्मी से बचने के लिए आप सोनमर्ग जा सकते हैं। इन दिनों यहां का तापमाम 15 डिग्री सेल्सियस रहता है। खूबसूरत नजारों और सुंदर घाटी के लिए यह जाना जाता है। सोनमर्ग में अल्पाइन घास के मैदानों, ग्लेशियर, झीलों और ट्रेकिंग के लिए बहुत फेमस है। प्रकृति प्रेमी के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

वृद्धावस्था का एक रोग जो बना चुनौती

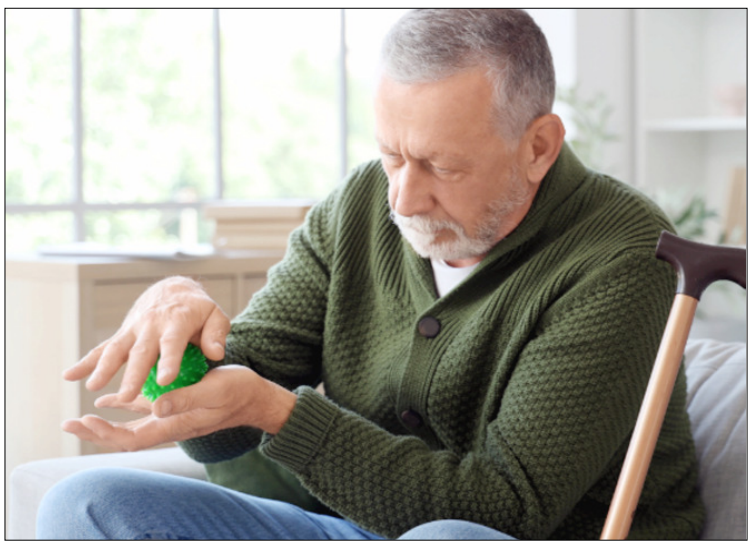

इमेजिंग टेस्ट सिर्फ पर्किंसन्स रोग की डायग्नोसिस में मददगार नहीं होती है। कई बार पर्किंसन रोग की पहचान करने में बहुत समय लग जाता है। डॉक्टर आपकी स्थिति और समय के साथ आपके लक्षणों का मूल्यांकन करने तथा पर्किंसन्स रोग की पहचान करने के लिए मूवमेंट डिसऑर्डर में प्रशिक्षित न्यूरोलॉजिस्टों से नियमित रूप से परामर्श लेते रहने की सलाह दे सकते हैं। डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) में सर्जन आपके मस्तिष्क के एक खास हिस्से में इलेक्ट्रोड का प्रत्यारोपण करते हैं। ये इलेक्ट्रोड्स आपके कॉलरबोन के पास आपके सीने में इंप्लांट किए गए जनरेटर से जुड़े होते हैं, जिससे आपके मस्तिष्क तक इलेक्ट्रिकल पल्स भेजे जाते हैं और आपके पर्किंसन रोग के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

पर्किंसन रोग नर्वस सिस्टम में धीरे-धीरे बढ़ता एक डिसऑर्डर है जिससे पूरे शरीर की गतिविधि प्रभावित होती है। शुरू में धीरे-धीरे इसके बढ़ते रहने के कारण आमतौर पर इसके कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं या बमुश्किल किसी हाथ में कंपकंपी महसूस होती है। आम तौर पर हाथों में कंपकंपी से ही पर्किंसन की मौजूदगी की पुष्टि हो जाती है, लेकिन इसके साथ ही जकडन या शारीरिक गतिविधियों में धीमापन या अति संवेदनशीलता जैसे लक्षण भी प्रकट हो सकते हैं। शुरुआती चरणों में चेहरे पर शायद कोई लक्षण न दिखे या टहलते समय बाजुओं में कोई झटका महसूस न हो सके, लेकिन जुबान धीमी या अस्पष्ट हो सकती है और रोग बढने के साथ ही ये लक्षण बदतर होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में किसी अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट से तत्काल संपर्क करना जरूरी है।

पर्किंसन रोग में मस्तिष्क के कुछ स्नायु तंत्र (न्यूरॉन) धीरे-धीरे कमजोर या मृतप्राय होने लगते हैं। कई लक्षण उन न्यूरॉन की क्षति के कारण बढ़ जाते हैं जो आपके मस्तिष्क तक रासायनिक संदेशवाहक यानि डोपेमाइन बनाते हैं। डोपेमाइन का स्तर जब कम हो जाता है तो इससे मस्तिष्क की गतिविधि असामान्य होने लगती है, जिससे पर्किंसन के लक्षण सामने आने लगते हैं। पर्किंसन रोग की वजह अभी तक अज्ञात है, लेकिन इसके पनपने में कई कारक जिम्मेदार माने जाते हैं, जिनमें शामिल हैं- आनुवांशिक, पर्यावरण प्रभाव, लेवी बॉडीज की मौजूदगी। इसके रिस्क फैक्टर्स है:-उम्र, वंशानुगत, लिंग, टॉक्सिन की चपेट में आना: इसके लक्षण और संकेत अलग-अलग तरह के लोगों पर अलग-अलग तरह के हो सकते हैं। शुरुआती लक्षण बहुत मामूली और न पहचाने जाने लायक हो सकते हैं। अक्सर ये लक्षण शरीर के एक हिस्से से शुरू होते हैं और जब तक शरीर के दोनों तरफ लक्षणों का असर होता है, तब तक अमूमन वह हिस्सा बहुत बिगड़ चुका होता है। कंपकंपी, धीमी गतिविधि, सख्त मांसपेशियां, शरीर की असाधारण मुद्रा और संतुलन, स्वाभाविक गतिविधियों पर विराम, बोली में बदलाव, लिखावट में बदलाव। सबसे अच्छा होगा कि मेडिकल स्थिति के आधार पर किसी अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट से जांच करवाएं, शारीरिक जांच कराएं और इसके लक्षणों और संकेतों का मूल्यांकन करें। एमआरआई, मस्तिष्क की अल्ट्रासाउंड, एसपीईसीटी और पीईटी स्कैन जैसी इमेजिंग जांच भी दूसरे तरह के डिसऑर्डर का पता लगाने में मददगार साबित हो सकती है।

इमेजिंग टेस्ट सिर्फ पर्किंसन्स रोग की डायग्नोसिस में मददगार नहीं होती है। कई बार पर्किंसन रोग की पहचान करने में बहुत समय लग जाता है। डॉक्टर आपकी स्थिति और समय के साथ आपके लक्षणों का मूल्यांकन करने तथा पर्किंसन्स रोग की पहचान करने के लिए मूवमेंट डिसऑर्डर में प्रशिक्षित न्यूरोलॉजिस्टों से नियमित रूप से परामर्श लेते रहने की सलाह दे सकते हैं। डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) में सर्जन आपके मस्तिष्क के एक खास हिस्से में इलेक्ट्रोड का प्रत्यारोपण करते हैं। ये इलेक्ट्रोड्स आपके कॉलरबोन के पास आपके सीने में इंप्लांट किए गए जनरेटर से जुड़े होते हैं, जिससे आपके मस्तिष्क तक इलेक्ट्रिकल पल्स भेजे जाते हैं और आपके पर्किंसन रोग के लक्षणों को कम किया जा सकता है। डीप ब्रेन स्टिमुलेशन अक्सर एडवांस स्टेज में पहुंच चुके पर्किंसन पीड़ितों को दिया जाता है, जिन पर दवाइयों का असर खत्म हो जाता है। डीबीएस चिकित्सा स्थिति के उतार-चढ़ाव को स्थिर कर सकता है, अस्वाभाविक गतिविधियों (डिसकिनेसियास) को कम या रोक सकता है, कंपकंपी, अकड़न को कम कर सकता है और सामान्य गतिवधियों में आई कमी को सुधार सकता है। डिसकिनेसियास पर नियंत्रण पाने के लिए ली जा रही दवाइयों का असर प्रभावी बनाने के लिए डीबीएस कारगर होता है। हालांकि डीबीएस उन समस्याओं में मददगार नहीं होता, जिनमें कंपकंपी के अलावा चिकित्सा पद्धति का कोई असर नहीं होता। कंपकंपी यदि दवाइयों से बहुत ज्यादा नियंत्रित नहीं हो पाती है, तो इसे डीबीएस से नियंत्रित किया जा सकता है। पीडी के लक्षणों को कम करने के लिए दवाइयों का तात्कालिक प्रभाव ही होता है। जब किसी व्यक्ति पर दवाइयों का प्रभावी असर रहता है तो उसे ऑन-फेज कहा जाता है और जब दवाइयां उस पर बेअसर हो जाती है तो उसे ऑफ फेज कहा जाता है। एक समय बाद शरीर पर दवाइयों का प्रभाव खत्म हो जाता है और दवाइयां लेने की दर बढ़ जाती है। मरीज को यदि दिन में तीन बार दवाइयां लेने की सलाह दी जाती है तो प्रभाव कम होते रहने के कारण उस पर दिन में आठ से ज्यादा बार भी दवाइयां लेनी पड़ सकती है। इससे उसके जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है, क्योंकि उसमें कई बार ऑन और ऑफ प्रभाव की स्थिति में जीना पड़ जाता है। डीबीएस मरीज पर लगातार 24 घंटे तक प्रभावी रहता है। इससे डिसकिनेसियास की स्थिति से भी निपटा जा सकता है जिस कारण अस्वाभाविक गति. विधियां रुक जाती हैं। इसके अलावा डीबीएस कंपकंपी में उतार-चढ़ाव नहीं आने देता है, जैसाकि दवाइयां लेने से होता है। दवाइयां अनिश्चित लक्षणों के प्रभाव को कम कर सकती हैं और काम पर जाने या खरीदारी करने की योजना बनाने वाले मरीजों में अटैक का खतरा बना रह सकता है क्योंकि दवाइयों का असर किसी भी वक्त कम हो सकता है जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

(साभार प्र.सा.)

EDUCATIONAL INSTITUTIONS CONTINUE NAINITAL's LEGACY AS EDUCATION HUB

ALL SAINTS' COLLEGE NAINITAL

FOUNDED IN 1869

DIOCESE OF AGRA CHURCH OF NORTH INDIA
From Class Nursery to XII (ICSE Board)
A DAY BOARDING SCHOOL
BEST SCHOOL OF SPORTS
Admission Open for Classes 1 to 9 - 2026 Session (GIRLS ONLY)
Admission open for Nursery, L.K.G. and U.K.G. - 2026 Session (Boys and Girls)

Anjina Richards (Principal)
Ph.: 05942-235121
E-mail: principal@allsaintscollege.org
Website: www.allsaintscollege.org

Rakhi Sah

Vrindavan Public School-Vrindavan Public School was established in 2009 under the C.L. Sah Memorial Education Society with the aim offostering the holistic development of young learners. The school is recognised by the Government of Uttarakhand and, as a Playway and Preparatory School, has successfully nurtured students in both academics and extracurricular activities. The school's clean, green, sunny, and spacious environment provides excellent facilities for the physical and mental growth of children, helping them become bright and confident individuals. This English-medium school is efficiently managed by a dedicated team under the guidance of the Principal, Mrs. Rakhee Sah, who emphasizes a nurturing atmosphere for all-round development. The school has introduced smart classes and projectors to make learning more interactive and engaging. It also promotes activities that develop gross motor skills, such as Origami, Dance, Taekwondo, and games, forming an essential part of its physical education program. Additionally, the school offers a centralized heating and cooling system for the comfort of students.

VRINDAVAN PUBLIC SCHOOL

(Playway to Class 2)
Recognised By Govt. of Uttarakhand
A Unit Of
C.L. SAH Memorial Education Society
Regd. 88/2009

Contact - 05942-237038 E-mail - vrindavanschool09@gmail.com

छात्राओं की विशेष पहचान बनाने में इतिहास रचा है ऑलसेंट्स कालेज ने

अंजिना रिचर्डस

ऑलसेंट्स कालेज का गौरवमय इतिहास ब्रिटिश काल से रहा है। इस विद्यालय से हजारों बच्चे शिक्षा प्राप्त कर देश-विदेश में अपना भविष्य सव चुके हैं। इस विद्यालय में वैश्विक स्तर पर शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तम प्रधानाचार्य अंजिना रिचर्डस कुशलतापूर्वक विद्यालय का संचालन कर रही अंग्रेजी माध्यम से संचालित इस विद्यालय की स्थापना 1869 में हुई थी तब लेकर आज तक यह विद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। देश विदे के बच्चे इस इस विद्यालय में अध्ययन करने आते है। इस विद्यालय से शि हुई हैं। प्रधानाचार्य अंजिना रिचर्डस कहती है कि शिक्षा के मापदंड ध्यान में रखकर गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने का प्रयास है जिसे भविष्य में भी जारी रखेंगी।

The Pine Crest Elementary School

Near Sherwood College, Ayarpatta Hills
Tallital Nalnital

05942-232245
Cont. No.: 7579435277
9837052521

www.pinecrestschoolnainital.com
schoolpinecrestnainital@gmailicom

आवासीय विद्यालयों में उत्कृष्ट भूमिका निभा रहा पाइन क्रस्ट स्कूल

आयारपाटा की सुंदर वादियों में पाईन क्रस्ट बोर्डिंग स्कूल देश के विभिन्न प्रांतों के बच्चों का भविष्य संवारने में जुटा हुआ है। विद्यालय में समस्त सुविधायें उपलब्ध हैं। बच्चों के बेहतर भविष्य बनाने के लिये वह जरूरत के मुताबिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती विद्यालय अंग्रेजी माध्यम से संचालित किया जाता है। प्रबन्धक संतोष कुमार कहते हैं कि जिम्मेदारी के साथ अपना दायित्व निभा रहे हैं। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास उनका लक्ष्य है।

प्रतिभाओं को उभारने के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर मदर हार्ट स्कूल

नगर के प्रमुख पब्लिक स्कूलों में सुमार मदर हार्ट पब्लिक स्कूल निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित यह विद्यालय पूर्णरूप से शिक्षा के मापदंडों के साथ बच्चों के चहुमुखी विकास करते आ रहा है। अनुभवी शिक्षकों द्वारा पठन पाठन कार्य संचालित किया जाता है। साथ ही बच्चों की प्रतिभाओं को उभारने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसके चलते यह विद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रधानाचार्य नगमा परवेज कहती हैं कि उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित है। जिसे भविष्य में भी जारी रखेंगी।

THE MOTHSER'S HEART SCHOOL

NAINITAL
GOVERNMENT RECOGNISED
A Co-ed English Medium Day/ Residential School

- A reputed school from nursary to V
- Teaching with audio visul play way method
- Preparing children for prestigious Schools in Nainital
- Excellent result since 1999.

Provides day boarding facility also

Shanti Niketan, Near Rikshaw Stand, Mallital, Nainital
Ph.: 9837347989, E-mail: themothersheart123@gamil.com

LONGVIEW PUBLIC SCHOOL

WE ARE NOW CO-ED AND SENIOR SECONDARY

Nursery to Class 12th!
Join our legacy of excellence and holistic development.

Award-Winning Best CBSE School in Nainital
Experiential learning
Excellent Teacher-Student ratio

Call Us
6397909778 / 9411110395

For more details, visit
www.lpsnainital.edu.in

RAJBHAWAN ROAD TALLITAL NAINITAL
UTTARAKHAND - 263002

छात्राओं के लिये खोले लौंगव्यू पब्लिक स्कूल ने द्वार

लौंगव्यू पब्लिक स्कूल वर्तमान में छात्रों के साथ छात्राओं को भी उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहा है। नि:संदेह इस स्कूल ने अल्प समय में सफलता की सीढ़ियां तय कर शिक्षा की दिशा में नवीन आयाम स्थापित करने का सफल प्रयास किया है। जिसका प्रतिफल है कि विद्यालय में दी जा रही उत्कृष्ट शिक्षा व कुशल संचालन को लेकर देश की कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। जिसके परिणामस्वरूप यह विद्यालय नगर व राज्य में अपना प्रमुख स्थान हासिल करने में कामयाब हुआ है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित लौंगव्यू पब्लिक स्कूल बारहवीं कक्षा तक विद्यालय का संचालन कर रहा है। विद्यालय में आधुनिक शिक्षा के साथ भावी शिक्षा को ध्यान में रखते हुए पठन पठन कार्य किया जाता है। प्रधानाचार्य बीसी त्रिपाठी कहते हैं कि वैश्विक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय का संचालन कर रहे हैं। जिसका लाभविद्यार्थियों को मिलता है। जिसके बल पर विद्यालय प्रगति की ओर निरन्तर अग्रसर है।

नैनीताल का गौरव है शेरवुड कालेज

फर्स्ट एयर मार्शल मानेक शाह और मिलेनियम स्टार अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज पुरुषों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में हजारों नामी गिरामी हस्तियों का भविष्य संवारने वाले शेरवुड कालेज को नैनीताल का गौरव कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी और वर्तमान में भी विद्यालय देश के उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने वाले नामचीन स्कूलों में सुमार है। शेरवुड कॉलेज सह शिक्षा (को-एड.) पूर्ण रूप से आवासीय है। जिसमें विद्यार्थियों के भोजन, आवास तथा अन्य समस्त उत्तम सुविधायें विद्यालय प्रदान करता है। वैश्विक शिक्षा क मद्देनजर पठन-पाठन कार्य अनुभवी शिक्षकों द्वारा किया जाता है। बच्चों के बेहतर भविष्य बनाने के लिये वह सभी सुविधायें विद्यालय में मौजूद है, जो वर्तमान में जरूरत के हिसाब से आवश्यक होती है। अंग्रेजी माध्यम से यह विद्यालय कक्षा 3 से लेकर कक्षा 12वीं तक संचालित किया जाता है। वर्तमान में प्रधनाचार्य अमनदीप संधू विद्यालय का संचालन कर रहे है। वह कहते हैं कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं और विद्यालय का गौरव बनाये रखने का प्रयास सर्वोपरि रहता है। वर्तमान में देश के तमाम प्रांतों के बच्चे विद्यालय में अध्ययनरत हैं।

BIRLA VIDYA MANDIR, NAINITAL

(Sarala Birla Group of Schools) (Estd. 1947)
A Fully Residential English Medium Public School for Boys
Ranked amongst Top - 10 Boys Boarding Schools in India, as per Education World 2024 ranking

Website: birlavidvamandir.com
Phone: 05942 - 238993, 238729, +91 9410338207

Key Features:

- A legacy boarding school campus, founded in 1870.
- 70-acre campus with the greenest environs amongst Indian boarding schools.
- The only school in Nainital with a central heating facility.
- Distinguished old boys include Jim Corbett (Oak Openings High School), Anil Sadgopal (Jamnalal Bajaj awardee), Lt. General J. S. Ahluwalia (PVSM), Dr. Anand Mishra (Professor & Head, Endocrine Surgery, KGMU, Lucknow) and Danny Denzongpa.
- Excellent Board results over the decades, backed by a learning environment which is augmented by an experienced faculty, modern teaching pedagogy, personalised care and well-equipped science, robotics and IT labs.
- A judicious mix of co-scholastic activities through a variety of clubs, societies and hobby centres. Hosts Annual National Inter-School Literary and Sports Conclave, with a wide participation of schools.

Distinguished Knowledge Affiliates

देश के अग्रणी स्कूलों में सुमार बिड़ला विद्या मंदिर

देश में बिड़ला विद्या मंदिर अग्रणी पब्लिक स्कूलों में अपना अलग नाम व मुकाम हासिल किया है। जिसके फलस्वरूप यह विद्यालय अपना एक अलग स्थान कायम किए हुए है। सीबीएसई से संबद्ध यह विद्यालय पूर्ण रूप से आवासीय है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित नगर के सर्वाधिक ऊंचाई वाले नैसर्गिक वातावरण में स्थित है। बिड़ला विद्या मंदिर देश के अग्रणी सीबीएसई बोर्ड विद्यालयों में शामिल है। यह विद्यालय प्रधानाचार्य अनिल शर्मा के कुशल नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। देश-विदेश के कई हिस्सों से सैकड़ों की संख्या में छात्र वर्तमान में अध्ययनरत हैं। श्री शर्मा कहते हैं कि वर्तमान परिवेश को ध्यान में रखकर बच्चों का भविष्य उज्जवल बनाने के साथ उन्हें एक अच्छा इंसान बनाने का प्रयास रहता है। जिसे ध्यान में रखकर विद्यालय में अनिवार्य विषयों के अलावा तमाम प्रतिस्पधाओं में भी छात्रों को निपूर्ण बनाया जाता है। विद्यालय का इतिहास है कि बोर्ड परिक्षाफल शत-प्रतिशत रहा है। जिसे भविष्य में भी कायम रखा जायेगा।

Sherwood College Nainital

Since 1869

Class III to XII
Cradle of Leadership
AMAR UJALA Education for Bharat Editor's Choice School Excellency Award 2025

Admission Queries +91 9456316655, 9458307729 www.sherwood.edu.in